@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 107 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सैन्य संबंधों में मजबूती, भारत-कंबोडिया के सैन्य अधिकारियों की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और कंबोडिया के बीच रक्षा सहयोग को नई मजबूती देने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। कंबोडिया की राजधानी फ्नोम पेन्ह में दोनों देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के बीच उच्चस्तरीय मुलाकात हुई। दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों की यह मुलाकात आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता के दौरान हुई। वहीं, इन वार्ताओं के इतर मेजर जनरल आकाश जौहर, अतिरिक्त महानिदेशक (अंतरराष्ट्रीय सहयोग), ने रॉयल कंबोडियन आर्मी के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल माओ सोफान से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात में भारत और कंबोडिया के बीच सैन्य संबंधों को और व्यापक तथा प्रभावी बनाने पर गहन चर्चा हुई। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने संयुक्त सैन्य अभ्यासों को बढ़ाने, प्रशिक्षण सहयोग का दायरा विस्तारित करने और रक्षा क्षेत्र में आपसी तालमेल को और मजबूत करने पर जोर दिया। खासतौर पर सैन्य क्षमता निर्माण, पेशेवर सैन्य शिक्षा और अनुभवों के आदान-प्रदान को सहयोग का प्रमुख आधार माना गया। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की ओर से यह हर बार स्पष्ट किया गया है कि वह मित्र देशों के साथ रक्षा साझेदारी को केवल औपचारिक वार्ताओं तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि उसे जमीनी स्तर पर क्रियान्वित सहयोग में बदलना चाहता है। वहीं, कंबोडिया ने भारतीय सशस्त्र बलों के प्रशिक्षण और पेशेवर दक्षता की सराहना की है। कंबोडिया भविष्य में अधिक सैन्य कर्मियों को प्रशिक्षण और विशेषज्ञता कार्यक्रमों के लिए भारत भेजने की इच्छा रखता है। दोनों देशों ने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रक्षा संबंधों को दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी में बदलने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत और कंबोडिया के बीच यह बढ़ता सैन्य सहयोग न केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई दे रहा है, बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संतुलन और सहयोग की भावना को भी मजबूत कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित सैन्य संवाद, संयुक्त अभ्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम दोनों देशों की सेनाओं को आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सक्षम बनाएंगे। फ्नोम पेन्ह में हुई यह मुलाकात भारत-कंबोडिया रक्षा संबंधों में एक सकारात्मक और दूरगामी संकेत के रूप में देखी जा रही है, जो आने वाले समय में और व्यापक रणनीतिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने रामनंदन मिश्रा ग्रंथावली का किया लोकार्पण

पटना। रामचंद्र प्रधान द्वारा सम्पादित स्व रामानंदन मिश्र ग्रंथावली' (पांच खंड) का लोकार्पण शाम पटना के राजभवन में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद ख़ान ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जो कौम अपनी तारीख भुला देती है, उसे इतिहास कभी याद नहीं रखता। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्व रामानंदन मिश्र असाधारण प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने कहा कि पांच खंडों में सम्पादित यह पुस्तक हमारे लिए प्रेरणा स्रोत होगी। हमें इस पढ़कर अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने बागवान कृष्ण का उल्लेख करते हुए कहा कि हर युग में असाधारण प्रतिभा के लोग पैदा होंगे जो मेरे ही अंश होंगे। मैं रामानंदन मिश्र जी को उन्हीं में से एक मानता हूं। इस मौके पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने कहा कि साल 1952 के चुनाव में नेहरू जी ने पांच हजार रुपये पार्टी को खर्च करने के लिए दिया था। आज करोड़ों अरबों रुपये चुनाव में खर्च हो रहे हैं। स्व रामानंदन मिश्र ने यह चेतावनी दी थी कि चुनाव प्रक्रिया महंगी होगी लोकतंत्र खतरें में आयेगा। इस ग्रंथावली में इस बात का उल्लेख है। राम बहादुर राय ने अपने सम्बोधन में कहा कि रामनंदन मिश्र पर लिखी गई यह पांचों ग्रंथावली पढ़ने योग्य है। इसमें से जो सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथावली है वह संस्मरण है। उन्होंने कहा कि क्रांति कैसे हो, किसान आंदोलन के दस्तावेज 1930-40 तक इस ग्रंथावली में उल्लेखनीय हैं। जो उस समय के खुफिया पुलिस के अधिकारी द्वारा लिखित है। राम बहादुर राय ने कहा कि इस किताब में इस बात का उल्लेख है कि आध्यात्मिक बुनियाद पर कोई भी समाज परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने कहा कि गाधी जी से जब जब स्व रामानंदन मिश्र मिले उनके बारे में उनकी श्रद्धा बढ़ती चली गई।

'प्रियंका बनेंगी पीएम'

कामाख्या मंदिर में स्पेशल पूजा, किस बाबा ने दिया प्रधानमंत्री बनने का अशिर्वाद?

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा दो दिवसीय असम दौरे पर हैं। उन्होंने कामाख्या मंदिर में विशेष पूजा की, जहां एक संन्यासी बाबा ने उन्हें प्रधानमंत्री बनने का आशीर्वाद दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष प्रियंका गांधी वाड्रा गुरुवार को दो दिन के दौरे पर असम पहुंचीं।

प्रियंका के असम दौरे को 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए अहम माना जा रहा है। दौरे की शुरुआत प्रियंका ने कामाख्या मंदिर में स्पेशल पूजा के साथ की। दर्शन के दौरान एक संन्यासी बाबा ने प्रियंका को अशिर्वाद दिया। जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

असम दौरे पर प्रियंका

प्रियंका गांधी सुबह करीब 10 बजे गुवाहाटी के गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचीं थी। यहां से प्रियंका सीधे कामाख्या मंदिर में पूजा करने के लिए चली गईं। मंदिर दौरे के दौरान, वायनाड की सांसद ने एक साधु से थोड़ी देर बात की, जिन्होंने प्रियंका से एक फोटो खिंचवाने की रिक्वेस्ट की।

प्रियंका को PM बनने का अशिर्वाद

इस छोटी सी मुलाक़ात का वीडियो सामने आया है, जिसमें बाबा को प्रियंका के सिर पर हाथ रखते देखा जा सकता है फिर बाबा कहते हैं, 'हमारी बेटी प्रधानमंत्री बनेगी।' इस पर प्रियंका मुस्कुराती हैं और चली जाती हैं।

मंदिर दर्शन के बाद, स्क्कगुवाहाटी में राजीव भवन (कांग्रेस भवन) के लिए रवाना हुईं, जहां उनका ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों, जिला कांग्रेस कमेटियों के नेताओं और असम प्रदेश कांग्रेस कमिटी के सदस्यों के साथ कई मीटिंग करने का प्लान था।

PM मोदी को फोन करके कहा 200% टैरिफ लगा दूंगा; ट्रंप ने फिर अलापा युद्ध रुकवाने का राग

युद्ध को रुकवाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि युद्ध जोर पकड़ चुका था और फाइटर जेट गिराए जा रहे थे। ऐसे में उन्होंने दोनों देशों को फोन करके 200 फीसदी टैरिफ लगाने की बात कही।

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को रुकवाने का दावा किया है। उन्होंने दावा किया कि इस युद्ध को रुकवाने के भारत और पाकिस्तान को फोन करके 200 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इसके बाद जाकर दोनों देश युद्ध को रोकने के लिए तैयार हुए। शुरुआत में इस युद्ध के दौरान 5 फाइटर जेट गिरने का दावा करने वाले ट्रंप ने अब इस संघर्ष में 11 फाइटर जेट गिरने का दावा किया है।

गुरुवार को वाइट हाउस में बोर्ड ऑफ पीस की एक बैठक के सभी सदस्य दलों के सामने ट्रंप ने एक बार फिर से युद्ध रुकवाने का दावा किया। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की तरफ इशारा करते हुए ट्रंप ने कहा, ÷उन्होंने(पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने) हमारे चीफ ऑफ स्टाफ के सामने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 2.5 करोड़ लोगों की जान बचाई है, जब उन्होंने हमारे और भारत के बीच युद्ध को रुकवाया। वह युद्ध जोर पकड़ चुका था। विमानों को गिराया जा रहा था।

ट्रंप ने आगे कहा, ÷ैंने दोनों को फोन लगाया, इन्हें (शहबाज शरीफ) को कम जानता था, लेकिन में प्रधानमंत्री मोदी को बहुत अच्छी तरह से जानता हूं। मैंने फोन किया और कहा कि मैं कोई डील नहीं करने वाला, अगर आप लोग लड़ते रहेंगे, इसको खत्म नहीं करेंगे तो 200 प्रतिशत टैरिफ लगा दूंगा।

पीडीए की एकजुटता को बदनाम करने और युवाओं में फूट डालने की कोशिश हो रही: अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा को लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद से चिढ़ है। अखिलेश यादव ने कहा कि यह पार्टी 'पीडीए' की एकजुटता को बदनाम करने और युवाओं में फूट डालने की साजिश कर रही है। सपा प्रमुख ने समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में विभिन्न जिलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को भाजपा की 'विरोध प्रचार की नीति' से सावधान रहना होगा और किसी भी प्रकार की नकारात्मकता से दूर रहकर संगठन को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी डॉ राम मनोहर लोहिया और बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों पर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। सपा प्रमुख ने कहा, 'पीडीए का रास्ता ही विकल्प है। कार्यकर्ता एकजुटता और आपसी तालमेल के साथ काम करें। उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है और प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी विकास की राजनीति में विश्वास रखती है। 'किसान, गरीब और नौजवानों को आगे बढ़ाने तथा प्रदेश के समग्र विकास के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार के पास अपना कोई ठोस काम नहीं है और वह समाजवादी पार्टी की पूर्व सरकार के विकास कार्यों का श्रेय लेने की कोशिश करती है।

एआई मानवता की भलाई का साझा संसाधन

इसे बड़े अवसर में बदलने की जरूरत:मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को समूची मानवता की भलाई के लिए साझा संसाधन करार देते हुए कहा है कि सभी को मिलकर इसे मानवता के लिए सबसे बड़े अवसर के रूप में बदलने की दिशा में काम करना होगा। श्री मोदी ने गुरुवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन के उद्घाटन के बाद वैश्विक नेताओं के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए विश्वास जताया कि यह सम्मेलन मानव केन्द्रीत और संवेदनशील एआई इकोसिस्टम के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने इसे एक बड़ा अवसर करार देते हुए इसका भरपूर फायदा उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा , ÷ हम इतिहास पर नजर डालें, तो पता चलता है कि इंसान ने हर बाधा को एक नए अवसर में बदला है। आज हमारे सामने फिर ऐसा ही अवसर आया है। हमें मिलकर इस बाधा को मानवता के सबसे बड़े अवसर के रूप में बदल देना है।÷ प्रधानमंत्री ने कहा कि सही समझ से ही सही परिणाम मिलते हैं इसलिए जरूरी है कि हम साथ मिलकर ऐसा रोडमैप बनाएं जिससे एआई का सही प्रभाव दिखे, और सही प्रभाव तभी होता है, जब हम सही समय पर सही नियत से, सही निर्णय लेते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि एआई को लेकर भारत की दिशा स्पष्ट है, भारत का विचार स्पष्ट है। एआई पूरी मानवता की भलाई के लिए एक साझा संसाधन है। उन्होंने कहा,÷ हमें मिलकर ऐसा एआई भविष्य बनाना होगा, जो नवाचार को आगे बढ़ाएं, समावेशन को मजबूत करे और मानव मूल्यों का समावेश करके आगे बढ़े। जब प्रौद्योगिकी और मानव विश्वास साथ-साथ चलेंगे, तो एआई का सही प्रभाव दुनिया पर दिखेगा।÷

कोविड महामारी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जब हम एक दूसरे के साथ खड़े होते हैं, तो असंभव भी संभव हो जाता है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन विकास से लेकर आपूर्ति श्रंखला तक, डेटा साझा करने से लेकर जीवन बचाने तक, सहयोग ने ही समाधान दिया। उन्होंने कहा, ÷ प्रौद्योगिकी कैसे मानवता की सेवा का माध्यम बन सकती है, ये हमने भारत में कोविड काल में देखा है। हमारा जो डिजिटल वैक्सीनेशन प्लेटफार्म था, उसने करोड़ों लोगों को समय पर वैक्सीनेट कराने में बहुत मदद की। हमारे लिए टेक्नोलॉजी पावर का नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है, पावर नहीं एंपावर करना।

मैक्रां का एआई को जिम्मेदार बनाने पर बल

भारत के साथ सहयोग के विस्तार की इच्छा जतायी

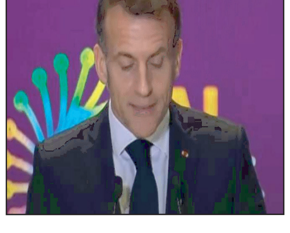

एजेंसी

नई दिल्ली। नयी दिल्ली फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता दौड़ में डिजिटल सार्वजनिक मूलभूत ढांचों पर आधारित पहचान-पत्र, जनधन खातों , स्वास्थ्य कार्ड और यूपीआई जैसी सुलभ डिजिटल भुगतान सुविधाओं का संदर्भ देते हुए प्रौद्योगिकी को जन-जन के लिए सुलभ बनाने के क्षेत्र में भारत की तारीफ की तथा एआई जैसी प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक नियम-कायदे बनाने पर जोर दिया। श्री मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में गुरूवार को यहां भारत एआई इम्पैक्ट समिट एवं प्रदर्शनी -2026 में हिस्सा लेते हुए कहा कि एआई को नवाचार और रफ्तार के साथ साथ जिम्मेदार बनाने के लिए फ्रांस , यूरोप और भारत को मिल कर चलना चाहिए ।

उन्होंने पिछले साल पेरिस में आयोजित एआई सम्मेलन में एआई को विश्व समाज को मजबूत करने का माध्यम बनाने के लिए भारत और फ्रांस की साझा पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि एक साल में ही इसका असर दिखा है। उन्होंने फ्रांस में 15 साल तक के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की अपनी सरकार की पहल को -'सभ्यता से जुड़ा विषय' बताया। उन्होंने एआई को नागरिकों पर केंद्रित बनाने के लिए सरकारों और कंपनियों के बीच मजबूत भागीदारी पर बल दिया।

मुंबई से हो कर दिल्ली पहुंच फ्रांसिसी राष्ट्रपति ने अपने भाषण की शुरुआत मुंबई के रेहड़ी-पटरीवाले की कहानी से शुरू की जो दस साल पहले बैंक खाता नहीं खोल पा रहा था क्योंकि उसके पास कोई पहचान या औपचारिक पता नहीं था। आज उसका खाता है और वह बैंक खाते के जरिए देश भार के अपने ग्राहकों से निश्चिंत रूप से डिजिटल भुगतान प्राप्त करता है। इसके माध्यम से उन्होंने भारत में 1.4 अरब लोगों की डिजिटल पहचान प्रणाली खड़ी करने और उससे नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में उत्पन्न सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे लोगों का दैनिक जीवन बदल गया है।

अबू धाबी के शहजादे से मिले मोदी, सामरिक साझेदारी और द्विपक्षीय संबंधों पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। नयी दिल्ली 19 फरवरी (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यहां अबू धाबी के शहजादे शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की और भारतङ्कसंयुक्त अरब अमीरात व्यापक सामरिक साझेदारी पर चर्चा की। शहजादे अल नाहयान ए आई सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दो दिन की भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। दोनों नेताओं की मुलाकात इस सम्मेलन के अवसर पर हुई। शहजादे की सितम्बर 2024 के बाद भारत की यह दूसरी यात्रा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने भारतङ्कसंयुक्त अरब अमीरात व्यापक सामरिक साझेदारी के महत्व की पुष्टि की जो सुदृढ़ राजनीतिक, सांस्कृतिक, वाणिज्यिक, ऊर्जा तथा लोगों के बीच संबंधों पर आधारित है। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान तथा अबू धाबी और दुबई के शाही परिवारों के अन्य सदस्यों की हाल की सफल भारत यात्राओं को भी स्मरण किया।

दोनों नेताओं ने रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और निवेश, शिक्षा तथा सांस्कृतिक सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों में हुई उल्लेखनीय प्रगति पर बात की। उन्होंने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते चार वर्ष पूरे होने का उल्लेख किया जिसके दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय निवेश की सराहना की तथा संयुक्त अरब अमीरात के सार्वभौमिक संपत्ति कोषों को भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस संदर्भ में उन्होंने 'लिमाद' को नवीनतम सार्वभौमिक कोष के रूप में साझेदारी को सुदृढ़ करने की क्षमता वाला बताया। नेताओं ने अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने पारंपरिक और नवीन दोनों क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए नयी पहलों का स्वागत किया। इनमें दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन के तहत पेशेवर आदान-प्रदान, संस्थागत सहयोग, अनुसंधान, डिजिटल स्वास्थ्य, औषधि क्षेत्र तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकियों के विकास में संयुक्त प्रयासों को बढ़ावा दिया जायेगा।

नशों के खात्मे के लिए खेल सबसे घातक हथियार हैं, खेलों के बजट में वृद्धि की जाएगी: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

लुधियाना, 19 फरवरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज ऐतिहासिक किला रायपुर ग्रामीण ओलंपिक्स में शामिल होकर खेलों को नशों के खात्मे के लिए सबसे घातक हथियार घोषित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले पंजाब के बजट में खेलों के बजट में वृद्धि की जाएगी, जिससे पंजाब के युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक दिशा में ले जाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। पिछली सरकारों के कार्यकाल के दौरान बंद की गई बैल गाड़ियों की दौड़ों को अब कानून में संशोधन के बाद फिर से शुरू किया गया है, मुख्यमंत्री ने कहा कि जब बच्चे मैदान में पसीना बहाएंगे और घरों को पदक लाएंगे तो किसी भी नशा विरोधी मुहिम की जरूरत नहीं रहेगी। किला रायपुर खेलों के पुनरुत्थान को पंजाब की ग्रामीण संस्कृति और विरासत की झलक बताते हुए, मुख्यमंत्री ने नई खेल नीति 2023 को राज्य की खेलों की शान को बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया, जिसके तहत हर गांव में स्टेडियम बनाए जाएंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि किला रायपुर में आठ एकड़ में फैले तालाब का सौंदर्यीकरण किया जाएगा और गांव में एक आधुनिक लाइब्रेरी बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि हम पिछली सरकारों द्वारा की गई लूट-खसोट की लीकेज को बंद कर रहे हैं, जिससे जनता का पैसा बचाया जा रहा है और इसे सीधे लोगों पर खर्च किया जा रहा है। किला रायपुर ग्रामीण ओलंपिक्स के दौरान सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, खेल नशों के खात्मे का सबसे घातक हथियार हैं और राज्य सरकार राज्य के आने वाले बजट में खेलों के बजट में वृद्धि करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार पहले से ही खेलों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने आगे कहा, पिछली सरकारों द्वारा युवाओं के विकास के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र को नजरअंदाज किया गया था, हमारी सरकार ने इस पर पूरा ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं की अथाह ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाने के लिए खेलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। संरचनात्मक सुधारों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, नई खेल नीति 2023 पंजाब की खेलों की शान को बहाल करने के लिए शुरू की गई थी और अब खेल बजट को भी और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने खेड्डां वतन पंजाब दियां के तीन सीजन सफलतापूर्वक करवाए गए जिसमें एक ही परिवार की तीन पीढ़ियां हिस्सा लेती दिखीं। उन्होंने कहा, राज्य सरकार के ठोस प्रयासों के कारण पंजाब आज खेलों में देश का नेतृत्व कर रहा है और मुख्य भारतीय टीमों के कप्तान पंजाब से हैं। पंजाब सरकार की नशों के खिलाफ जंग के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा,

पंजाब सरकार ने राज्य में 'युद्ध नशों के खिलाफ' मुहिम शुरू की है और खेल इस जंग में सबसे बड़ा हथियार हैं। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब के हर गांव में स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि राज्य के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर पंजाब और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। किला रायपुर खेलों को ग्रामीण संस्कृति और विरासत की झलक बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह खुशी की बात है कि पंजाब सरकार ने इस विरासत को फिर से जीवित किया है। इसे एक ऐतिहासिक पल बताते हुए उन्होंने कहा कि ये खेल विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हैं और लंबे समय से बैल गाड़ियों की दौड़ों को फिर से शुरू करने की मांग की जा रही थी। उन्होंने कहा, हम ऐतिहासिक पलों के गवाह बन रहे हैं। लोगों को अपने बैलों से बहुत प्यार है और वे उन्हें अपने पुत्रों की तरह पालते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा लगातार तीसरे साल किला रायपुर के ग्रेवाल स्टेडियम में ग्रामीण ओलंपिक 2026 करवाया जा रहा है।

शेष पृष्ठ 3 पर

जल बोर्ड के गड्ढे में गिरने से युवक की मौत मामले में ठेकेदारों को नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जल बोर्ड के गड्ढे में गिरने से युवक की मौत के मामले में सेशन कोर्ट ने गिरफ्तार 2 ठेकेदार और एक सहायक ठेकेदार को जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि हिरासत में लेकर पूछताछ जरूरी है और अपराध की गंभीरता को नजरअंदाज़ नहीं किया जा सकता है। एडिशनल सेशन जज हरलीन कौर ठेकेदार हिमांशु गुप्ता और कविश गुप्ता की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थीं। इनके खिलाफ दिल्ली पुलिस ने अरेस्ट वारंट जारी किए थे और कहा कि जांच अभी शुरुआती स्टेज में है। कोर्ट ने कहा कि इस बात की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि आरोपी गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं या सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 5 फरवरी की देर रात कमल भयानी (25) की दिल्ली में जल बोर्ड की कंस्ट्रक्शन साइट पर खोदे गड्ढे में गिरने से मौत हो गई थी। 6 फरवरी की सुबह 8 बजे पीसीआर कॉल मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद हादसे का पता चला। जांच एजेंसी को उनसे कस्टडी में पूछताछ करनी है। जांच अभी शुरुआती स्टेज में है, और जांच एजेंसी केस से जुड़ी जरूरी चीजें इकट्ठा करने में जुटी हैं। कहा जाता है कि एप्लीकेंट जांच एजेंसी की पूछताछ के दौरान सहयोग नहीं कर रहा था और टालमटोल कर रहा था। अपराध की गंभीरता और उसके सामाजिक असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस एप्लीकेशन को मंजूरी देने का कोई आधार नहीं बनता। आवेदक की मौजूदा एंटीसिपेटरी बेल एप्लीकेशन खारिज की जाती है।

पंजाब में सिविल और मिनी सचिवालय सहित पुलिस मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में सिविल सचिवालय और मिनी सचिवालय के साथ पुलिस मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद गुरुवार को पूरे परिसर में हाई अलर्ट घोषित किया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने एहतियातन मुख्य द्वारों को बंद कर लोगों के प्रवेश और निकास पर रोक लगा दी। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गईं। परिसर के भीतर और बाहर सुरक्षा घेरा बढ़ाया गया है। आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सख्ती से जांच की जा रही है। संदिग्ध वस्तुओं की तलाशी के लिए विशेष अभियान चलाया गया। सूत्रों के अनुसार धमकी किसी संदेश या ईमेल के माध्यम से मिली है। हालांकि अधिकारियों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए कोई भी जोखिम नहीं लिया जा सकता।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नहर में गिरी, चार दोस्तों की मौत, इलाके में पसरा मातम

मथुरा (एजेंसी)। यूपी के मथुरा जिले के नगला दैवीया के पास एक तेज रफ्तार कार नहर में गिर गई। इस हादसे में कार सवार चार युवकों की मौके मौत हो गई। मृतकों में तीन युवक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक हादसा बुधवार शाम को हुआ। मारुति कार में सवार चार दोस्त किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए महावन जा रहे थे। नगला दैवीया के पास कार की रफ्तार तेज होने के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी सीधे नहर में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही मगोर्रा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से कार को नहर से बाहर निकाला। कार के अंदर फंसे युवकों को जब तक बाहर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थीं। जानकारी के मुताबिक हादसे का शिकार हुए युवकों में से तीन की पहचान हो गई है, जबकि एक की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। मृतकों में राहुल वर्मा (23) निवासी महावन, पेशे से दर्जी। अमित (23) निवासी प्रेमनगर कलां, छात्र और मोहित (22) निवासी महावन, ला का छात्र था। बताया जा रहा है कि जिस कार से हादसा हुआ, वह राहुल वर्मा के भाई सज्जन सिंह की थी। एसपी देहात ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और हादसे के कारणों की बारीकी से जांच की जा रही है। एक साथ चार युवकों की मौत से महावन और बलदेवगढ़ में सन्नाटा पसरा है।

10 साल से पुरानी डीजल और 15 साल से अधिक पुरानी पेट्रोल गाड़ियां... दिल्ली सरकार करेगी जब्त

-दिल्ली परिवहन विभाग ने जारी की सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली परिवहन विभाग ने राजधानी में तय उम्र पार कर चुकी गाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी पूरी कर ली है। दिल्ली सरकार की ओर से जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार अब 10 साल से अधिक पुरानी डीजल और 15 साल से अधिक पुरानी पेट्रोल गाड़ियां, जिन्हें 'एंड ऑफ लाइफ व्हीकल' माना गया है, बिना किसी पूर्व नोटिस के जब्त हो सकती हैं। यह कार्रवाई केवल सड़कों पर चल रही गाड़ियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पार्किंग, खुले मैदान या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर खड़े वाहनों पर लागू होगी। दिल्ली परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित आयु सीमा पूरी कर चुकी गाड़ियों को दिल्ली में रखने की अनुमति नहीं है। यदि ऐसी गाड़ियां राजधानी में दिखाई देती हैं, तब उन्हें कानून के तहत जब्त कर सीधे स्क्रैप (कबाड़) के लिए भेजा जा सकता है। यह कदम वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और पर्यावरण मानकों के सख्त पालन के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। वाहन मालिकों को सलाह दी गई है कि वे अपनी पुरानी गाड़ियों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त कर उन्हें दिल्ली से बाहर किसी अन्य राज्य में ट्रांसफर करा लें। इससे वे जब्ती और अन्य कानूनी कार्रवाई से बच सकते हैं। विभाग का कहना है कि आने वाले समय में एक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें बीएस-3 और उससे नीचे के उत्सर्जन मानकों वाले वाहनों की पहचान कर उन्हें हटाया जाएगा। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे नियमों की जानकारी समय रहते प्राप्त करें और आवश्यक कदम उठाएं, ताकि अचानक होने वाली कार्रवाई से किसी प्रकार की असुविधा न हो।

'वंदे मातरम' विवाद पर शशि थरूर... देशभक्ति दिल से होती, कानून बनाकर मजबूर नहीं करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और पूर्व मंत्री शशि थरूर ने 'वंदे मातरम' को लेकर चल रही बहस पर साफ कहा कि किसी भी नागरिक को गाने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। उन्होंने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए गाइडलाइंस की आलोचना कर कहा कि देशभक्ति दिल से होती है, और कानून बनाकर इस गाने को जबरन किसी की जुबान पर नहीं लाया जा सकता। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आदेश दिए हैं कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' अब सभी आधिकारिक कार्यक्रमों में पूरा गाना अनिवार्य होगा।

कांग्रेस नेता थरूर ने इस दौरान 'वंदे मातरम' के इतिहास का उल्लेख किया। यह गीत बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखा गया था और स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों और सत्याग्रहियों को प्रेरित करता था। उन्होंने कहा कि आज एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में राज्य और व्यक्तिगत अंतरात्मा के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। स्वतंत्रता के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 'वंदे मातरम' गाती थी, लेकिन देश की धार्मिक विविधता को देखकर 'जन गण मन' को राष्ट्रगान चुना गया। संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत का समान दर्जा दिया, ताकि स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका सम्मानित हो और किसी समुदाय को अलग-थलग न किया जाए। यह एक सोच-समझकर किया गया समझौता था।

कांग्रेस नेता थरूर ने रवींद्रनाथ टैगोर की भूमिका का भी जिक्र किया। टैगोर ने 1896 में गीत को संगीतबद्ध किया और 1937 में सुझाव दिया कि सार्वजनिक मंचों पर केवल पहले दो अंतरे गाए जाएं। शुरुआती पंक्तियां मातृभूमि की प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीकात्मक वर्णन करती हैं, जिसे सभी स्वीकार कर सकते हैं। लेकिन बाद के अंतरों में दुर्गा और लक्ष्मी जैसी देवी-देवताओं का उल्लेख है, इससे कुछ धर्मों के लोग धार्मिक कारणों से नहीं गा सकते। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि कई मुस्लिम नागरिकों की आपत्ति इसी कारण है, क्योंकि इस्लाम में तौहीद के सिद्धांत के अनुसार किसी अन्य ईश्वर या देवी-देवता को मानना या उसकी स्तुति करना स्वीकार्य नहीं है।

कांग्रेस सांसद थरूर ने मोदी सरकार के हालिया आदेश पर भी सवाल उठाकर कहा कि किसी प्रतीक की ताकत उसकी स्वैच्छिक श्रद्धा में है, जबरदस्ती पालन में नहीं। उन्होंने 1986 के सुप्रीम कोर्ट के 'जेहोवाज विटनेस केस' का उदाहरण दिया, जिसमें धार्मिक कारणों से राष्ट्रगान न गाने वाले छात्रों को बहाल किया गया था। थरूर ने सुझाव दिया कि 'वंदे मातरम' विवाद में यही मॉडल अपनाया जाए—जो लोग पूरी श्रद्धा से गाना चाहते हैं, वे गाएं, और जिन्हें धार्मिक या अंतरात्मा की आपत्ति है, उन्हें चुपचाप सम्मान करने का अधिकार मिले, बिना दंड या सामाजिक बहिष्कार के। यह दृष्टिकोण धर्मनिरपेक्षता और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक सोच-समझकर किया गया प्रयास है।

नई दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी... यात्रियों को लंबी लाइनों और देरी का सामना करना पड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह तकनीकी खराबी के चलते हड़कंप मच गया। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयरलाइंस द्वारा बुकिंग और चेक-इन के लिए इस्तेमाल होने वाले नेविटेयर सिस्टम के सर्वर में समस्या आ गई। इस वजह से यात्रियों को लंबी लाइनों और देरी का सामना करना पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट पर यह खराबी सुबह करीब 6-45 बजे सामने आई और तकनीकी टीम ने करीब 7-30 बजे तक ठीक किया। इस दौरान एयरलाइंस को यात्रियों की जानकारी मैनुअल रूप से अपडेट करनी पड़ी, जिससे सुबह की भीड़ में असुविधा बढ़ गई और कुछ उड़ानें प्रभावित हुईं। इसतरह मुंबई एयरपोर्ट पर भी ऐसी स्थिति देखी गई। नेविटेयर सिस्टम की खराबी के कारण यात्रियों को चेक-इन काउंटर पर लंबा इंतजार करना पड़ा और भीड़भाड़ की शिकायतें सामने आईं। नेविटेयर सिस्टम एयरलाइन टिकट बुकिंग, चेक-इन और बोर्डिंग जैसी सुविधाओं के लिए अत्यंत जरुरी है। इसके ठप होने पर एयरलाइंस यात्रियों को समय पर सेवा देने में असमर्थ होती हैं, इससे देरी और अव्यवस्था होती है। बीते साल नवंबर में भी कई एयरपोर्ट पर तकनीकी गड़बड़ी के मामले सामने आए थे। दिल्ली के आईजीआईए पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल प्रणाली में खराबी के कारण उड़ान संचालन बाधित हुआ था। इसके बाद भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने मामले पर स्पष्टीकरण दिया था। इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि एयरपोर्ट और एयरलाइंस के लिए तकनीकी सिस्टम की स्थिरता बेहद जरूरी है, और ऐसी खामियों से यात्रियों को असुविधा उठानी पड़ती है। कुल मिलाकर, गुरुवार की यह तकनीकी दिक्कत यात्रियों के लिए थोड़ी परेशानी का कारण बनी, लेकिन तकनीकी टीम की त्वरित कार्रवाई से स्थिति जल्दी नियंत्रण में आ गई।

संजय राउत के बयान पर पवन खेड़ा कि प्रतिक्रिया... उनके बयान पर इंडिया ब्लॉक में विचार होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सहयोगी संजय राउत के हालिया बयान पर गौर किया जाएगा। उन्होंने कहा, वह एक वरिष्ठ नेता हैं। अगर उन्होंने कुछ कहा है, तब निश्चित रूप से इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी इस बयान के बारे में विचार कर तय करने वाले हैं कि क्या किया जाए है। इसके पहले शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसंभा सांसद संजय राउत ने इंडिया ब्लॉक के कामकाज की आलोचना कर आरोप लगाया कि गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव नजदीक आने पर ही सक्रिय होता है और प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों पर लगातार समन्वय का अभाव है।

मुंबई में राउत ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का काम लोकसभा चुनाव नजदीक आने पर शुरू होता है। तब तक किसी के बीच कोई संवाद नहीं होता। तब तक इंडिया ब्लॉक में जनता क्या कर रही है, यह किसी को नहीं पता होता। उन्होंने इस जोर दिया कि संसद के अंदर मुद्दों को उठाना ही काफी नहीं है, खासकर तब जब विपक्षी नेताओं को बाधाओं का सामना करना पड़ता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जिक्र कर राउत ने कहा, वे राहुल गांधी को संसद में बोलने तक नहीं देते। क्या हम बाहर कुछ कर सकते हैं?

राउत ने तर्क दिया कि गठबंधन को पूरे राजनीतिक चक्र में सक्रिय रहना चाहिए, न कि केवल आम चुनाव से पहले। उन्होंने किसानों की परेशानी, कानून व्यवस्था और मणिपुर की स्थिति सहित कई गंभीर मुद्दों की ओर इशारा किया, जिन पर समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है। देश में इतनी सारी समस्याएं हैं।

पीएम मोदी ने रामकृष्ण को स्वामी कह संबोधित किया, ममता का आरोप... बंगाल की सांस्कृतिक परंपरा के खिलाफ

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। सीएम ममता ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने रामकृष्ण परमहंस के जन्मदिन पर उन्हें स्वामी रामकृष्ण परमहंस कहकर संबोधित किया, जो बंगाल की सांस्कृतिक परंपरा के खिलाफ है और महान संत के प्रति सांस्कृतिक असंवेदनशीलता को दिखाता है। ममता बनर्जी ने पोस्ट पर अपनी नाराजगी जताकर कहा कि यह अभूतपूर्व और अनुचित संबोधन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंगाल में रामकृष्ण परमहंस को व्यापक रूप से ठाकुर या श्री रामकृष्ण के रूप में पूजा जाता है। ममता ने कहा कि परमहंस के देहांत के बाद उनके तपस्वी शिष्यों ने रामकृष्ण मठ और मिशन का गठन किया था, जिन्हें भारतीय परंपरा के अनुसार स्वामी कहा गया। लेकिन स्वयं आचार्य या गुरु को हमेशा ठाकुर कहा जाता रहा है। उन्होंने पीएम मोदी के बयान को बंगाल की संस्कृति और परंपराओं की समझ की कमी बताकर अनुचित बताया।

दरअसल, पीएम मोदी ने गुरुवार को रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने हिंदी में पोस्ट किया कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। पीएम मोदी ने लिखा कि उनके आध्यात्मिक विचार और संदेश हमेशा मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहने वाले है।

रामकृष्ण परमहंस (1836-1886) दक्षिणेश्वर काली मंदिर के पुजारी थे और विभिन्न धर्मों की एकता तथा आध्यात्मिक सद्भाव का संदेश देने के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। उनके शिष्यों में स्वामी विवेकानंद प्रमुख थे, जिन्हें स्वामी उपाधि से संबोधित किया गया। वर्तमान में रामकृष्ण मिशन और रामकृष्ण मठ उनकी शिक्षाओं पर आधारित सक्रिय संस्थाएँ हैं। बंगाल में वे ठाकुर के रूप में सम्मानित हैं, इसलिए ममता बनर्जी ने पीएम मोदी के संबोधन को सांस्कृतिक दृष्टि से असंवेदनशील करार दिया। इस विवाद ने धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के सही प्रयोग पर बहस को फिर से उभारा है, खासकर उन संदर्भों में जहाँ सार्वजनिक नेताओं द्वारा संतों और आचार्यों को संबोधित किया जाता है।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने गुरुद्वारा बंगला साहिब में टेका माथा, वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआई इम्पैक्ट समिट-2026 में भाग लेने से पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दिल्ली के प्रसिद्ध गुरुद्वारा बंगला साहिब में माथा टेका और श्रद्धालुओं के साथ समय बिताया जो भारत-फ्रांस के बीच बढ़ते संबंधों का प्रतीक माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मैक्रों की इस यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जहां वे एक वैश्विक नेता के साथ-साथ एक श्रद्धालु के रूप में नजर आ रहे हैं। गुरुद्वारा बंगला साहिब के प्रबंधन ने भी उनके आगमन पर विशेष ध्यान दिया और इस यात्रा को यादगार बना दिया। उन्होंने वहां सिख समुदाय की परंपराओं को देखा और श्रद्धा भाव के साथ अपनी प्रार्थना की। इससे पहले दौरे के दौरान उन्होंने दिल्ली में निजामुद्दीन दरगाह का भी दौरा किया था।

मुस्लिम आरक्षण रद्द करने पर भड़की कांग्रेस ने कहा- बदले की राजनीति के सिवाए कुछ नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की महायुति सरकार द्वारा मुस्लिम समुदाय को शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के 2014 के पुराने आदेश को औपचारिक रूप से रद्द करने के फैसले ने राज्य की राजनीति में नया उबाल ला दिया है। जहाँ सत्ता पक्ष इसे केवल एक कानूनी और प्रक्रियात्मक औपचारिकता बता रहा है, वहीं विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस ने इसे अल्पसंख्यकों के खिलाफ बदले की भावना से की गई कार्रवाई करार दिया है।

यह विवाद 2014 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले शुरू हुआ था, जब तत्कालीन कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन सरकार ने एक अध्यादेश के जरिए मराठा समुदाय को 16 प्रतिशत और मुस्लिम समुदाय को विशेष पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत 5 प्रतिशत आरक्षण दिया था। इस नीति को बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिसने मराठा आरक्षण को तो खारिज कर दिया था, लेकिन शैक्षणिक संस्थानों में मुस्लिम आरक्षण को आंशिक रूप से बरकरार रखा था। हालांकि, बाद में आई भाजपा-शिवसेना सरकार ने इस अध्यादेश को कानून का रूप नहीं दिया, जिससे यह समय सीमा समाप्त होने के बाद निष्प्रभावी हो गया था। अब वर्तमान सरकार ने उसी पुराने आदेश (जीआर) को आधिकारिक रूप से रद्द करने का प्रस्ताव जारी किया है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों से शपथ के समय सभी के प्रति निष्पक्ष रहने और संविधान का पालन करने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन केंद्र और राज्य सरकारें ऐसा नहीं कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उच्च न्यायालय ने कोटे के पक्ष में फैसला सुनाया था, तब भी इसे रद्द करना सरकार की भेदभावपूर्ण मानसिकता को दर्शाता है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का तर्क है कि भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता और 2014 का वह आदेश तकनीकी रूप से पहले ही खत्म हो चुका था। इस पूरे घटनाक्रम में उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) शिवसेना का रुख चर्चा का विषय बना हुआ है। हाल के महीनों में अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति नरम रुख दिखाने वाली पार्टी ने इस मुद्दे पर फिलहाल चुप्पी साध रखी है। पार्टी सांसद संजय राउत ने केवल इतना कहा कि इस विषय पर बाहर चर्चा करने के बजाय आगामी विधानसभा सत्र में अपनी बात रखी जाएगी। वहीं, शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी सरकार के इस कदम का कड़ा विरोध किया है। विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही आरक्षण का यह मुद्दा राज्य में ध्रुवीकरण और तीखी राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है।

असम में तीसरी बार सत्ता में वापसी को जुटा भगवा दल... कांग्रेस की राह नहीं दिख रही आसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। भाजपा के लिए यहां सत्ता बचाने की चुनौती है। भगवा गुट यदि असम में सरकार बनाने में सफल होता है, तब असम में यह भगवा गुट की हैट्रिक होगी। भाजपा ने इसके लिए पूरी ताकत झोंक दी है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने हाल ही में पार्टी कार्यकर्ताओं को असम विधानसभा में 50 प्रतिशत वोट लाने का लक्ष्य दे दिया है। बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में में बीजेपी का वोट शेयर 33.2 प्रतिशत था। वहीं, सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही कांग्रेस को तब जबरदस्त झटका लगा जब पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी छोड़ दी।

भाजपा अध्यक्ष नवीन के द्वारा दिए गए टारगेट को अगर बीजेपी हासिल कर लेती है, तब असम में सभी दलों का सूपड़ा साफ कर देगी। विपक्ष सिर्फ 20-28 सीटों पर सिमट कर रह जाएगा। बता दें कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की लोकप्रियता अभी भी कायम है। वहीं सत्ता में वापस आने के लिए व्याकुल दिख रही कांग्रेस की असम विधानसभा की राह आसान नहीं है। वरिष्ठ नेता भूपेन बोरा के इस्तीफे से जहां पार्टी आंतरिक चुनौती से जूझ रही है, वहीं महाजोत में भी सब कुछ ठीक नहीं है। सीट बंटवारे में ज्यादा से ज्यादा सीट हासिल करने को लेकर महाजोत के कई घटकदल दबाव बनाए हुए हैं। असम में अप्रैल में चुनाव हो सकते हैं।

तमाम कोशिशों के बावजूद कांग्रेस असम में पार्टी को एकजुट रखने में विफल रही। तमाम कोशिशों के बाद भी बोरा ने आखिरकार पार्टी छोड़ दी। पार्टी को डर है कि भूपेन बोरा के साथ उनके भरोसेमंद कई विधायक और नेता भाजपा में शामिल हो सकते हैं। इससे मतदाताओं में पार्टी की छवि कमजोर होगी। इसके साथ महाजोत में सीट बंटवारा भी कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है। क्योंकि, 2021 के महाजोत में कई बदलाव हुए हैं। एआईयूडीएफ और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) दोनों महाजोत से अलग हो चुके हैं। बीपीएफ अब एनडीए का हिस्सा है, वहीं मौलाना बदरुद्दीन अजमल की अगुआई में एआईयूडीएफ अपने दम पर चुनाव लड़ेगा।

वहीं, असम जातीय परिषद और अखिल गोगोई का रायजोर दल अब महाजोत में शामिल हैं। कांग्रेस ने एजेपी और रायजोर दल दोनों को महाजोत में 11-11 सीट देने की पेशकश की है, पर दोनों दल इससे ज्यादा सीट की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस इन्हें अधिक सीट देती है, तब चुनाव में कांग्रेस को कम सीट पर लड़ना होगा। असम में दूसरे दलों के साथ गठबंधन किए बगैर भाजपा की अगुआई वाले एनडीए को शिकस्त देना कांग्रेस के लिए आसान नहीं है।

अरुणाचल के करीब परमाणु हथियारों का जाल बिछा रहा चीन, भारत के लिए खतरे की घंटी

-चीन का यह परमाणु विस्तार दक्षिण एशिया की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग की सेना न्यूक्लियर हथियारों के दम पर डराने के पैंतरे आजमा रही है। दुनिया की नजरों से छुपकर चीन के अंदर एक बहुत बड़ी साजिश चल रही थी, जिसका कच्चा चिट्ठा अब सैटेलाइट तस्वीरों ने खोल दिया है। इन तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि चीन भारत के अरुणाचल प्रदेश के बिल्कुल करीब परमाणु हथियारों का जाल बिछा रहा है। चीन की यह गुस्ताखी न सिर्फ भारत के लिए बल्कि पूरे एशिया की शांति के लिए खतरा बन सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश की सीमा से महज 800 किलोमीटर दूर चीन के सिचुआन प्रांत में परमाणु ताकत का विस्तार चल रहा है, जिसका पर्दाफाश सैटेलाइट तस्वीरों ने किया है। इन फोटोज में चीन का वह गुप्त साम्राज्य दिख रहा है जहां न केवल नए परमाणु हथियार बन रहे हैं बल्कि उन्हें और भी घातक बनाने के लिए परीक्षण किया जा रहा है, जहां रूस और अमेरिका के बीच परमाणु संधि खत्म हो चुकी है, दूसरी तरफ चीन का यह बेलगाम परमाणु विस्तार दक्षिण एशिया की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। सिचुआन की पहाड़ियों में छिपे ये ठिकाने सीधे तौर पर भारत के पूर्वी इलाकों के लिए रेड अलर्ट हैं।

सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि सिचुआन की घाटियों में दो प्रमुख जगहों पर काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। जितोंग घाटी में नए बंकर और मजबूत पाइपलाइन नेटवर्क देखे गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस जगह का उपयोग हाई एक्सप्लोसिव टेस्टिंग के लिए किया जा रहा है, जो परमाणु वारहेड को ट्रिगर करने के लिए जरूरी है। पिंगटोंग घाटी में प्लूटोनियम पिट्स का निर्माण किया जा रहा है, जो परमाणु बम का कोर होते हैं, यहां की सुरक्षा इतनी सख्त है कि यह किसी किले जैसी दिखती है।

बता दें सिचुआन, अरुणाचल प्रदेश से भौगोलिक रूप से सिर्फ 800 किमी दूर है। चीन ने पहले ही अरुणाचल को अपना 'कोर इंटरेस्ट' घोषित कर दिया है। परमाणु शक्ति का विस्तार चीन को सीमा पर एडवांटेज देगा। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन अपने परमाणु जखीरे को इसलिए बढ़ा रहा है ताकि वह अमेरिका और भारत जैसे देशों को अपने परमाणु हथियारों की पोजीशन दिखाकर डराने की स्थिति में ला सके। 2026 की शुरुआत तक चीन के पास 600 से ज्यादा परमाणु वारहेड हो चुके हैं और 2030 तक यह संख्या 1,000 के पार जाने का अनुमान है। ये भारत के लिए खतरे की घंटी है।

दोस्ती से नाराज पत्नी के दोस्त की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। गोकलपुरी इलाके में अपनी पत्नी के दोस्त रवि की हत्या कर भागे आरोपी को पुलिस ने सोमवार देर शाम यूपी के बलिया से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान 42 साल के गौरी शंकर यादव के रूप में हुई है। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पत्नी के साथ रवि की दोस्ती को लेकर वह नाराज था। इसी बात को लेकर उसने रवि की डंडे से पीट-पीट कर हत्या कर दी। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि रविवार सुबह गोकलपुरी पुलिस को डी ब्लॉक गोकलपुरी स्थित एक मकान की छत पर एक युवक के खून से लथपथ पड़े होने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को तुरंत पास के जीटीबी अस्पताल लेकर पहुंची। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 28 साल के रवि के रूप में हुई। पुलिस को मौके पर 32 साल की महिला मिली। जिसने पूछताछ में बताया कि उसके पति ने रवि की हत्या की है। रवि उसका दोस्त था। उसने बताया कि उसके दो बच्चे हैं। उसका पति कोई काम नहीं करता है। वह गुजरात कमाने के लिए गया था। लेकिन शुक्रवार को वापस लौट आया। उसे नहीं पता था कि इस दौरान रवि उसके साथ रहता है। इस बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया। रात में सोने के दौरान आरोपी गौरी शंकर ने रवि की सिर पर डंडे से वारकर हत्या कर दी। बाद में आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला तो आरोपी भागता हुआ दिखाई दिया। उसके आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। अब पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

रोहिणी में अब फिर नाले में गिरा शख्स... जैसे-तैसे बची उसकी जान

नई दिल्ली। इससे पहले जनकपुरी में ही जल बोर्ड की ओर से खोदे गए गड्ढे में कमल ध्यानी नाम का युवक गिरकर जान गंवा चुका है। लगातार तीसरी घटना के बावजूद खुले नाले और मैनहोल किसी बेगुनाह की जान लेने के लिए खुले पड़े हैं। घटना का वीडियो वायरल होने पर हादसे का पता चला। जानकारी के मुताबिक बृहस्पतिवार रात एक शख्स अपनी पत्नी के साथ रोहिणी सेक्टर-32 स्थित साप्ताहिक बाजार में सब्जियां खरीदने आया था। इस दौरान नाले के ऊपर पैदल चल रहा था। नाले के कुछ हिस्से पर स्लैब नहीं था। अंधेरा होने की वजह से वह देख नहीं पाया और सीधे नाले में गिर गया। उसके साथ मौजूद उसकी पत्नी ने पति को नाले में गिरता हुआ देखा तो शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर वहां काफी लोग आ गए। इस दौरान लोगों ने देखा कि नाले में गिरा शख्स खुद ही लोहे के एंगल को पकड़कर बाहर निकल रहा है। लोगों ने उस शख्स का हौसला बढ़ाया और उसे खींचकर बाहर निकाला। नाले में गिरने से उसके कपड़ों में कीचड़ लग गया था। वह तुरंत वहां से पत्नी के साथ घर चला गया।

खुले नाले में गिरकर युवक की मौत, बिहार का रहने वाला था बिरजू

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-32 इलाके में सड़क के साथ बने डीडीए के खुले पड़े नाले गिरने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त 23 साल के बिरजू के रूप में हुई है। उसके दोस्त सूरज ने मंगलवार को बेगमपुर थाना पुलिस को बताया कि सोमवार रात दोनों दोस्त नशे में आ रहे थे। इस दौरान उसका दोस्त बिरजू गायब हो गया। साथ ही उसने उसके नाले में गिरने की आशंका भी जताई। इस सूचना पर पुलिस ने दमकल विभाग को जानकारी दी। दमकल कर्मियों ने करीब चार घंटे की तलाशी के बाद बिरजू के शव को नाले से बरामद कर लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस सूरज से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। जानकारी के मुताबिक मूलत: बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला बिरजू रोहिणी सेक्टर-32 स्थित निर्माणाधीन इमारत में मजदूरी करता था। वह अपने अन्य साथियों के साथ निर्माणाधीन स्थल पर ही रहता था। मंगलवार को सूरज बेगमपुर थाना पुलिस को बताया कि वह सोमवार रात बिरजू के साथ रात करीब आठ बजे शराब पीकर निर्माणाधीन साइट पर आ रहा था। वह आगे आगे चल रहा था जबकि उसके पीछे बिरजू आ रहा था। साइट पर पहुंचने पर उसने बिरजू को गायब पाया। साइट पर मौजूद ठेकेदार ने उससे बिरजू के बारे में पूछताछ की। सूरज ने पहले उसके अपहरण की बात बताई। बाद में उसने बताया कि शायद वह नाले में गिर गया है। उसके बाद सभी मजदूर नाले के पास पहुंचे, काफी तलाश के बाद उसका कोई सुराग नहीं मिला। मंगलवार दोपहर इसकी जानकारी बेगमपुर थाना पुलिस को दी गई। शाम करीब चार बजे दमकल विभाग को सूचना दी गई। उसके बाद नाले में मशीन लगाकर पानी को निकालने का काम शुरू किया गया। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने नाले से युवक के शव को निकाल लिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि नाला करीब छह फुट गहरा है। कुछ माह पहले ही डीडीए ने नाले का निर्माण करवाया है। लोगों ने बताया कि इस नाले पर कई जगहों पर स्लैब रखे हुए हैं तो कई जगहों पर स्लैब गायब हैं। लोगों ने बताया कि नाले पर स्लैब होता तो उसकी जान बच सकती थी। पुलिस ने बिरजू के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रोहिणी जिला के अतरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव रंजन ने बताया कि बेगमपुर थाना पुलिस को दोपहर 2.36 में युवक के लापता होने की जानकारी मिली। मजदूरों ने बताया कि वह रात में शराब का सेवन किया था। शाम करीब 7.30 बजे बिरजू गायब हो गया। सूरज ने बताया कि उसने रात में किसी को नहीं बताया क्योंकि वह नशे में था और दोपहर में होश में आते ही उसने इसकी जानकारी दी। पुलिस लापरवाही का मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही डीडीए के कर्मचारी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने तुरंत स्लैब मंगवाकर खुले नालों को ढकने के काम शुरू कर दिया। लोगों ने बताया कि नाला ढंका होता तो युवक की जान बच जाती। घटना के बाद तीन सौ मीटर तक पुलिस बैरिकेड लगाकर उस रास्ते को बंद कर दिया गया है। जनकपुरी में हुए हादसे के बाद भी प्रशासन सबक नहीं ले रहा है। पूर्वी दिल्ली में इन दिनों खुले नालों के ढक्कन दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे हैं। दिलशाद गार्डन, कृष्णा नगर, शाहदरा, सूरजमल विहार, लक्ष्मी नगर, त्रिलोकपुरी आदि जगहों पर खुले पड़े नालों में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ऐसा ही एक गड्ढा आईपीयू के ईस्ट दिल्ली कैंपस में देखने को मिला जो पूरी तरह से खुला हुया है जिसमें राहगीरों के गिरने की संभावना लगातार बनी हुई है। करीब दस फीट गहरे नाले में कोई कभी भी गिर सकता है। शाहदरा निवासी दीपक ने बताया कि कुछ दिनों पहले हुई सफाई के बाद से नालों को खुला छोड़ दिया गया है। जिसके चलते लोगों को यहां से बच के निकलना पड़ता है। स्कूल जाने वाले बच्चों और बुजुर्गों पर खतरा ज्यादा बना रहता है। संबंधित निकायों को समस्या का समाधान जल्द से जल्द करना चाहिए। दिलशाद गार्डन निवासी जितेंन्द्र सिंह ने बताया कि नालों के उपर बने फुटपाथों से लैंटर टूट जाने के कारण गहरे गड्ढे हो गए हैं। अगर कोई राहगीर इस पर चलते हुए जरा सा भी चूका तो सीधे नाले में गिरेगा, जिससे उसकी जान तक जा सकती है।

नशों के खात्मे के लिए खेल सबसे घातक हथियार हैं, खेलों के बजट में वृद्धि की जाएगी: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा कि इस मेले का मुख्य आकर्षण बैल गाड़ियों की दौड़ें 12 साल के अंतराल के बाद फिर से जीवंत हुई हैं। बैल गाड़ियों की दौड़ों को फिर से शुरू करने संबंधी कानूनी व्यवस्था के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 11 जुलाई, 2025 को पंजाब विधानसभा में 'जानवरों पर अत्याचार की रोकथाम (पंजाब संशोधन) एक्ट, 2025' सर्वसम्मति से पास किया गया था जिससे बैल गाड़ियों की दौड़ों को फिर से शुरू करने का रास्ता साफ हुआ था। उन्होंने आगे कहा कि कानून पास होने के बाद 29 जुलाई, 2025 को लुधियाना के गांव महिमा सिंह वाला में विरासती खेल प्रेमियों द्वारा एक शानदार समागम करवाया गया था। उन्होंने कहा, बैल गाड़ियों की दौड़ें हमारी ग्रामीण विरासत को दर्शाती हैं और हमें हमारे संस्कृति और विरासत से जोड़ती हैं। यह परंपरागत खेलों का पुनरुत्थान है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, बैल राज्य की सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न अंग हैं और पहले सिख गुरु साहिब श्री गुरु नानक देव जी ने करतारपुर साहिब में लंबा समय बैलों के साथ खेती की। उन्होंने आगे कहा कि जब बैल गाड़ियों की दौड़ों पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून लागू किया गया तो विरासती खेल प्रेमियों को बड़ा झटका लगा और परंपरागत खेल विरासत को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, यह खेल मेला पंजाबी संस्कृति की एक जीवंत तस्वीर है, जहां कुश्ती, नाच-गाना जैसी खेलों के माध्यम से पंजाब की महान विरासत को निहारा जा सकता है। इस समागम से जुड़ी विरासत को याद करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि ध्यान चंद, बलवीर सिंह, ऊधम सिंह, प्रिथीपाल सिंह, अजीतपाल सिंह और सुरजीत सिंह जैसे महान हॉकी खिलाड़ियों ने इस समागम में अपनी प्रतिभा के जोहर दिखाए। उन्होंने आगे कहा कि मिल्खा सिंह, मक्खन सिंह, प्रदुमन सिंह, गुरबचन सिंह रंधावा और परवीन कुमार समेत देश भर के शीर्ष एथलीट भी इस ट्रैक पर दौड़े। इन खेलों की शुरुआत के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि सरदार इंदर सिंह की सरपरस्ती के तहत साल 1933 में इस स्टेडियम को बनाने का सपना देखा गया था जब ग्रेवाल एजुकेशन सोसाइटी और ग्रेवाल स्पोर्ट्स एसोसिएशन बनाई गई थी। उन्होंने कहा कि यहां पहले कुश्ती मुकाबले साल 1933 में हुए और साल 1942 में इस मैदान पर रथ दौड़ें शुरू हुईं, जो 1950 में छतरी हटाने के बाद बैल गाड़ियों की दौड़ों में बदल गईं। उन्होंने कहा, बैल गाड़ियों की दौड़ों के साथ-साथ, इस स्टेडियम में एथलेटिक्स मुकाबले भी शुरू हुए जिसने कई पीढ़ियों को खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि साल 1964 में यहां लड़कियों के एथलेटिक्स मुकाबले शुरू किए गए, जिससे लड़कियों के एथलेटिक्स करवाने वाला यह पहला ग्रामीण स्टेडियम बन गया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि साल 1933 में शुरू हुई किला रायपुर की खेलें अब मिनी ओलंपिक या ग्रामीण ओलंपिक के रूप में जानी जाती हैं और भारत के राष्ट्रपति और अन्य प्रमुख व्यक्तित्व भी इनमें शामिल होते रहे हैं। गांवों में भाईचारा और एकता पर जोर देते हुए उन्होंने किला रायपुर के निवासियों द्वारा खेल विरासत को एकजुट होकर फलने-फूलने के लिए प्रशंसा की और सभी गांवों से राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर गांवों के विकास में योगदान देने की अपील की। किला रायपुर के निवासियों की मांगों का जिक्र करते हुए भगवंत सिंह मान ने कई विकास परियोजनाओं की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गांव की फिरनी वाली सड़क को 1.5 करोड़ रुपये की लागत से चौड़ा किया जाएगा, गांव की सहकारी सभा को पुनर्जीवित किया जाएगा, गांव के आठ एकड़ में फैले तालाब को 95 लाख रुपये की लागत से सीवेज मॉडल पर विकसित किया जाएगा, गांव की लाइब्रेरी को 10 लाख रुपये की लागत से अपग्रेड किया जाएगा और सिक्स-ए-साइड हॉकी एस्ट्रोटर्फ के निर्माण पर 2 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। स्टेडियम में फ्लड लाइटें लगाई जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि डेहलों से पखोवाल सड़क का 30 करोड़ रुपये की लागत से नवीनीकरण किया जाएगा और काम जल्द ही शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य योजना के तहत लोगों को 10 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा कार्ड के लिए नाम दर्ज करवाने की अपील करते हुए कहा, यह राज्य का सबसे बड़ा स्वास्थ्य सुधार कार्यक्रम है। हर परिवार अब 10 लाख रुपये तक का नकद रहित इलाज प्राप्त करने का हकदार है। उन्होंने आगे कहा कि समाज के हर वर्ग की भलाई के लिए बनाई गई इस महत्वपूर्ण योजना से लगभग 65 लाख परिवारों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार से हलवारा हवाई अड्डे का नाम महान शहीद करतार सिंह सराभा के नाम पर रखने की मांग की है, जो 19 साल की उम्र में शहीद हो गए थे। उन्होंने कहा, यह उस महान नायक को सच्ची श्रद्धांजलि होगी जिसने देश को विदेशी साम्राज्यवाद से आजाद करवाने के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आने वाली पीढ़ियों के लिए इन शहीदों की शानदार विरासत को कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर %आप% के वरिष्ठ नेता और पंजाब के पार्टी इंचार्ज मनीष सिसोदिया, कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां और तरुणप्रीत सिंह सौंद तथा अन्य व्यक्तित्व मौजूद थे।

नाम बदलकर महिला चला रही थी वसूली का गिरोह, अब दिल्ली पुलिस का सिपाही पति भी रडार पर

दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की वीडियो बनाकर उनसे वसूली करने गैंग बड़ा खुलासा हुआ है। आरोपी महिला नाम बदलकर गिरोह चला रही थी। उसका असली नाम पूजा है, मगर वह स्नेहा मलिक के नाम से पहचानी जाती थी। दिल्ली पुलिस की जांच में ये बात भी सामने आई कि आरोपी 150 से ज्यादा पुलिसकर्मियों से उगाही कर चुकी है, मगर किसी भी पुलिसकर्मी ने उसे आज तक देखा नहीं है। अपराध शाखा के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला का पति दिल्ली निवासी प्रवीण, जोकि दिल्ली में पुलिस में सिपाही है, उत्तर-पश्चिमी जिले के आदर्श नगर थाने में तैनात है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में महिला के पति की भी संदिग्ध भूमिका सामने आ रही है। जल्द ही सिपाही को पूछताछ के लिए अपराध शाखा के कार्यालय बुलाया जाएगा। हालांकि आरोपी महिला पूजा ने पति की किसी तरह की भूमिका होने से इनकार किया है। महिला के गिरोह में पांच से छह लोग शामिल हैं। महिला के बैंक खातों की डिटेल खंगाली गई तो ज्यादा रकम उसमें नहीं मिली। पुलिस को जांच में ये भी पता लगा कि महिला व उसके गिरोह के सदस्य उगाही की ज्यादातर रकम आए दिन बड़े होटलों में पार्टी में उड़ा देते थे। खास बात ये है कि महिला अति सुरक्षित इलाके कहे जाने वाले नई दिल्ली व आईजीआई एयरपोर्ट पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को अपना शिकार बनाती थी। ये पुलिसकर्मियों का चालान करते समय वाहन मालिक से बातचीत करते हुए ऑडियो व वीडियो बना लेती थी। इसके बाद पुलिसकर्मियों को वह भेजकर उनसे उगाही करती थी। ये किसी भी पुलिसकर्मी से एक लाख रुपये से कम नहीं लेती थी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मंगलवार को इस गिरोह का पर्दाफाश किया था। पुलिस ने गिरोह सरगना स्नेहा

डेली-वीकली न्यजू पेपर एसोसिएशन रजि. ने अनिल कुमार शर्मा को फिर अध्यक्ष चुना

कौमी पत्रिका

दिल्ली। दिल्ली डेली-वीकली न्यजू पेपर एसोसिएशन रजि. की मिटिंग में सर्व सहमति से निर्णय लिया गया है कि अनिल कुमार शर्मा को एक बार फिर से अध्यक्ष बनाया गया है और साथ ही कार्यकारिणी की भी घोषणा की गयी जो कि इस प्रकार से है। अनिल कुमार शर्मा (अध्यक्ष), भूपेन्द्र सिंह लूथरा (उपाध्यक्ष), सुनील शर्मा (उपाध्यक्ष), संदीप सिंह गोदरा (सलाहकार), राहुल शर्मा (महासचिव), पवन कुमार शर्मा (सचिव) और सोनिया शर्मा (सचिव) नियुक्त किए गये हैं। इस मीटिंग शामिल रहे पत्रकार जो कि इस प्रकार हैं: बी.के अवस्थी नोएडा, राजीव मित्रा, गाजियाबाद से नवल शर्मा और आकाश शर्मा, मुरादनगर से अजुर्न कुमार, मोदी नगर से राकेश राजपूत, मेरठ से शिवकुमार और सुभाष वर्मा, सहारनपुर योगेश अग्रवाल, बरेली से सुरेश गंगवार, लखनऊ से देवेन्द्र सिंह यादव, हरीश श्रीवास्तव इत्यादि लोग इस मीटिंग में शामिल रहे। इनकी ईमानदारी और संघर्ष को देखते हुए जिस तरह से इन्होंने छोटे-मझोले समाचार पत्रों के लिए संघर्ष किया और उसका समाधान कराया। इसी को देखते हुए विशेष रूप से सभी पत्रकार और प्रकाशनों एवं संपाकदों ने एक आवाज में बोला फिर से अनिल शर्मा को अध्यक्ष बनाया जाए।

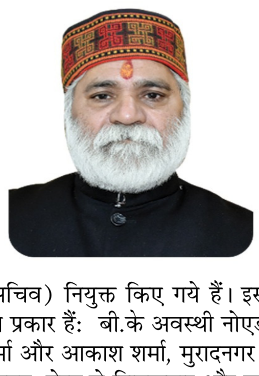

NAME CHANGE

I, BHAGYASHRI, is legally Spouse of Army No. 2810156Y, Rank – Hav, Name – KALE JANARDAN PRABHAKAR, presently residing at Vill – Pimpalgav Lep, Post – Jalgaon Neur, Teh – Yeola, Dist – Nashik, State – Maharashtra – 423401, have changed my name from BHAGYASHRI to KALE BHAGYASHRI JANARDAN for all future purposes. Vide affidavit dated 19/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SAVITA, is legally mother of Army No. 2809847Y, Rank – Hav, Name – KADAM SUHAS RAGHUNATH, presently residing at Vill – Jakhangaon, Post – Jakhangaon, TQ – Khatav, Dist – Satara, State – Maharashtra – 415505, have changed my name from SAVITA to SAVITA RAGHUNATH KADAM and my date of birth from 06/11/1971 to 01/05/1968 for all future purposes. Vide affidavit dated 19/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, RAGHUNATH, is legally father of Army No. 2809847Y, Rank – Hav, Name – KADAM SUHAS RAGHUNATH, presently residing at Vill – Jakhangaon, Post – Jakhangaon, TQ – Khatav, Dist – Satara, State – Maharashtra – 415505, have changed my name from RAGHUNATH to RAGHUNATH RAMCHANDRA KADAM and my date of birth from 07/02/1968 to 01/06/1964 for all future purposes. Vide affidavit dated 19/02/2026 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of Mr. Nitin to inform to the public at large that Mr. Nitin is the owner of Plot No. 6B, land area measuring 100 Sq. Yards i.e. 83.61 Sq. Meters, out of Khasra No. 2437, Situated at Raja Vihar Colony, Village Dadri, District Gautam Budh Nagar, U.P. who owned the said property vide Sale Deed dated 03.09.2025 (Doc. No.45985) executed by Smt. Mukesh and same will be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch-Loni. That, Original Sale Deed dated 26.06.2007 executed by Mr. Niranjan Singh in favour of Smt. Bhagrati Devi, vide Doc. No.9829, Vol. No. 749, Book No. 1, Pages No. 315-322, dated 26.06.2007, SR-Dadri has lost. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email: advabhisingh1993@gmail.com

NAME CHANGE

I Rakesh Kumar Gupta S/o Jagdish Prashad Gupta R/o C-3/20, Near AXIS Bank, Janak Puri, Janakpuri B-1, S.O.District West Delhi, Delhi-110058 have changed my name to Rakesh Gupta for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, MOHD HASHIM, S/o MAHMOOD ALI, R/o H.No. 1060, Gali No. 18, E-2 Block, Nehru Vihar, Dayalpur, Delhi-110094, declare that my father's name is wrongly recorded as MEHMOOD ALI instead of MAHMOOD ALI and my mother's name is wrongly recorded as RUKAIYA BEGUM instead of RUKYYA BEGAM in my Class 10 & 12 certificates issued by Central Board of Secondary Education and in Passport No. I0606326.The correct names are MAHMOOD ALI and RUKYYA BEGAM, and both versions refer to the same persons.

NAME CHANGE

I hitherto known as JYOTI RANI alias JYOTI D/o CHETAN DAS W/o NARESH R/o J - 21 , Block - J , Krishna Vihar , North West Delhi , Delhi - 110086 have changed my name and shall hereafter be known as JYOTI.

NAME CHANGE

I hitherto known as HUMERA KHAN alias HUMERA BEGUM D/o MOHD YONUS KHAN W/o TAYYAB ALI KHAN R/o C - 99/A , Shaheen Bagh , Abul Fazal Enclave Jamia Nagar , Okhla , Dist : South Delhi , Delhi - 110025 have changed my name and shall hereafter be known as HUMERA BEGUM.

NAME CHANGE

I, SHASHAANK MOHAN GAUR S/o HARI MOHAN GAUR R/o S - 56 , Kensington Park Plots - ll , Jaypee Greens Wishtown , Sector - 131 , Noida , PO : Maharishi Nagar , Dist : Gautam Buddha Nagar , Uttar Pradesh - 201304 have changed the name of my minor Son VAIDURYA GAUR aged 13 Years and he shall hereafter be known as VAAIDURYA GOUR.

NAME CHANGE

I, UMESH KUMAR S/o KARTAR SINGH R/o Ganga Ram Panna , Kair , South West Delhi , Delhi - 110043 have changed the name of my minor son JAI aged 13 years and he shall hereafter be known as JAI KUMAR.

NAME CHANGE

I, PREETI W/O SUNNY SHARMA R/O G-3/428, GALI NO-16. PUSTA-5, SONIA VIHAR, KARAWAL NAGAR, PO KARAWAL NAGAR, DIST. NORTH EAST DELHI-110094 have changed the name of my minor daughter NAVYA alias NAYRA SHARMA aged 8 years and she shall hereafter be known as NAYRA SHARMA.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री ललित कुमार पुत्र श्री दिनेश को खसरा संख्या 140 में स्थित 50 वर्ग गज के भूखंड के संबंध में, जो ग्रीन सिटी, चिरोड़ी ग्राम, परगना, तहसील लोनी, जिला लोनी, गाजियाबाद, प्रदेश में स्थित है, श्रीमती खुर निशा पत्नी श्री यूसुफ द्वारा निष्पादित दिनांक 02.05.2022 के पंजीकृत जीपीए, एटीएस और वसीयत के अनुसार उक्त संपत्ति श्री ललित कुमार पुत्र श्री दिनेश को बेची जानी है और इसका वित्तपोषण गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान सूचना के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में मुझे सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20,
Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

नाम परिवर्तन

मैं रचना (जन्म तिथि 27/09/1976) पुत्री श्री पारसनाथ दुबे, 201/8 C , रामचंदर गली, आदर्श मोहल्ला, मौजपुर दिल्ली-53 निवासी, सूचित करती हूं कि मेरा नाम रचना दुबे है लेकिन पासपोर्ट पर मेरा नाम रचना लिखा हुआ है जिसमें मेरा उपनाम शामिल नहीं है। कृपया भविष्य में सभी जगह मुझे केवल रचना दुबे के नाम से ही जाना जाए।

NAME CHANGE

I, SHANTY SHERI is legally Wife of No. 15671121P Rank- HAV Name-SHERI JOHN presently residing at PAKKAVUMKAL, CHETHAKKAL, PO: CHETHACKAL, DIST: PATHANAMTHITTA, (KERALA)-689677 have changed my name from SHANTY SHERI TO SHANTY T KUNJUKUNJU for all future purposes. Vide Affidavit Dated 19/02/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, DHANKUNWAR BAI is a real mother of No 15726570M Rank NK (OCC) Name DINESH SINGH RAWAT presently residing VPO-NARAUA, TEH-NARWAR, DIST-SHIVPURI, (MADHYA PRADESH)-473880 have changed my name from DHANKUNWAR BAI TO DHANKUAR RAWAT for all future purposes. Vide Affidavit Dated 19/02/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, ANANT SINGH is a real father of No 15726570M Rank NK (OCC) Name DINESH SINGH RAWAT presently residing VPO-NARAUA, TEH-NARWAR, DIST-SHIVPURI, (MADHYA PRADESH)-473880 have changed my name from ANANT SINGH TO ANANT SINGH RAWAT for all future purposes. Vide Affidavit Dated 19/02/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, AMALE DADA DNYANDEO, is legally father of Army No. 2815795K, Rank – Nk, Name – AMALE VITTHAL DADA, presently residing at Vill – Sounde, Post – Kondhej, Teh – Karmala, Dist – Solapur, State – Maharashtra, Pin – 413202, have changed my name from AMALE DADA DNYANDEO to AMALE DADA DNYANDEV for all future purposes.Vide affidavit dated 06/02/2026 before Public Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री अवधेश कुमार दुबे, श्री शीतल प्रसाद दुबे के पुत्र, संपति संख्या 61, नया नंबर ए-199, गली संख्या 8 पर निर्मित द्वितीय मंजिल (छत टेरेस के अधिकारों के बिना) के संबंध में, जिसका क्षेत्र ?ल 40 वर्ग मीटर है, के संबंध में... दिल्ली राज्य के पालम गांव में स्थित खसरा क्रमांक 112/15 के अंतर्गत आने वाली, मधु विहार पार्ट-1 कॉलोनी, नई दिल्ली-110059 में स्थित गज भूमि, दिनांक 27.01.2025 के नोटरीकृत जीपीए, एटीएस और नमीयत के अनु ?सार, श्रीमती मोनिका उपाध्याय (पत्नी श्री संतोष कुमार उपाध्याय) द्वारा निष्पादित की गई है और उक्त संपति श्रीमती राधिका देवी को बेची जानी है। इसका वित्तपोषण एसएमएसजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व हे या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए फोन पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20,
Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

Religion change

I, Bushra Irfan D/O Sayeed Irfan W/O Pankaj Kumar R/O Flat No. 1701,17th floor, Tower -3, Capital Athena , Plot No. GH-12 A/2, Near ATS Chowk , Sector 1,GNIDA, Greater Noida West Bisrakh, Uttar Pradesh, Bishrakh , PO: I. A. Surajpur, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201306- do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced Hinduism and renounced Islam with effect from 21.11.2025 and changed my name Preethi Pankaj Kumar

NAME CHANGE

I, MOHIT S/O AJAY SINGH residing at H NO-125 MAIN ROAD MANDAWALI FAZALPUR DELHI-110092 have changed my name to MOHIT SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE

I, KRISHANA Mother of No-15223773H Rank-HAV Name-BILLOO residing at VILL-PURANA KASBA BAGHPAT, MOHALLA CHAUHANAN, PO-BAGHPAT, TEHSIL & DIST-BAGHPAT, UTTAR PRADESH-250609, have changed my name from KRISHANA to KRISHNA for all future purposes vide Affidavit dated 19/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MANOJ KUMAR BHUDOLIA S/O SHYAM SUNDER BHUDOLIA residing at FLAT-902 TOWER-32 LOTUS ESPACIA SECTOR-100 NOIDA GAUTAM BUDH NAGAR UP-201301 have changed my name to MANOJ BHUDOLIA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MAHADEVI Mother of SURESH KUMARA Presently residing at VILL-MARAGOWDANAHALLI, HEBBALU HOBLI, TALUK-K. R. NAGARA, DIST- MYSORE, KARNATAKA-571602, have changed my name from MAHADEVI to MAHADEVAMMA for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 10/03/1974 instead of my correct date of birth as 04/05/1964 vide Affidavit dated 19/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SIDAK REHAL S/O SHREE RANJEET SINGH R/O B-32, MADHUBAN, SHAKARPUR, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name and shall hereafter be known as GURPREET SINGH REHAL. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि श्रीमती गीता गौड़ पत्नी श्री शिव कुमार, खसरा संख्या 1110 में से 25 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले प्लॉट संख्या 50-ए के आवासीय खाली हिस्से की मालिक है, जो संगम पार्क, मकनपुर कॉलोनी, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है। दिनांक 11.04.2025 को बिक्री विलेख 4146// एसआर-वी, गाजियाबाद के अनुसार श्रीमती पुनम देवी पत्नी श्री मुकेश कुमार द्वारा निष्पादित और संपत्ति श्रृंखला में स्वर्गीय श्री मदन कुमार पोद्दार का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी श्रीमती पुनम देवी पत्नी श्री मुकेश कुमार के पास उपलब्ध नहीं है ओर एटीएस और वसीयत दिनांक 31.03.2021 भी उक्त संपत्ति के गायब होने और शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित होने के लिए, आम जनता को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी के पास उक्त संपत्ति में कोई भार/हित/शीर्षक है या किसी भी प्रकार का विवाद है तो कृपया वर्तमान तिथि से 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें.

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20,
Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

I, Paridhi D/O Manoj Kumar R/O A-80, Karan Enclave, Chipiyana Buzurg, Chipyana Buzurg, PO: Chhipyana, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201009, have changed my name and shall hereafter be known as Paridhi Sharma

NAME CHANGE

I DHARAMVEER SINGH S/0 ATMARAM R/0 P-227 Gali No 6 Phase 4 Shiv Vihar Karawal Nagar Delhi 110094 Changed my name to DHARAMVEER SINGH PANCHAL

NAME CHANGE

I hitherto known as RAJVEER LOHIYA S/O BALVEER SINGH R/O House No. 09, Bisrakh Khairpur Gurjar, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207, have changed my name and shall hereafter be known as RAHUL KUMAR.

NAME CHANGE

I, Vikrant Yadav S/o Vijai Singh Yadav R/o 1701 Modena Tower Mahagun Mirabella, Sector 79, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pardesh - 201304, have changed my minor daughter's name from Krisha Yadav aged 4 years to Krisha Gitanjali Yadav forever

NAME CHANGE

I Kalloo Kumar S/o Kamlesh Kumar R/o Buddhi Vihar, Moradabad, Uattar Pardesh - 244001, have changed my name to Param Sokh

NAME CHANGE

I, Puneet Kumar Yagysaini S/o Sheetla Prasad R/o Kothi Ward, Haidergard, Bara Banki, Uttar Pradesh - 227301, have changed my minor daughter's name from Anokhi Yagysaini aged 7 years to Apeksha Yagysaini forever

NAME CHANGE

It is for general information that I, Sushil Mishra S/o Ram Avadh R/o G-175/A24, Near Nepali Mandir, Punjabi Basti Baljeet Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 declare that name of my wife has been wrongly written as Munni Mishra in my minor son Shivam Mishra aged 15 years in his School Records. The actual name of my wife is Munni Devi.

NAME CHANGE

I Arju Katiyar S/o Radhey Shyam Katiyar R/o Plot No. 327 First Floor Sec-13 Vasundra Indira Puram Gzb Uttar Pradesh-201012 have changed the name of my minor son Ansaj Katiyar aged 13 years and he shall hereafter be known as Anshaj Katiyar.

NAME CHANGE

I hitherto known as Ankita Singh D/o Sanjeev Kumar R/o 297, Niti Khand-3rd, Indirapuram, Shipra Sun City, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 have changed my name and shall hereafter be known as Shreya Singh.

NAME CHANGE

I, GIRJABAI, is legally mother of No. 2810473A, Rank – NK, Name – WAGH ASHOK JANURAO, presently residing at Vill – Waghachawada, Post – Tambarajuri, Tahsil – Patoda, Dist – Beed, State – Maharashtra – 414204, have changed my name from GIRJABAI to GIRJABAI JANURAO WAGH and date of birth from 14/08/1965 to 01/01/1995 for all future purposes. Vide affidavit dated 17/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, JYOTI, is legally spouse of Army No. 2812835P, Rank – Hav, Name – KAKLIJ RAKESH KHUSHAL, presently residing at Vill – Vakhari, Post – Vakhari, Teh – Nandgaon, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 423106, have changed my name from JYOTI to JYOTI RAKESH KAKLIJ for all future purposes. Vide affidavit dated 17/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as Sonu Kumar S/O: Pappu Singh, R/O VTC: Pootha Husainpur, PO: Rampur Puth, Sub District: Hapur, District: Hapur, State: Uttar Pradesh, PIN Code: 245101, have changed my name and shall hereafter be known as SACHIN KUMAR.

NAME CHANGE

I hitherto known as Satish S/O Rampal Singh, R/O Salempur, PO: Salempur, DIST: Bulandshahr, Uttar Pradesh - 203001, have changed my name and shall here after be known as Shorya kumar.

NAME CHANGE

It is for general information that I, GAGAN SABHERWAL S/o SUNIL SABHERWAL, Resident of B-190, TOP FLOOR, NARAINA VILLAGE, DELHI-110028, declare that name of mine has been wrongly written as GAGAN in my Driving License No. P09072008476851. The actual name of mine is GAGAN SABHERWAL recently, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I VANSHUL S/O SUSHIL SETHI R/O HOUSE NO 817 NEAR E.S.I HOSPITAL SECTOR-9 FARIDABAD SECTOR 7 HARYANA 121006 HAVE CHANGED MY NAME TO VANSHUL SETHI

NAME CHANGE

I,Safi Begum W/o Mohd Saleem R/o S-46/131, Indra Gandhi Camp 2, Taimoor Nagar, New Friends Colony, New Delhi-110025, declare that the both names, Shabada Begam mentioned in my Ration Card and Safi Begum mentioned in all other documents, both name are one of the same person i.e. Safi Begum. That in future I will be known by the name of Safi Begum for all purpose.

NAME CHANGE

I Zareena Begum W/O Ahmed Ali R/O. H.No-132, T/F, Mata Wali Gali, Rajput Mohalla Ghonda, Garhi Mendu, Delhi-110053 have changed my name to Zareena.

NAME CHANGE

I Zareena W/O Munna Khan R/O. H.No-138, Gali No-4, B-Block, Brijpuri Delhi 110094 have changed my name to Rahisa Begum.

NAME CHANGE

I GURDEEP SINGH S/O HARBHAJAN SINGH TULI R/O H NO-A/86, 2ND FLOOR, CHANDER NAGAR, JANAKPURI, WEST DELHI, DELHI-110062. have changed my name to GURDEEP SINGH TULI for all future purpose.

NAME CHANGE

I MANJEET KAUR W/O GURDEEP SINGH TULI R/O H NO-A/86, 2ND FLOOR, CHANDER NAGAR, JANAKPURI, WEST DELHI, DELHI-110062. have changed my name to MANJEET KAUR TULI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Fatan S/o Bundu R/o Kherli Kankar (169), Mewat, Rewasan, Haryana-122103 have changed my name to Fate Mohd.

NAME CHANGE

I SUVRNA legally mother of ARMY NO-13630733L RANK-SEP, NAME-POTE SAGAR SAHEBRAO, UNIT-22MARATHA LI, 958 presently residing At-PIMPALGAON LEP POST-JALGAON NEUR TEL-YEOLA, DIST -NASHIK PIN-423401 have changed my name from SUVRNA TO POTE SUNANDA SAHEBRAO and date of birth is from 01/06/1972 to 01/01/1974 for all future purposes. Vide affidavit dated 19/02/2026 before Notary Delhi.

Date of Birth Changed

I POTE SAHEBRAO KALU legally father of ARMY NO-13630733L RANK-SEP, NAME- POTE SAGAR SAHEBRAO, UNIT-22MARATHA LI, 958 presently residing At-PIMPALGAON LEP POST-JALGAON NEUR, TEL-YEOLA, DIST -NASHIK PIN-423401 have changed my date of birth from 01/06/1970 to 01/06/1972 for all future purposes. Vide affidavit dated 19/02/2026 before Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री नंद किशोर यादव, पुत्र श्री कुनेन्द्र पाल यादव, प्लॉट संख्या 22 के स्वामी हैं, जिसका क्षेत्रफल 1570 वर्ग फीट (अर्थात 145.910 वर्ग मीटर) है, जो खसरा संख्या 638, 639 एवं 640 का भाग है, स्थित ग्राम पारा, वार्ड आलमनगर, परगना बिजनौर, तहसील सरोजनी नगर, जनपद लखनऊ, उत्तर प्रदेश में है। श्री नंद किशोर यादव ने उक्त संपत्ति श्री बिरेंद्र कुमार श्रीवास्तव से दिनांक 08.07.2021 के विक्रय विलेख (दस्तावेज संख्या 4963) के माध्यम से क्रय की थी। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल श्रृंखला दस्तावेज, अर्थात दिनांक 18.07.2008 का विक्रय विलेख (दस्तावेज संख्या 5812), तथा श्री बिरेंद्र कुमार श्रीवास्तव के नाम जारी शेयर प्रमाणपत्र, आवंटन पत्र एवं कब्जा पत्र खो गए हैं। अत: उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में ये मूल दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। उक्त दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में दिनांक 19.12.2025 को ऑनलाइन प्राथमिकी (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 20250000941555) दर्ज कराई गई है। कृपया यह भी अवगत हों कि उक्त संपत्ति पर हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, लखनऊ शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

रोजगार मेले में 200 से अधिक अभ्यर्थियों को मिली नौकरी

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपतजिला रोजगार अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि रोजगार विभाग, सोनीपत द्वारा जीवीएम कॉलेज के सहयोग से कॉलेज के प्रांगण में रोजगार मेले का सफल आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों की कुल 25 प्रतिष्ठित कंपनियों को आमंत्रित किया गया, ताकि जिले के अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें।

उन्होंने बताया कि मेले में लगभग 500 से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चयन प्रक्रिया के दौरान 200 से अधिक अभ्यर्थियों का मौके पर ही चयन किया गया, जबकि अन्य अभ्यर्थियों को आगे की प्रक्रिया के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। युवाओं का उत्साह और सहभागिता सराहनीय रही। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर साई सर्विस, फीम्स अस्पताल, एचडीएफसी, एलआईसी सोनीपत, पुखराज, कौशिक ऑर्थोपेडिक्स, टोरटैक, लीटल एंजेल स्कूल, राई इंडस्ट्री एसोसिएशन, एक्सीस मक्स लाइफ इंश्योरेंस, कोरल सहित अन्य संस्थानों ने भाग लेकर योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया। उन्होंने बताया कि युवाओं की रुचि को देखते हुए निकट भविष्य में भी ऐसे रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें। उन्होंने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय, सोनीपत युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉ. ओ.पी. परूथी, प्रिंसिपल डॉ. मंजुला, सुमित कुमार आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री खरखौदा में मारुति प्लांट का करेंगे उद्घाटनः सुशील सारवान

सोनीपत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अप्रैल में प्रस्तावित दौरे को लेकर उपायुक्त सुशील सारवान ने आईएमटी खरखौदा में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने मारुति प्लांट का दौरा करते हुए मारूति कंपनी के अधिकारियों के साथ भी बैठक की और सभी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान उपायुक्त ने संभावित कार्यक्रम स्थल, सुरक्षा प्रबंध, ट्रैफिक रूट प्लान, पार्किंग व्यवस्था सहित सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग अपने दायित्वों का निर्वहन गंभीरता एवं समन्वय के साथ सुनिश्चित करे, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्र के प्रस्तावित दौरे को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं तय समय सीमा में पूर्ण कर ली जाएं और प्रत्येक अधिकारी स्वयं स्थल पर जाकर निरीक्षण करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने और प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

सरकार ने न किसी की पेंशन बंद की और न कटने दीः कृष्ण बेदी

जींद। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि भाजपा सरकार ने ना किसी की पेंशन बंद की है और ना किसी की पेंशन काटने काम किया है। पेंशन को लेकर कुछ शिकायतें थीं तो उनके विभाग के अधिकारियों ने इसे जांचने का काम किया। जब यह मामला मुख्यमंत्री नायब सैनी के संज्ञान में आया तो केवल इन मामलों की जांच की गई लेकिन किसी की पेंशन रोकी नहीं गई।कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी उचाना में धन्यवाद एवं उचाना विकास रैली को संबोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने पेंशन को लेकर कहा कि सीएम ने केवल एक ही बात कही थी कि पेंशन शिकायतों की बस जांच की जाए लेकिन तब तक पेंशन किसी की न रोकी जाए और लोगों के खाते में पेंशन लगातार आती रहे। इससे ज्यादा कोई बात नहीं थी। ना किसी की पेंशन काटनी थी और ना ही रोकनी थी। हालांकि विभागीय अधिकारियों ने कहा कि पेंशन रोक देते हैं लेकिन मुख्यमंत्री ने बडा दिल दिखाया और पेंशन सभी के खातों में डलवाने का काम किया। उन्होंने कहा कि भाजपा हर साल पेंशन बढ़ाने का काम कर रही है। यह मनोहर की पीढ़ी और पीएम के नीति पर चलने वाली सरकार है। फसल एमएसपी पर खरीद रहे हैं और 24 घंटे में मुआवजा भी आता है। उन्होंने कहा कि एक स्कीम चलती है, एक के साथ एक फ्री। उचाना में सीएम ने अलग स्कीम चला रखी है। देवेंद्र अत्री के साथ कृष्ण बेदी, डा. कृष्ण मिड्ढा फ्री।

उचाना अब ठहराव नहीं विकास चाहता है : देवेंद्र अत्री

जींद। उचाना विधायक देवेंद अत्री ने कहा कि उचाना की धरती पर उमडा जनसैलाब यह साबित कर रहा है कि अब उचाना ठहराव नहीं विकास चाहता है। उचाना ने अब तक बड़े बड़े राजनीतिक घरानों को चुना है, ऐसा पहली बार हुआ कि भाजपा ने मुझे प्रत्याशी के रूप में उतारा और गरीब किसान के बेटे को विधानसभा में भेजा। पहले चुने हुए लोग जीत कर दिल्ली और चंडीगढ़ से राजनीति करते थे, उन्हें उचाना से लेना देना नहीं था। पहले उनसे मिलने के लिए पांच से दस हजार रुपये खर्च करने पड़ते थे। उचाना के विधायक देवेंद्र अत्री अतिरिक्त अनाज मंडी उचाना में धन्यवाद एवं उचाना विकास रैली को संबोधित कर रहे थे। विधायक ने कहा कि पहले लोग लाइनों में लगते थे और शाम तक बैठे रहते थे, मगर मैं प्रतिदिन जनता की सेवा में रहता हूं। हर गांव में समस्याएं सुनते हैं। भाजपा सरकार में विकास की रफ्तार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ढाकल हैड और बरसोला माइनर का मुद्दा है। यह लोगों की विशेष मांगे हैं। उचाना के छह गांव आईएमटी में शामिल करने पर धन्यवाद किया और कहा कि इससे उचाना में जमीनों के भाव बढ़ेंगे। उन्होंने उनके निदेवन पर उचाना बस अड्डे को शुरू करने पर धन्यवाद किया।

कांग्रेस की न नीयत है और न कोई नीति है : सीएम नायब सैनी

एजेंसी

जींद,। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस की न नीयत है और न कोई नीति है। उनके नेतृत्व को विश्व जानता है। यह लोग भारत को बदनाम करने में में लगे हैं। सीएम ने कांग्रेस पर चुटकी पर लेते हुए कहा कि विस चुनाव के दौरान कांग्रेस ने लड्डू भी बनवा दिए थे, लेकिन भाजपा जीत गई। भाजपा की जीत के बाद आज तक ये सदमे से उबरे नहीं है। कांग्रेस का झूठ अब नहीं चलेगा। अगली बार भी कांग्रेस का सुपडा साफ होगा।हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी अतिरिक्त अनाज मंडी उचाना में धन्यवाद एवं उचाना विकास रैली को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने थुआ के मोगा नंबर 3600 एल बधाना माइनर को पक्का करवाने के लिए 75 लाख जारी करने की बात कही। उचाना विस के छह जलघरों की रिमोडलिंग तथा रिहैबलिटेशन करवाई जाएगी। इस पर

तीन करोड़ 72 लाख रुपये खर्च आएगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घोघडिया के नए भवन का निर्माण भी किया जाएगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उचाना खुर्द में नया भवन बनवाया जाएगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करसिंधू को अपग्रेड करने की घोषणा की। जिस पर लगभग 20 करोड़ खर्च किए जाएंगे।उन्होंने कहा कि बुढापा पेंशन को लेकर भी कांग्रेस ने लोगों को बहकाने का काम किया। पंजाब में आम आदमी की सरकार है लेकिन वहां भी आम आदमी का नाश कर दिया। हरियाणा में कांग्रेस और आप ने समझौता किया और दोनों ने मिल कर कुरूक्षेत्र में सांसद चुनाव को लेकर प्रत्याशी उतारा। कुरूक्षेत्र वालों ने उसे साफ कर दिया और उसे वहीं भेज दिया जहां से आया था। वहीं मनरेगा में भ्रष्टाचार को भी भाजपा ने रोकने का काम किया। उन्होंने कहा कि उचाना की भूमि को लंबे समय से अनदेखा किया गया। केवल और केवल वोट के लिए इस्तेमाल किया गया। यहां के लोगों की जरूरतों और आवश्यकताओं को नजर अंदाज किया। झूठे वादे कर आपके वोटों की फसल तो तीन पीढ़ियों तक काटी लेकिन विकास के नाम पर कुछ नहीं किया। झूठे सपने दिखा कर अपनी पीढ़ियों को आगे बढाया। परिवारवाद की दलदल में फंसे इन लोगों ने केवल अपना फायदा सोचा है।

बजट सत्र के लिए इनेलो की तरफ से दिए गए 11 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में 20 फरवरी से शुरू होने वाले बजट सत्र के लिए सदन में इनेलो के विधायक दल के नेता आदित्य देवीलाल और विधायक अर्जुन चौटाला ने विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर जनहित से जुड़े 11 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिए हैं।

इनेलो कार्यालय की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार एसवाईएल नहर निर्माण के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश पर कोई कार्रवाई न किए जाने, स्पष्टीकरण, प्रदेश में बढ़ते अपराध के कारण खराब हुई कानून व्यवस्था, प्रदेश के सरकारी स्कूलों में हजारों की संख्या में खाली पड़े शिक्षकों के पद, प्रदेश में बेतहाशा बढ़ रहे नशे, विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की भारी कमी, एचटेट में परीक्षार्थियों से करीब 72 लाख रुपए की अतिरिक्त वसूली करने, वृद्धावस्था सम्मान पेंशन, चंडीगढ़ में विधानसभा भवन के लिए जगह अलॉट न करवा पाने, श्रम मंत्रालय में हुए 1500 करोड़ रुपए के घोटाले पर अभी तक कोई कार्रवाई न करने, वोकेशनल शिक्षा के लिए प्रशिक्षण संस्थानों में शिक्षकों की भारी कमी, धान एवं बाजरा खरीद में हुए घोटाले पर कोई ठोस कार्रवाई न करने बारे ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिए हैं।

साथ ही विधायक आदित्य देवीलाल की तरफ से मुख्यमंत्री समेत स्वास्थ्य मंत्री, कृषि मंत्री, राजस्व मंत्री, सिंचाई मंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री एवं आबकारी मंत्री से उनके विभागों से संबंधित 9 तारांकित एवं 2 अतारांकित प्रश्न भी पूछे गए हैं।

इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला की तरफ से भी मुख्यमंत्री, गृह मंत्री, कृषि मंत्री, शिक्षा मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से उनके विभागों से जुड़े अति महत्वपूर्ण 8 तारांकित और 2 अतारांकित प्रश्न पूछे गए हैं।

ड्रेन प्रदूषण पर आठ टीमों ने औद्योगिक क्षेत्र में मारे छापे

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत जिले में ड्रेन अंक छह और मुंगेशपुर ड्रेन के जल की खराब गुणवत्ता तथा औद्योगिक इकाइयों द्वारा संभावित रूप से अनुपचारित अपशिष्ट जल छोड़े जाने की आशंका को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक विशेष अभियान चलाया। उपायुक्त सुशील सारवान के नेतृत्व में एक दिन का विशेष औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें आठ टीमों का गठन कर विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में एक साथ जांच की गई। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा चिन्हित आठ क्षेत्रों में यह अभियान संचालित किया गया। निरीक्षण के लिए बोर्ड के सदस्य सचिव, पंचकूला के निर्देश पर अन्य जिलों से पांच अतिरिक्त क्षेत्रीय अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई, ताकि जांच प्रभावी ढंग से पूरी हो सके। टीमों ने नाथुपुर, अकबरपुर बरौटा, राठधना, बहालगढ़ मार्ग, पियाऊ मनियारी, कुंडली, मुरथल, लिवासपुर, रामनगर, धतूरी, सनपेड़ा, भिगान मार्ग, कामी मार्ग, लड़सौली और खरखौदा सहित विभिन्न स्थानों पर औचक निरीक्षण किया।

अभियान के दौरान विशेष ध्यान उन उद्योगों पर केंद्रित रहा जो साझा अपशिष्ट शोधन संयंत्र से जुड़े नहीं हैं और हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम के औद्योगिक क्षेत्रों के बाहरी क्षेत्र में संचालित हो रहे हैं। संबंधित इकाइयों में स्थापित अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र और सीवरेज शोधन संयंत्र के प्रवेश व निकास बिंदुओं से जल के नमूने लेकर परीक्षण हेतु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की फरीदाबाद स्थित प्रयोगशाला भेजे गए।

हरियाणा विधानसभा बजट सत्र की तैयारियां पूरी

स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने की अधिकारियों के साथ बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के 20 फरवरी से शुरू होने वाले बजट सत्र को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने जहां पूरा दिन बैठकों का आयोजन किया वहीं राज्यपाल प्रो.असीम घोष से मुलाकात करके उन्हें सदन में अभिभाषण के लिए औपचारिक निमंत्रण भी दिया।

स्पीकर ने हरियाणा, पंजाब सीआईएसएफ और यूटी चंडीगढ़ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। गुरुवार को भी सत्र को लेकर बैठकों का दौर जारी रहेगा। सुबह कार्य सलाहकार समिति की तथा शाम को समिति सभापतियों के साथ बैठकें होंगी। शुक्रवार को अभिभाषण उपरान्त राज्यपाल के साथ सभी सदस्यों की सेरेमोनियल गेट पर सामूहिक फोटो भी होगी। चंडीगढ़ यूटी प्रशासन को इस बारे में कदम

उठाने की जरूरत है। हरियाणा, पंजाब और यूटी चंडीगढ़ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए विस अध्यक्ष ने कहा कि सत्र के दौरान सभी व्यवस्थाएं समुचित ढंग से की जाए। उन्होंने सुरक्षा में तैनात होने वाले सुरक्षाकर्मियों के भोजन, जलपान तथा अन्य दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मीडिया कर्मियों की जांच एक बार से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही विस अध्यक्ष ने पत्रकार दीर्घा समेत सभी दीर्घाओं में अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने पर बल दिया। इन दीर्घाओं में न तो अनावश्यक आवाजाही होनी चाहिए न ही बातचीत करने की अनुमति हो।

हरियाणा और पंजाब विधान सभा के बजट सत्र की कुछ बैठकें समान दिनों में होने की स्थिति में अतिरिक्त प्रबंध करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

बैठक के दौरान विधान परिसर में वन्य जीवों के प्रवेश पर उन्होंने वन्य जीव विभाग से संपर्क कर कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंहल, एडीजीपी सीआईडी सौरभ सिंह, एडीजीपी (कानून व्यवस्था) संजय कुमार, आईजी सुरक्षा पंकज नैन, सीआईएसएफ के डिप्टी कमिश्नर नितिन कुमार, यूटी चंडीगढ़ की ओर से एसडीएम (सेंट्रल) नवीन समेत हरियाणा और पंजाब विधान सभा के अधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षा, चिकित्सा की गुणवत्ता पर भी ध्यान दें सरकारेंः कौशिक जी महाराज

● शिक्षा, चिकित्सा के नाम पर लूट पर भी लगाया जाए नियंत्रण ● 10 में जितना कैंसर फैला वह 100 साल में भी नहीं फैला ● शराब, मांस की बढ़ोतरी देखकर होता है कष्ट

एजेंसी

गुरुग्राम। सरकारें वोट बैंक की स्कीमों को छोड़कर शिक्षा और चिकित्सा की गुणवत्ता पर ध्यान दें। सरकारी स्कूलों, अस्पतालों में इसकी गुणवत्ता की बहुत कमी है। बाहर इन दोनों के नाम पर लूट मची है, जिस पर नियंत्रण लगाया जाना चाहिए। हमारे देश में शराब, मांस की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है, जिसे देखकर कष्ट होता है। इस पर भी रोक लगनी चाहिए। यह हमारी संस्कृति नहीं है। आज कैंसर, किडनी, लीवर फेल होने के केस बढ़ रहे हैं, जो हमारे खराब खानपान की वजह से है। इसमें सुधार होना चाहिए।

यह वक्तव्य गौतीर्थ तुलसी तपोवन गौशाला वृंदावन के संचालक एवं विश्व प्रसिद्ध कथावाचक पुराण मनीषी परम पूज्य श्री कौशिक जी महाराज ने दिये। वे यहां ओल्ड जेल कॉम्पलेक्स में श्री शिव महापुराण कथा एवं गोमहोत्सव के सातवें दिन प्रवचन दे रहे थे। प्रवक्ता अनिल शास्त्री ने बताया कि

श्री कौशिक जी महाराज ने श्री शिवमहापुराण कथा एवं गोमहोत्सव के सातवें दिन महाराज जी ने उन मुद्दों पर अपनी बात रखी, जो देश के अंतिम व्यक्ति के हित से जुड़े हैं। श्री कौशिक जी महाराज ने खराब खानपान का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले 100 साल में कैंसर की बीमारी इतनी नहीं फैली, जितनी पिछले 10 साल में फैली है। कैंसर इंसानियत के लिए श्राप बन गया है। लाखों लोग हर साल मर रहे हैं। किडनी, लीवर फेल हो रहे हैं।

अगली पीढ़ियों को बेहतर बनाने के लिए पूज्य श्री कौशिक जी महाराज ने कहा कि बच्चों में ब्रह्चर्य को संभालें। ब्रह्चर्य के चार चरण होते हैं। जिनका पहला चरण ठीक होगा वही देश का भविष्य बन पाएगा। उन्होंने कहा कि भले ही अपने बच्चों को दूर पढ़ाने भेजें। उन्हें डॉक्टर, इंजीनियर बनाएं, नेता बनाएं। इन सबसे पहले उसे इंसान बनाएं। क्योंकि आज इंसानियत तार-तार हो रही है। उन्होंने कहा कि मांस का जितनी निर्यात आज हो रहा है, वह पहले कभी नहीं हुआ। शराब 10 साल में खूब बढ़ी है। पॉलिसी बेढंगी है। हम भारतीय हैं इसलिये यह सब देखकर कष्ट होता है। सरकारों को संदेश में उन्होंने कहा कि अगर तुम्हारे अधिकार में गाय कटेगी तो बेटियां कैसे सुरक्षित रहेंगीं।

संस्कृति खराब हो रही है। बच्चों को बचा लो। तुम सब चाहेगे तभी हो पाएगा। पूज्य श्री कौशिक जी महाराज ने कहा कि व्यक्ति के एक तरफ कुबेर का भंडार और एक तरफ माता-पिता हों तो उसे माता-पिता का चुनाव करना चाहिए। फायदे में वही रहेगा जो कुबेर की जगह माता-पिता को लेगा। शिव महापुराण में भी इसका जिक्र है। माता-पिता से बड़ा कोई न तो कोई था और ना ही होगा।

सिरसा नगर परिषद के वाइस चेयरमैन का चुनाव स्थगित, कांग्रेस पार्षदों में रोष

एजेंसी

सिरसा। सिरसा नगर परिषद के वाइस चेयरमैन के लिए होने वाला चुनाव स्थगित हो गया। चुनाव न होने से पार्षदों में नाराजगी बढ़ गई है। कांग्रेस पार्षद नगर परिषद कार्यालय पहुंचे और चुनाव न होने की भनक लगी तो भडक़ गए। सूत्रों के मुताबिक भाजपा-हलोपा पार्षदों के बीच एक नाम पर सहमति न बनने के कारण चुनाव टाला गया। उल्लेखनीय है कि हलोपा के प्रत्याशी भी भाजपा के चुनाव चिह्न कमल पर लड़े थे। अब चेयरमैन के बाद वाइस चेयरमैन चुनने की बात आई तो दोनों पार्टियों में अपने-अपने पार्षद को इस पद पर बैठाने के लिए खींचतान हो गई। हालांकि किसी एक नाम पर सहमति बनाने के लिए मंत्री कृष्ण बेदी भी दो दिन पहले सिरसा पहुंचे और पार्टी के स्थानीय नेताओं व पार्षदों से बातचीत की, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। वाइस चेयरमैन पद के लिए भाजपा और कांग्रेस में सीधी टक्कर होने की संभावना थी। वाइस चेयरमैन के चुनाव को लेकर बीजेपी और कांग्रेस नेताओं व पार्षदों में बैठकों का दौर चला। हालांकि अभी तक किसी भी पार्टी की ओर से उम्मीदवार की अधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों अपनी-अपनी जीत का दावा कर रही थी। भाजपा की ओर से कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कमान संभाल रखी थी। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से भाजपा और हलोपा समर्थित पार्षदों में आपसी नाराजगी चल रही थी, जिसका फायदा कांग्रेस को मिल सकता था। वहीं भाजपा नेता गोबिंद कांडा ने कहा कि वाइस चेयरमैन का चुनाव होना था वह कैंसिल हो गया है। कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है और वे अफवाह फैला रहे हैं कि भाजपा का कोरम पूरा नहीं है।

दस दिन में 5000 गड्ढे भरने सडक़ों पर उतरेंगें नगर निगम के कर्मचारी

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम अपने अधिकार क्षेत्र में टूटी सडक़ों के गड्ढे भरने के लिए व्यापक योजना के साथ सडक़ों पर उतरेगा। 10 दिन के गड्ढा मुक्त अभियान की शुरुआत को लेकर अतिरिक्त निगम आयुक्त अंकिता चौधरी ने म्हारी सडक़ पोर्टल पर आई सडक़ों से संबंधित शिकायतों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में चीफ इंजीनियर विजय ढाका सहित कार्यकारी अभियंता व सहायक अभियंता उपस्थित थे।निगम कार्यालय में बुधवार को आयोजित बैठक में उन्होंने संबंधित अधिकारियों और इंजीनियरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का समाधान प्राथमिकता, तत्परता और गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों द्वारा पोर्टल पर दर्ज शिकायतें प्रशासन की जवाबदेही का महत्वपूर्ण आधार हैं, इसलिए प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध और प्रभावी निपटारा अनिवार्य है। बैठक में अतिरिक्त निगमायुक्त ने कहा कि केवल म्हारी सडक़ पोर्टल ही नहीं, बल्कि सीएचएस पोर्टल पर सडक़ों से संबंधित जो भी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, उनका भी त्वरित समाधान किया जाए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि शहर की

सडक़ों को गड्ढा-मुक्त बनाने के लिए 10 दिन का विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत नगर निगम के अधीन आने वाली सभी सडक़ों के गड्ढों को प्राथमिकता से भरा जाएगा। अभियान के माध्यम से सडक़ सुरक्षा में सुधार लाने और आमजन को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अतिरिक्त निगमायुक्त अंकिता चौधरी ने बताया कि अभियान के प्रथम चरण में कम से कम 5000 गड्ढों को भरने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए संबंधित विभागों को आवश्यक संसाधन जुटाने और कार्य को समयसीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने इंजीनियरों को निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों की समीक्षा कर प्राथमिकता के आधार पर उन्हें शीघ्र निपटाया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को बेहतर सडक़ सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि मरम्मत लंबे समय तक टिकाऊ रहे और नागरिकों को बार-बार समस्या का सामना न करना पड़े। निगम प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि यदि उन्हें सडक़ों पर गड्ढों या अन्य समस्याओं की जानकारी हो तो, वे संबंधित पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। नगर निगम गुरुग्राम का यह कदम शहर में बेहतर सडक़ व्यवस्था, सुरक्षित यातायात और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने दिया दोगुणा बजट करने का प्रस्ताव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने ऐलान किया है कि प्रदेश के खिलाड़ियों को बहुत जल्द छह माह की लंबित डाइट मनी दी जाएगी। यह धनराशि करीब 33 करोड़ रुपये बनती है। विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों को खारिज करते हुए गौरव गौतम में स्पष्ट किया कि डाइट मनी का बजट छह-छह माह का मंजूर होता है। वर्तमान में बजट मंजूर हो चुका है। संभवतः प्रदेश के बजट से पहले यह राशि खिलाड़ियों को दे दी जाएगी।खिलाड़ियों को ऐसी ढांचागत सुविधाए देंगे, ताकि हमारे खिलाड़ी कामनवेल्थ और ओलिंपिक खेलों में पदकों की झड़ी लगा दें। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में खेल मंत्री ने बताया कि वर्तमान बुनियादी ढांचे के आधार पर सरकार से बजट की मांग की गई है। पिछले साल राज्य सरकार के बजट में खेल विभाग के लिए 589 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। इस बार यह राशि दोगुनी होने की संभावना है। करीब 800 करोड़ रुपये अकेले खेलों के ढांचागत सुधार पर खर्च किए जाने का प्रस्ताव है। केंद्र सरकार के बजट में इस बार खेल विभाग के बजट में 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। हरियाणा के खेल विभाग ने राज्य सरकार ने अपने बजट में करीब 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी का आग्रह किया है। गौरव गौतम ने बताया कि राज्य के खेल के मैदानों में पोल

गिरने जैसी कोई घटना न हो सके और खेल के मैदानों से बढिय़ा खिलाड़ी निकल सकें। 31 मार्च तक राज्य में खेल ढांचा मजबूत करने की योजना है। इसके अलावा, राज्य के 42 खेल स्टेडियम ऐसे चिन्हित किए गए हैं, जहां सुधार, निर्माण और मरम्मत की जरूरत है। खेल नर्सरियों को भी गांव-गांव तक खोलने की दिशा में काम करने के निर्देश गौरव गौतम ने दिए हैं।

अवैध कॉलोनियों पर चला पीला पंजा, विकसित हो रहे निर्माण किए ध्वस्त

एजेंसी

कैथल। जिला प्रशासन और जिला नगर योजनाकार विभाग ने अवैध कॉलोनाइजेशन के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई अमल में लाई। अर्बन एरिया के अंतर्गत आने वाली राजस्व संपदा पट्टी कायस्थ सेठ और पट्टी चौधरी में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों पर जेसीबी मशीनों से तोड़फोड़ की गई। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल रहा और भारी पुलिस बल तैनात रहा। यह अभियान जिला नगर योजनाकार प्रवीण कुमार की देखरेख में चलाया गया, जो ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि विभाग को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि इन क्षेत्रों में बिना वैध अनुमति के कॉलोनियां विकसित की जा रही हैं। विभाग द्वारा पूर्व में संबंधित भू-मालिकों और प्रॉपर्टी डीलरों को नोटिस जारी कर निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन आदेशों की अवहेलना जारी रही। पट्टी चौधरी क्षेत्र में लगभग दो एकड़ में फैली अवैध कॉलोनी की चारदीवारी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। वहीं पट्टी कायस्थ सेठ में

भी करीब दो एकड़ क्षेत्र में बनाई गई सडक़ों, सीवरेज लाइन तथा डीपीसी (डैम्प प्रूफ कोर्स) को शुरुआती चरण में ही जेसीबी मशीनों से तोड़ दिया गया। विभाग ने स्पष्ट किया कि यह निर्माण हरियाणा विकास एवं विनियमन शहरी क्षेत्र अधिनियम के तहत बिना स्वीकृति किया जा रहा था। कार्रवाई के बाद संबंधित भू-मालिकों और प्रॉपर्टी डीलरों के खिलाफ पुलिस स्टेशन कैथल (इन्फोर्समेंट) में मुकदमा दर्ज करवाने के लिए शिकायत भेजी गई है। जिला नगर योजनाकार ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी संपत्ति में निवेश करने से पहले उसकी वैधता की जांच अवश्य करें। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने से भविष्य में कानूनी और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Saniya Alvi D/o Ash Mohammad R/o near Bus stand, Atali (89), Faridabad, Haryana - 121004 declare that name of my Father has been Wrongly written as MD Ash Mohammed in my 10th Class Educational Documents. The actual name of my Father is Ash Mohammad

नपा कनीना उपचुनाव के लिए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य शुरू

एजेंसी

नारनौल। नगर पालिका कनीना के उपचुनाव के लिए बुधवार को एसडीएम कनीना डा जितेंद्र सिंह ने बीएलओ तथा संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिए कि इस प्रक्रिया के दौरान विधानसभा निर्वाचन नामावली के डेटा का मिलान करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र मतदाता पंजीकरण से वंचित न रहे। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि

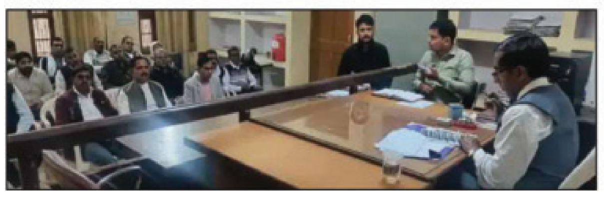

कनीना नगर पालिका क्षेत्र के लिए फोटोयुक्त मतदाता सूची को अपडेट करने का कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि वार्ड-वार मतदाता सूची का ड्राफ्ट 28 फरवरी को प्रकाशित किया जाएगा। इस सूची पर नागरिक अपने दावे और आपत्तियां सात मार्च तक दर्ज करवा सकेंगे। उन्होंने अधिकारियों और शिक्षकों को सख्त निर्देश दिए कि वे मृत व्यक्तियों के नाम हटाने और दोहरी प्रविष्टियों को समाप्त करने के लिए भौतिक सत्यापन का कार्य पूरी निष्ठा से करें। मतदाताओं की सुविधा के लिए क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में 'वोटर इंफोर्मेशन एंड कलेक्शन सेंटर' भी स्थापित किए जा रहे हैं, जहां मुफ्त में फॉर्म उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 27 मार्च को किया जाएगा, ताकि आगामी उपचुनाव निष्पक्ष और त्रुटिहीन मतदाता सूची के आधार पर संपन्न हो सकें।

महाराष्ट्र सरकार मुक्तेश्वर में धारावी पुनर्विकास के लिए 118 एकड़ भूमि सौंपेगी

मुंबई ।

महाराष्ट्र सरकार ने मलाड-मालवानी के मुक्तेश्वर में स्थित 118 एकड़ भूमि धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) को सौंप दी है। यह भूमि उन धारावी निवासियों के लिए आवंटित की जाएगी जो पुनर्वास के पात्र हैं लेकिन धारावी में ही रहते हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह मलाड की तीसरी सबसे बड़ी भूमि है, कुर्ला की मदर डेयरी और मुलुंड के जामास सॉल्टपैन के बाद। कुल 140 एकड़ भूमि में से 118 एकड़ सौंप दी गई है, जबकि 22 एकड़ अभी भी मुकदमेबाजी के अधीन हैं। परियोजना का कार्य स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (एनएमडीपीएल) द्वारा किया जाएगा। भूमि का मालिकाना हक डीआरपी/एसआरए के पास रहेगा, जबकि एनएमडीपीएल को विकास अधिकार दिए जाएंगे। कुल भूमि का मूल्य लगभग 540 करोड़ रुपए आंका गया है, जिसमें से 135 करोड़ रुपए पहले ही विकास अधिकार प्रीमियम के रूप में भुगतान किए जा चुके हैं। भूमि पर मुख्य रूप से ऊपरी मंजिल के निवासी और 1 जनवरी, 2011 के बाद और 15 नवंबर, 2022 से पहले धारावी में आने वाले लोग पुनर्वासित होंगे। इन निवासियों को मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में आधुनिक और सुनियोजित टाउनशिप में स्थानांतरित किया जाएगा। परियोजना के अनुसार चरणबद्ध पुनर्वास किया जाएगा, ताकि लगभग सात वर्षों के भीतर सभी पात्र निवासियों को नए घर मिल सकें। डीआरपी के तहत कुल 540 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जिसमें कुर्ला, कंजूर, भांडुप, मुलुंड के नमक के मैदान और देवनार डंपिंग ग्राउंड के हिस्से शामिल हैं। अनुमान है कि परियोजना के तहत लगभग 10 लाख धारावी निवासियों के पुनर्वास के लिए 1.25-1.5 लाख नए घर बनाए जाएंगे।

आरबीआई ने बैंकों को अधिग्रहण के लिए कर्ज देने की अनुमति दी

- नए नियम 1 अप्रैल से लागू होंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को अधिग्रहण के लिए कर्ज देने की अनुमति दी है, जो 1 अप्रैल से लागू होगी। यह क्षेत्र लंबे समय तक बैंकों के लिए बंद था, लेकिन अब कई सुरक्षा उपाय और शर्तों के साथ इसे खोला गया है। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि बड़े अधिग्रहणों (अरबों डॉलर वाले) के लिए बैंक ऋण नहीं देंगे। एक निजी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ÷कोई पहले दिन से दौड़ने के बारे में नहीं सोच रहा। बैंक छोटे अवसरों से शुरुआत करेंगे और इसे 10-15 साल के अवसर के रूप में देखेंगे। अगले 3-5 वर्षों में कोई भी बैंक बहुत साहसिक कदम नहीं उठाएगा।÷ सरकारी बैंकरों ने भी कहा कि नियमों के तहत अधिकांश बैंक धीरे-धीरे मध्यम और बड़ी कंपनियों के साथ शुरुआत करेंगे।

ऋण की शर्तें और सुरक्षा उपाय इस प्रकार हैं-

- अधिग्रहण के लिए बैंक ऋण की सीमा अब *टियर-1 पूंजी का 20 फीसदी तक।
- कर्ज-इक्विटी अनुपात 3:1 से अधिक नहीं।
- कर्ज लेने वाली कंपनी का न्यूनतम नेटवर्थ 500 करोड़ रुपये।
- कंपनी को लगातार तीन वर्षों तक शुद्ध लाभ होना चाहिए।
- असूचीबद्ध कंपनियों के लिए निवेश ग्रेड रेटिंग अनिवार्य।
- अधिग्रहण मूल्य का अधिकतम 75 फीसदी तक कर्ज, शेष 25 फीसदी के लिए ब्रिज फाइनेंस का विकल्प।

सरकारी बैंक के एक अधिकारी ने कहा कि नियम छोटे और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) में अधिग्रहण को बढ़ावा देंगे। बैंकों को आंतरिक विशेषज्ञता विकसित करने और पहले कुछ सौदों में सावधानी रखने की आवश्यकता है।

सोने-चांदी की चमक से म्युचुअल फंड उद्योग में रिकॉर्ड बढ़त

म्युचुअल फंड निवेशकों की संख्या 18 महीने के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली । जनवरी में म्युचुअल फंड उद्योग में निवेशकों की संख्या में जोरदार उछाल दर्ज किया गया। इस दौरान करीब 12 लाख नए निवेशक जुड़े, जिससे कुल फोलियो की संख्या बढ़कर 6.02 करोड़ हो गई। यह बढ़ोतरी पिछले 18 महीनों का उच्चतम स्तर है और वर्ष 2025 की औसत मासिक वृद्धि 5 लाख से दोगुने से भी अधिक है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, इस तेजी के पीछे सोने और चांदी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी मुख्य कारण रही। निवेशकों ने कीमती धातुओं से जुड़े एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) में बढ़-चढ़कर निवेश किया। जनवरी में गोल्ड ईटीएफ ने शुद्ध निवेश और फोलियो वृद्धि के मामले में सक्रिय इक्विटी योजनाओं को पीछे छोड़ दिया। कुल फोलियो वृद्धि में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ का योगदान 55 प्रतिशत रहा।

इसके अलावा, कीमती धातुओं से जुड़े एफओएफ में 33,503 करोड़ रुपये का संयुक्त निवेश हुआ, जो सक्रिय इक्विटी योजनाओं के शुद्ध निवेश से 40 प्रतिशत अधिक था। बाजार के जानकारों का कहना है कि गोल्ड स्कीमें उद्योग के लिए नए निवेशकों को जोड़ने का बड़ा माध्यम बन सकती हैं। भारत में सोने की सांस्कृतिक स्वीकृति इसे एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बनाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार की अस्थिरता के बीच सुरक्षित निवेश की तलाश और बेहतर रिटर्न की उम्मीद ने मौजूदा और नए दोनों तरह के निवेशकों को आकर्षित किया है। आने वाले महीनों में भी यह रुझान जारी रहने की संभावना है।

आईपीओ लिस्टिंग लाभ में वित्त वर्ष 2025-26 में गिरावट

- सिर्फ 65 फीसदी ऑफर ही इश्यू प्राइस से ऊपर खुले

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 में आईपीओ निवेशकों के लिए शुरुआती लाभ कम रहा। प्राइमडेटाबेस डॉट कॉम के आंकड़ों के अनुसार, इस वित्त वर्ष में जारी 99 आईपीओ में केवल 65 फीसदी ने अपनी निर्गम कीमत से अधिक पर लिस्टिंग की। तुलना करें तो वित्त वर्ष 2025 में यह आंकड़ा 82.1 फीसदी था, जबकि वित्त वर्ष 2019 में न्यूनतम 42.9 फीसदी दर्ज किया गया था। सूचीबद्ध कीमत और शुरुआती कीमत के बीच औसत वृद्धि वित्त वर्ष 2026 में 4.1 फीसदी रह गई, जबकि पिछले वर्ष यह 20.6 फीसदी थी।

पिछले सात वर्षों में अधिकांश वर्षों में दो अंकों में वृद्धि दर्ज की गई थी। कई आईपीओ में प्राइवेट इक्विटी फंड और अन्य संस्थागत निवेशक अपनी हिस्सेदारी बेच रहे थे। इसके कारण लिस्टिंग पर मुनाफ़ा सीमित हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि शुरुआती निवेशकों की बिक्री कीमतें इतनी थीं कि निवेशकों के लिए लाभ कम बचा।

विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि सभी आईपीओ लाभदायक नहीं होंगे।

लिस्टिंग पर तुरंत मुनाफा कमाने की रणनीति इस वित्त वर्ष में पिछले वर्षों की तुलना में जोखिम भरी रही।

टाटा समूह एआई और चिप निर्माण में भारत में बनाएगा नई मिसाल

- टाटा समूह ने कहा, कंपनी पूरे तकनीकी स्टैक में कृत्रिम मेधा को अपनाने की प्रक्रिया में है

मुंबई । टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में कहा कि कंपनी पूरे तकनीकी स्टैक में कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने की प्रक्रिया में है। समूह सिलिकॉन से लेकर सिस्टम, एआई-तैयार डेटा सेंटर, एप्लिकेशन और एआई एजेंट तक हर स्तर पर एआई तैयार कर रहा है। चंद्रशेखरन ने बताया कि टाटा समूह चिप और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। प्रत्येक उद्योग के लिए अलग चिप विकसित की जाएगी, जिसमें सबसे पहले मोटर वाहन क्षेत्र को प्राथमिकता दी जाएगी। इस पहल के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि की सराहना की। समूह भारत का पहला बड़े पैमाने का एआई-अनुकूलित डेटा सेंटर स्थापित कर रहा है, जिसे अगली पीढ़ी के प्रशिक्षण और इन्फरेंस के लिए तैयार किया गया है। ओपनएआई के साथ साझेदारी में 100 मेगावाट क्षमता के पहले चरण का निर्माण होगा, जिसे बाद में 1 गीगावाट तक बढ़ाया जाएगा। एएमडी के साथ सहयोग से वैश्विक मानकों के अनुरूप टिकाऊ एआई अवसंरचना विकसित होगी। समूह का एआई ढांचा विविध भारतीय डेटा संपत्तियों पर आधारित होगा, ताकि बुनियादी मॉडल के ऊपर भारतीय संदर्भों के अनुसार बुद्धिमत्ता उपलब्ध कराई जा सके। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और टाटा कम्युनिकेशंस मिलकर उद्योगों के लिए एआई ऑपरेटिंग सिस्टम विकसित कर रहे हैं। हर उद्योग के लिए एजेंटिक समाधान तैयार किए जाएंगे और वैश्विक उद्यमों तक पहुंचाए जाएंगे।

विदेशी निवेशकों ने 15 दिन में निकाले 10,956 करोड़

मुंबई । फरवरी के पहले 15 दिनों में विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय आईटी शेयरों से 10,956 करोड़ रुपए की निकासी की। जनवरी 2026 में 5.34 लाख करोड़ रुपए थी, जो घटकर 4.49 लाख करोड़ रुपए हो गई, यानी दो हफ्तों में 16 फीसदी की गिरावट। निवेशकों को डर है कि जेनरेटिव एआई ऑटोमेशन और कोडिंग में दक्ष हो रहा है, जिससे पारंपरिक मैनपावर आधारित सेवाओं की मांग घट सकती है। दिग्गज कंपनियां इंफो सिस, टाटा कंसल्टेंसी स र्विसेज, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा इसी मॉडल पर निर्भर हैं। म्यूचुअल फंड्स का निवेश घटकर 3.04 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे लगभग 50,000 करोड़ रुपए की वैल्यू में कमी आई। एफआईआई ने कैपिटल गुड्स में 8,032 करोड़ रुपए फाइनेंशियल सर्विसेज में 6,175 करोड़ रुपए और मेटल व माइनिंग में 3,279 करोड़ रुपए का निवेश किया। निवेशक फिलहाल इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग को सुरक्षित मान रहे हैं।

डॉलर ने छीन लिया, जीएसटी कटौती का फायदा ?

महंगाई बढी-कर्ज बढा मांग घटी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने जीएसटी की दरों में कमी की थी। सरकार का मानना था। टैक्स में कमी करने का लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा। लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी, जिसका असर बाजार पर पड़ेगा। उत्पादन एवं मांग बढ़ेगी। सरकार के राजस्व में जो कमी होगी, उसकी भरपाई भी हो जाएगी। पिछले कुछ महीनो में जिस तरह से रुपए के मुकाबले डॉलर महंगा होता जा रहा है। उसके कारण जीएसटी की दरों को कम करने का जो फायदा सरकार ने देखा था। वह तो हुआ नहीं, उल्टे सामान और महंगे हो गए हैं। औद्योगिक एवं व्यापारिक संस्थाओं का कहना है। डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होने के कारण जो सामान विदेश से आयात हो रहा है। उसके कारण कीमतें पहले की अपेक्षा काफी बढ़ गई हैं। जिसके कारण स्वदेशी बाजार में उत्पाद की कीमत बढ़ाना पड़ रही है। जिसके कारण मांग कम होती जा रही है। लोगों की क्रय शक्ति लगातार कम हो रही है। उपभोक्ता बाजार में डिटर्जेंट, हेयर ऑयल ,चॉकलेट ,नूडल्स और अनाज की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद के दाम भी काफी बढ़े हैं। सौंदर्य प्रसाधन एवं अन्य सामान भी महंगा हो रहा है। रोजमर्रा उपयोग में आने वाली चीज महंगी होती जा रही हैं। एफएमसीजी कंपनियां 2 से 5 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने के लिए विवश हैं। उत्पादित सामान की लागत बढ़ती जा रही है। बिक्री कम हो रही है। इसका असर औद्योगिक संस्थानों और व्यापारिक संस्थाओं को उठाना पड़ रहा है। डॉलर ने सब गुड गोबर कर दिया है। यह चर्चा में व्यापारिक जगत कहने लगा है।

रोजमर्रा की चीज़ें होंगी महंगी, 3-5 फीसदी तक बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली । आम आदमी की रोजमर्रा की जरूरतों पर महंगाई की तलवार लटकने लगी है। साबुन, डिटर्जेंट, बिस्कुट और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की कीमतों में 3-5 फीसदी तक बढ़ोतरी की संभावना है। यह बढ़ोतरी पिछले साल सितंबर में मिली जीएसटी राहत खत्म होने और कच्चे माल की महंगाई के कारण हो रही है। साबुन और डिटर्जेंट में इस्तेमाल होने वाला पैराफिन और सर्फेक्टेंट महंगा हो गया है। साथ ही नारियल तेल के दाम पिछले एक साल में लगभग दो गुना बढ़ गए हैं। 30 जनवरी 2026 को भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 92.02 रुपए पर पहुंच गया, जो ऐतिहासिक निचला स्तर है। इससे विदेश से आयात किए जाने वाले सामान जैसे बादाम, ओट्स और मूसली महंगे हो गए हैं। बीते साल सितंबर में सरकार ने जीएसटी में राहत दी थी, जिससे कीमतें कम थीं। अब उस राहत का असर खत्म होने से कीमतें फिर बढ़ने लगी हैं।

कौन-सी चीज़ें महंगी होंगी?

* होम केयर: सर्फ एक्सेल, रिन, विम, डोमेक्स - 3-5 फीसदी
* पर्सनल केयर: वाटिका हेयर ऑयल, डाबर - 2 फीसदी
* खाद्य पदार्थ: बिस्कुट, चॉकलेट, नूडल्स, ओट्स - 2-4 फीसदी
* पेय पदार्थ: टाटा टी, रियल जूस - सीजनल बदलाव

शेयर बाजार में हाहाकार...बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर

बाजार, सेंसेक्स 1236 अंक टूटा, निफ्टी 25500 के नीचे
निवेशकों के डूबे 8 लाख करोड़

नई दिल्ली।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच गुरुवार को भारतीय बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। लगातार तीन दिनों से जारी तेजी का सिलसिला रुकते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1236.11 अंक या 1.48 प्रतिशत गिरकर 82,498.14 पर बंद हुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 365.00 अंक या 1.41 प्रतिशत गिरकर 25,454.35 पर बंद हुआ। मार्केट की इस बिकवाली में मिड-कैप और स्मॉल-कैप कंपनियों को ज्यादा नुकसान हुआ। निवेशकों के करीब-करीब 8 लाख करोड़ रुपये डूब गए। शेयर बाजार की इस गिरावट में बीएसई की बड़ी लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप काफी कम हो गया। बीते कारोबारी दिन में बीएसई का मार्केट कैप जो पिछले सेशन में 472 लाख करोड़ रुपये था। वह घटकर 464 लाख करोड़ रुपये हो गया। यानी निवेशकों को भारी नुकसान हो गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इंडिगो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, अदानी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा, आईटीसी, इटरनल और पावरग्रिड प्रमुख रूप से पिछड़ने वाली कंपनियां रहीं।

मुनाफावसूली का दिखा असर

हालिया बढ़त के बाद घरेलू बाजार में मुनाफावसूली देखने को मिल रही है। बुधवार को सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने लगातार तीसरे सत्र में बढ़त जारी रखी। बजट, भारत-अमेरिका समझौता और आरबीआई की नीति जैसे बड़े आर्थिक कारणों के खत्म होने और तीसरी तिमाही के नतीजों का दौर पूरा होने के बाद, नए घरेलू कारणों की कमी की वजह से बाजार में शेयरों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

फेड मीटिंग का असर

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की जनवरी में हुई बैठक से पता चलता है कि अधिकारी आगे की रणनीति को लेकर बंटे हुए हैं। कुछ लोग मानते हैं कि अगर महंगाई कम होती है तो राहत मिल सकती है, जबकि दूसरे मानते हैं कि अगर कीमतों का दबाव बना रहा तो सख्ती जारी रखनी पड़ेगी। ब्याज दरों में कटौती पर लंबे समय तक रोक या अमेरिकी फेड द्वारा फिर से दरें बढ़ाने से डॉलर मजबूत हो सकता है। इससे भारतीय बाजारों में विदेशी निवेश पर असर पड़ सकता है। नकदी बाजार में लगातार सात महीनों की बिकवाली के बाद फरवरी में विदेशी निवेशकों की खरीदारी फिर से शुरू हुई है।

अमेरिका-ईरान तनाव पर बाजार की नजर

बुधवार को सीएनएन की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि अमेरिकी सेना इस सप्ताहांत तक ईरान पर हमला करने की तैयारी में है। एक्सियोस ने बताया कि यह हमला छोटा नहीं बल्कि कई हफ्तों तक चलने वाला बड़ा अभियान हो सकता है, जो लगभग युद्ध जैसी स्थिति पैदा कर सकता है। बाजार अमेरिका-ईरान संबंधों से जुड़े घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक हफ्ते के आखिरी में तनाव बढ़ने की आशंका से अपनी पोजीशन घटा रहे हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने भी बाजार पर असर डाला है। पिछले सत्र में डब्ल्यूटीआई क्रूड फ्यूचर्स 4.60 प्रतिशत बढ़कर 65.19 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 4.35 प्रतिशत बढ़कर 70.35 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। गुरुवार को भी ब्रेंट क्रूड 70.53 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 65.4 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। ऊंची तेल कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था और रुपये के लिए सही नहीं मानी जातीं, क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है।

भारत की भूमिका अहम, एआई में अवसर और जोखिम समान- एंथ्रोपिक

नई दिल्ली । एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने गुरुवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि एआई मॉडल के स्वायत्त व्यवहार, संभावित दुरुपयोग और आर्थिक विस्थापन से जुड़े जोखिमों के बीच भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अमोदेई ने बताया कि भारत ने ऐतिहासिक रूप से ग्लोबल साउथ के लिए मानक स्थापित किए हैं और तकनीकी एवं मानवीय लाभों के प्रसार में मदद की है। उनका मानना है कि भारत वैश्विक एआई नीति और नैतिक उपयोग के निर्धारण में अहम योगदान दे सकता है। अमोदेई के अनुसार, एआई प्रणाली बीमारियों का इलाज कर सकती हैं, मानव स्वास्थ्य सुधार सकती हैं और अरबों लोगों को गरीबी से बाहर निकाल सकती हैं। यह प्रणाली वैश्विक स्तर पर सभी के लिए बेहतर दुनिया बनाने में मदद कर सकती है। हालांकि, उन्होंने एआई के स्वायत्त निर्णय, दुरुपयोग और आर्थिक विस्थापन की संभावनाओं पर चिंता जताई। अमोदेई ने चेताया कि ये जोखिम अवसरों के साथ मौजूद हैं और इसका संतुलित प्रबंधन आवश्यक है।

मुकेश अंबानी की एआई में 10 लाख करोड़ निवेश करने की योजना

- भारत को सुलभ और व्यापक एआई युग में अग्रणी बनाना मुख्य उदेद्श्य

मुंबई ।

उद्योगपति मुकेश अंबानी ने गुरुवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में घोषणा की कि जियो और रिलायंस समूह अगले सात वर्षों में कृत्रिम मेधा (एआई) में 10 लाख करोड़ रुपये निवेश करेंगे। अंबानी ने स्पष्ट किया कि यह कोई सट्टा निवेश नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक, अनुशासित राष्ट्र निर्माण और मूल्य वृद्धि के लिए पूंजी है। अंबानी ने कहा कि एआई का सर्वश्रेष्ठ रूप अभी आना बाकी है और यह अपार समृद्धि का युग लाने की क्षमता रखता है। उन्होंने दुनिया के सामने दो रास्तों का जिक्र किया- एक तरफ दुर्लभ, महंगी और नियंत्रित एआई और दूसरी तरफ सस्ती एवं सभी के लिए सुलभ एआई। उनका उद्देश्य भारत को सुलभ और व्यापक एआई युग में अग्रणी बनाना है। मुकेश अंबानी ने बताया कि एआई में सबसे बड़ी बाधा प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि कंप्यूटिंग की उच्च लागत है। इसके समाधान के लिए जियो इंटेलिजेंस भारत का संप्रभु कंप्यूटिंग अवसंरचना तैयार करेगा, जिसमें गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर शामिल हैं। अंबानी ने जोर दिया कि जियो भारत को इंटरनेट युग से बुद्धिमता (एआई) युग में ले जाएगा। उनका लक्ष्य है कि हर नागरिक, हर क्षेत्र और सामाजिक विकास के हर पहलू तक एआई पहुंचाई जाए और वह भी विश्वसनीय, व्यापक और बेहद किफायती तरीके से।

1 अप्रैल से क्रेडिट कार्ड लेन-देन पर नए आयकर नियम

मुंबई । भारत में डिजिटल पेमेंट तेजी से बढ़ रहे हैं और क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल अब टियर-2 और टियर-3 शहरों तक पहुंच चुका है। इस बीच आयकर विभाग ने ड्राफ्ट इनकम टैक्स रूल्स 2026 जारी किए हैं, जो 1962 के पुराने नियमों की जगह ले सकते हैं और 1 अप्रैल 2026 से लागू हो सकते हैं। नए नियमों के मुताबिक यदि कोई व्यक्ति वित्त वर्ष में 10 लाख रुपए से अधिक का क्रेडिट कार्ड बिल गैर-नकद माध्यम से चुकाता है, तो बैंक या कार्ड जारी करने वाली कंपनी को आयकर विभाग को रिपोर्ट करना होगा। वहीं 1 लाख रुपए या उससे अधिक का नकद भुगतान भी रिपोर्टिंग के दायरे में होगा। यह व्यवस्था पहले भी थी, लेकिन अब और स्पष्ट और व्यवस्थित हो गई है। पैन कार्ड या अन्य दस्तावेज़ी प्रक्रिया में तीन महीने से अधिक पुराना न होने वाला क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट अब एड्रेस प्रूफ के रूप में स्वीकार किया जाएगा। इससे दस्तावेज़ों की सत्यता और अद्यतन जानकारी सुनिश्चित होगी।

निसान का 2026-27 में 2 लाख वाहनों की बिक्री- निर्यात का लक्ष्य

नई दिल्ली । जापानी ऑटोमेकर निशान ने भारत में अपनी पुनरुत्थान योजना के तहत 2026-27 में घरेलू बिक्री और निर्यात दोनों में 1,00,000 यूनिट का लक्ष्य रखा है। अप्रैल 2025-26 तक कंपनी ने भारत में कुल 89,987 वाहन बनाए, जिनमें से 17,662 वाहन घरेलू बाजार में बिके और 68,091 वाहनों को विदेशों में भेजा गया। कई वर्षों तक मुख्य रूप से मॉडल मैग्नाइट पर निर्भर रहने के बाद, निसान ने अब अपने भारतीय पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। मंगलवार को लॉन्च हुई नई 7-सीटर मल्टी-पर्पस व्हीकल ग्रेविट की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 5.65 लाख रुपये है। यह कदम कंपनी की भारत में सक्रिय प्रतिस्पर्धा और ग्राहक विकल्प बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी ने निर्णय लिया है कि हर जगह मजबूत होने के बजाय मुख्य बाजारों पर ध्यान केंद्रित किया जाए, और भारत को वैश्विक रणनीति में एक प्रमुख बाजार और विकास स्थल के रूप में स्थापित किया गया है। भारत के हालिया मुक्त व्यापार समझौते जैसे यूके और यूरोपीय संघ के साथ, निसान के निर्यात लक्ष्यों के लिए सहायक हो सकते हैं। भारत-यूएई व्यापार समझौते का कंपनी पहले ही लाभ उठा चुकी है।

असमानताओं पर प्रहार, समानता का विस्तारः एक सार्थक पुकार

ललित गर्ग

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार एवं समानता के विस्तार की एक सार्थक पुकार का अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना का आह्वान है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व ग्रहण कर रहा है, क्योंकि विश्व तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, जलवायु संकट, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक असमानताओं के बीच नई संतुलित व्यवस्था की तलाश में है। इस वर्ष की थीम 'समावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना' हमें यह याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी हो और समावेशन तभी प्रभावी है जब वह न्यायपूर्ण हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था की स्थापना का आग्रह करता है जिसमें संसाधनों, अधिकारों और गरिमा का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान उपलब्धता नहीं मिलती, तब तक प्रगति अधूरी है। 2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर बल देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं-चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व से दूर हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का अधिकार है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को पहचानना और उन्हें पाटने के लिए लक्षित, संवेदनशील और पारदर्शी नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा भी सामाजिक न्याय के केंद्र में है। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कार्य-संस्कृति बनाना आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो। आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह मानव गरिमा के साथ जुड़ा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों में सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, केवल विस्तार है।

मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र इस युग की अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक अस्थिर कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक मंदी से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक-इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का विचार ऐतिहासिक और संवैधानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर भेदभाव न हो। आज भी सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक असमानताओं से भी जुड़ा है।

समकालीन भारत में सामाजिक न्याय के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं और पहलों के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। सरकार का दृष्टिकोण यह रहा है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति के माध्यम से स्थापित हो। 'संतुष्टिकरण' बनाम 'तुष्टिकरण' की अवधारणा इसी दिशा में एक वैचारिक संकेत है, जो समाज को जोड़ने की बात करती है। फिर भी चुनौतियां शेष हैं। महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए वास्तविक कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान या उपेक्षित अनुभव करें, तो सामाजिक न्याय का आदर्श खोखला प्रतीत होने लगता है।

आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को केवल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए। हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि शक्ति के स्रोत जनहित में प्रयुक्त न हों, तो वे असंतोष और अविश्वास को जन्म देते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र समानता का लोकतंत्र है या विभेद का? क्या हमारी स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या केवल कुछ वर्गों तक सीमित है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से खोजना ही इस दिवस की सार्थकता है।

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार नए अवसर प्रदान कर रहे हैं, वहीं यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन अवसरों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अन्यथा विकास की गाड़ी कुछ लोगों को आगे ले जाएगी और शेष को पीछे छोड़ देगी। समावेशन का सशक्तिकरण इसी असंतुलन को रोकने का प्रयास है। प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके। 2026 का यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि न्याय और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग सामाजिक न्याय से होकर ही गुजरता है। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा और अवसर के साथ जीवन जी सके, तभी हम कह सकेंगे कि हमने सामाजिक न्याय के आदर्श को साकार किया है। इस तरह सामाजिक न्याय केवल नीति का प्रश्न नहीं, बल्कि चेतना का प्रश्न है। यह हमारे विचारों, व्यवहार और निर्णयों में परिलक्षित होना चाहिए। जब नागरिक और शासन दोनों मिलकर समानता, गरिमा और अवसर की संस्कृति का निर्माण करेंगे, तभी विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। समावेश को सशक्त बनाकर और असमानताओं की खाई को पाटकर ही हम एक ऐसे समाज की रचना कर सकते हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक मानवीय और अधिक स्थायी हो।

संपादकीय

अपराध की मंशा

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द करना, जिसमें ह्यबलात्कार के प्रयासह्न की परिभाषा बदल दी गई थी, केवल एक कानूनी सुधार मात्र नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह न्यायिक संवेदनशीलता और गंभीर मामलों मे न्यायिक दृष्टि की स्पष्टता की पुनः पुष्टि भी है। सर्वोच्च अदालत ने पॉक्सो एक्ट के साथ ही धारा 376 आईपीसी के तहत आरोप बहाल करके, इस बात पर भी बल दिया कि अपराध के इरादे को, प्रत्यक्ष कृत्य के साथ कमतर नहीं माना जा सकता है। दरअसल, हाईकोर्ट ने इस बाबत जो टिप्पणी की थी, उसको लेकर तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, जिसे किसी सभ्य समाज की मान्यताओं के प्रतिकूल माना गया था। दरअसल, हाई कोर्ट ने माना था कि एक नाबालिग के उरोज पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी ढीली करना और उसे घसीटकर ले जाने का प्रयास दुराचार की तैयारी थी, न कि बलात्कार का प्रयास, क्योंकि इसमें अपराध की दिशा में कोई सीधा कदम नहीं उठाया गया था। स्वाभाविक रूप से इस तरह की संकीर्ण व्याख्या के खिलाफ समाज में प्रतिक्रिया होनी ही थी। कहीं न कहीं इस तंग व्याख्या से अपराधी के जघन्य इरादे और प्रयास की अवधारणा को कमजोर करने का जोखिम भी था। निस्संदेह, इस तरह की व्याख्या से महिलाओं का उत्पीड़न करने वाले अपराधी तत्वों के हौसले बुलंद ही होते। जाहिर है इस तरह की सोच कोई सभ्य समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता है। यह सुखद ही है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस संकीर्ण व्याख्या वाले मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए सार्थक हस्तक्षेप किया है। दरअसल, आपराधिक कानून में, प्रयास तब माना जाता है, जब किसी अपराध की तैयारी उस कृत्य को अंजाम देने में बदल जाती है। जो कि इच्छित अपराध के निकट होती है। इस मामले में आरोप- शारीरिक छेड़छाड़, निर्वस्त्र करने और जबरन घसीटना, यदि सिद्ध हो जाते हैं, तो स्पष्ट रूप से यौन उत्पीड़न की ओर एक सुनियोजित कदम की पुष्टि कर देते हैं। जिसे केवल पीड़िता के करुण क्रंदन सुनने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के हस्तक्षेप से ही रोका गया।

निस्संदेह, इसके विपरीत मानना यौन हिंसा की वास्तविकताओं और नाबालिगों की असुरक्षा को अनदेखा करना ही होगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यह फैसला आरोपों की गंभीरता की पुष्टि करता है। ताकि पूर्व सुनवाई में साक्ष्यों की उचित संदर्भ में जांच की जा सके। ऐसे वक्त में जब देश की कई अदालतों के लैंगिक न्याय के प्रति दृष्टिकोण की कड़ी आलोचना हो रही थी, यह निर्णय इस बात की पुष्टि करता है कि कानूनी तर्क को संवैधानिक मूल्यों को बनाये भी रखना चाहिए। निर्विवाद रूप से, जिनका उद्देश्य किसी सभ्य समाज में नागरिकों को आसन्न खतरे से भी बचाना ही होता है। बहरहाल, इस प्रकरण में यह सार्थक हस्तक्षेप इस बात की पुष्टि भी करता है कि कानून बच्चों को न केवल अपराधियों द्वारा अंजाम दिए जा चुके अपराधों से बल्कि भविष्य में आसन्न अपराधों से भी बचाता है। इस प्रकरण के बाद कहा जा सकता है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल न्यायिक जवाबदेही में संतुलन स्थापित किया, बल्कि आखिरकार आम लोगों के विश्वास को भी बहाल किया है।

चिंतन-मनन

सच को छुपाने का परिणाम

एक बार की बात है। एक व्यक्ति का पुत्र कमाने के लिए विदेश गया। विदेश कमाने गए पुत्र ने अपने पिता को एक बहुत ही सुंदर अंगूठी भेजी। पत्र में उसने लिखा, 'पिताजी! आपको मैं एक अंगूठी भेज रहा हूं। उसका मूल्य है पांच हजार रुपए। मुझे सस्ते में मिल गई थी, इसलिए मैंने आपके लिए खरीद ली' बेटे द्वारा भेजी गई अत्यंत सुंदर अंगूठी पाकर पिता प्रसन्न हो गया। पिता ने बड़े शौक से वह अंगूठी पहन ली। अंगूठी बहुत ही चमकदार और सुन्दर थी। बाजार में पिता को कई मित्र मिले। नई अंगूठी को देख कर सबने पूछा, 'यह कहां से आई?' पिता ने कहा, 'मेरे लड़के ने विदेश से भेजी है। इसे खरीदने में उसने पांच हजार रुपए खर्च किए' पिता का एक मित्र बोला, 'क़्या इसे बेचोगे? मैं इस अंगूठी के पचास हजार रुपये दूंगा।' पिता ने सोचा, पांच हजार की अंगूठी के पचास हजार रुपये मिल रहे हैं। इतने रुपयों में ऐसी दस अंगूठियां आ जाएंगी। उसने अंगूठी निकाल कर दे दी और अपने मित्र से पचास हजार रुपए ले लिए। फिर उसने पुत्र को पत्र लिखा, 'तुमने शुभ मुहूर्त में अंगूठी भेजी। उसे मैंने पचास हजार रुपए में बेच कर पैंतालीस हजार रुपए का लाभ अर्जित कर किया'। लौटती डाक से पुत्र का पत्र आया, 'पिताजी! संकोच और भयवश मैंने आपको पिछले पत्र में सच्चाई नहीं लिखी थी। वह अंगूठी एक लाख की थी' यह सत्य को झुठलाने का परिणाम था।

चीन की नई कूटनीति या पुरानी चाल? भारत के लिए भरोसा या भविष्य का धोखा

कांतिलाल मांडोत

हाल के वर्षों में उपग्रह तस्वीरों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह संकेत मिले हैं कि चीन अपने सामरिक ढांचे को तेजी से मजबूत कर रहा है। दक्षिण-पश्चिमी प्रांतों में पहाड़ों के भीतर बने बड़े-बड़े बंकर, भूमिगत सुरंगें और अत्याधुनिक सुविधाएं इस ओर इशारा करती हैं कि बीजिंग अपनी दीर्घकालिक रणनीति पर चुपचाप काम कर रहा है। ऐसे समय में जब वह भारत के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने और सहयोग बढ़ाने की बात करता है, यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या चीन वास्तव में भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है या यह उसकी रणनीतिक नीति का हिस्सा है।

इतिहास गवाह है कि भारत और चीन के संबंधों में विश्वास की कमी की जड़ें गहरी हैं। वर्ष 1962 में चीन द्वारा भारत पर किया गया हमला दोनों देशों के रिश्तों में एक स्थायी अविश्वास की दीवार खड़ी कर गया। उसके बाद से सीमा विवाद, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव और समय-समय पर होने वाली झड़पों ने यह स्पष्ट किया कि संबंधों में गर्मजोशी और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर है। चीन ने कई बार शांति और सहयोग की बात की, लेकिन समानांतर रूप से अपनी सैन्य और सामरिक ताकत को भी बढ़ाया।

चीन की विदेश नीति को समझने के लिए उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक सोच को देखना जरूरी है। वह तात्कालिक भावनाओं के बजाय दशकों आगे की योजना बनाकर चलता है। उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा और विस्तार है। चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान का मुद्दा हो या हिमालयी सीमा हर जगह उसकी नीति शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में झुकाने की रही है। ऐसे में यदि वह भारत के साथ रिश्ते सुधारने की पहल करता है, तो यह केवल सद्भावना का परिणाम नहीं बल्कि एक सुविचारित रणनीति भी हो सकती है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में चीन कई मोर्चों पर दबाव झेल रहा है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ व्यापारिक तनाव, तकनीकी प्रतिबंध और सामरिक प्रतिस्पर्धा ने उसे नए संतुलन की तलाश में डाल दिया है। भारत एक उभरती हुई आर्थिक और सामरिक शक्ति है। एशिया में स्थिरता और आर्थिक विकास के लिए भारत के साथ टकराव चीन के हित में नहीं है। इसलिए संभव है कि वह सीमित सहयोग और नियंत्रित प्रतिस्पर्धा की नीति अपनाए, ताकि वह एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष से बच सके।

लेकिन यह भी उतना ही सच है कि चीन की नीतियों में पारदर्शिता का अभाव रहा है। उसकी सैन्य तैयारियों और परमाणु ढांचे के विस्तार को लेकर अक्सर बाहरी दुनिया को सीमित जानकारी ही मिलती है। यदि उपग्रह तस्वीरों में दिखाई देने वाले निर्माण सचमुच सामरिक क्षमताओं के विस्तार का संकेत हैं, तो यह भारत सहित पूरे क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है। एक ओर संवाद और व्यापार की बातें, दूसरी ओर पहाड़ों के भीतर बनते ठिकान यह दोहरी तस्वीर सहज भरोसा पैदा नहीं करती।

भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि वह चीन के इरादों को कैसे परखे। केवल बयानों के आधार पर विश्वास करना रणनीतिक भूल हो सकती है। भारत को अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए संवाद के द्वार खुले रखने होंगे। कूटनीति में संतुलन और सैन्य तैयारी में सतर्कता दोनों समान रूप से जरूरी हैं। चीन के साथ संबंधों को पूरी तरह टकराव की दिशा में ले जाना भी समझदारी नहीं होगी, क्योंकि दोनों देश एशिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और परस्पर निर्भरता भी बढ़ी है। चीन की नियति को समझने के लिए यह भी देखना होगा कि वह वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा रखता है। उसकी बेल्ट एंड रोड पहल, तकनीकी निवेश और वैश्विक संस्थाओं में बढ़ती भूमिका इस दिशा का संकेत देती है। ऐसे में वह भारत को प्रतिस्पर्धी भी मानता है और संभावित साझेदार भी। यदि भारत उसकी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं के लिए चुनौती बनता है, तो प्रतिस्पर्धा तीखी हो सकती है। लेकिन यदि भारत संतुलित और आत्मविश्वासी नीति अपनाता है, तो सहयोग के अवसर भी बन सकते हैं।

भरोसे का निर्माण केवल शब्दों से नहीं, बल्कि व्यवहार से होता है। सीमा पर शांति, समझौतों का पालन और पारदर्शिता ये वे कसौटियां हैं जिन पर चीन को परखा जाएगा। यदि वह सचमुच स्थिर और सकारात्मक संबंध चाहता है, तो उसे ठोस कदम उठाने होंगे। अन्यथा, इतिहास का अनुभव यही बताता है कि रणनीतिक मित्रता के पीछे छिपी चालों को समझने में देर नहीं लगती।

भारत को भावनात्मक प्रतिक्रिया के बजाय यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना होगा। चीन न तो पूरी तरह भरोसेमंद मित्र है और न ही अनिवार्य शत्रु। वह एक महाशक्ति बनने की राह पर अग्रसर राष्ट्र है, जिसकी प्राथमिकता उसके अपने हित हैं। भारत के साथ उसके संबंध भी

इन्हीं हितों की कसौटी पर तय होंगे। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि चीन सहयोग की राह चुनता है या प्रतिस्पर्धा और दबाव की नीति पर कायम रहता है। भारत के लिए जरूरी है कि वह सतर्कता, आत्मनिर्भरता और संतुलित कूटनीति के सहारे हर संभावित परिस्थिति के लिए तैयार रहे।

एप्सटीन फाइल्स : यही है शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हकीकत

निर्मल रानी

इनदिनों एप्सटीन फाइल्स का भूत अमेरिका से लेकर भारत तक सड़कों पर नाच रहा है। अमेरिकी कांग्रेस के कानून के अन्तर्गत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर हस्ताक्षर के बाद ही अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा यह फाइल्स जारी की गई हैं। इस आदेश के तहत अमेरिकी न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़े सभी अनक्लासिफाइड रिकॉर्ड्स, दस्तावेज, कम्युनिकेशन्स और जांच सामग्री सार्वजनिक करने का निर्देश प्राप्त है। हालाँकि यह कानून 2025 में कांग्रेस के दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) से लगभग सर्वसम्मति से पास हुआ था, और राष्ट्रपति ट्रंप ने 19 नवंबर 2025 को इस पर हस्ताक्षर किए थे। इसी कानून के तहत अमेरिकी न्याय विभाग ने समय-समय पर फाइल्स जारी की। परन्तु इन फाइल्स का बड़ा हिस्सा गत 30 जनवरी 2026 को जारी किया गया, जिसमें 3.5 मिलियन से ज्यादा पृष्ठ , 2,000 से अधिक वीडियो और लगभग 1,80,000 फोटो शामिल थे। एप्सटीन फाइल्स के इसी खुलासे के बाद पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। दुनिया के जाने माने लोगों के चेहरे से नकाब हटने लगी। इन फाइल्स के सार्वजनिक होने के बाद एप्सटीन के यौन अपराधों, ट्रैफिकिंग नेटवर्क और शक्तिशाली व्यक्तियों के साथ उनके संबंधों की गहराई उजागर हुई।

गौरतलब है कि जेफरी एप्सटीन, एक अमीर फाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी है। इसने अनेक नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शोषण किया, और इन फाइल्स में राजनीतिक, व्यापारिक और सामाजिक हस्तियों के कई नाम सामने आए। इन खुलासों के बाद कई प्रमुख व्यक्तियों का भविष्य व जीवन प्रभावित हुआ। कई लोगों को इस्तीफे देने पड़े तो कई के विरुद्ध जांच बिठाई गयी। आपना नाम आने पर कई लोग शर्मिंदगी से जहाँ मुंह छुपाते घूम रहे हैं यहाँ तक कि इस नेटवर्क में नाम आने के बाद कई लोग भूमिगत हो चुके हैं और मीडिया से मुंह छुपाते फिर रहे हैं। वहीं भारत में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी जैसे विशिष्ट भी हैं जो एप्सटीन फाइल्स के खुलासे के अनुसार तो जेफरी एपस्टीन से 14 बार मिले परन्तु वे स्वयं एपस्टीन से 8 सालों में केवल 3-4 बार की मुलाकात को ही स्वीकार करते हैं। इसके बावजूद वह इस सवाल से बच नहीं पा रहे कि 13 -14 बार या 3-4 बार नहीं बल्कि यदि एक सजायाफ़्ता बदनाम यौन अपराधी से हरदीप पुरी एक बार भी मिले तो उस मुलाकात की वजह क्या थी ? जो व्यक्ति खुद स्वीकार कर चुका है कि वह कम उम्र की बच्चियों से सैक्स करने का आदी था ऐसे भेड़िया मानसिकता वाले व्यक्ति से मुलाकात क्यों की गयी ? किसके कहने पर या किसके लिये की गयी ? बहरहाल उम्मीद की जा रही है कि अभी दुनिया के और भी अनेकानेक सफेदपोश भेड़ियों के नाम सामने आएंगे और इस्तीफों की भी झड़ी लग सकती है।

दुनिया में आये दिन घटित होने वाली तमाम घटनाएं ऐसी हैं जो पितृ सत्ता या पुरुष प्रधान समाज का बार बार एहसास कराती हैं। परन्तु इस घटना में तो जेफरी एप्सटीन पर 2019 में न्यूयॉर्क में संघीय अदालत ने उसपर सेक्स ट्रैफिकिंग ऑफ माइनर्स के आरोप लगाए, जिसमें दर्जनों नाबालिग लड़कियों यहाँ तक कि 14 साल से भी कम उम्र की कुछ बच्चियों का यौन शोषण शामिल था। यह उसकी स्वीकारोक्ति थी कि उसने नाबालिग लड़कियों से यौन संबंध बनाये व अवैध काम किए। इसलिये इस विश्वव्यापी नेटवर्क से पर्दा उठने के बाद अब यह सवाल भी उठने लगा है कि दुनिया के धनाढ्य और शक्तिशाली लोगों की नजर में महिलाओं, खासकर छोटी बच्चियों का क्या स्थान है ? महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने का ढोंग रचने वाला सफेद पोश पुरुष प्रधान समाज जो कभी महिलाओं को आधी आबादी कहकर खुश करता है तो कभी बच्चियों को कंजक व देवी के रूप में पूजता भी है उन्हीं बच्चियों को अपने पैसे व सत्ता के बल पर अपनी हवस का निशाना बनाने वाले लोग नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शारीरिक शोषण भी करते हैं ?

निश्चित रूप से एपस्टीन फाइल्स पितृसत्ता की एक गहरी तस्वीर पेश करती हैं, जहां धनाढ्य पुरुष विश्वव्यापी नेटवर्क बनाते हैं और एक दूसरे से जानकारी साझा करते हैं और महिलाओं को परिधि पर रखते हैं। वास्तव में आधी आबादी को प्रायः सहयोगी,या यौन सुख प्रदान करने वाली के रूप में ही देखा जाता है न कि समान भागीदार के रूप में। खासकर गरीब परिवारों की छोटी बच्चियों को तो कमजोर और आसानी से नियंत्रित करने योग्य माना जाता था। एप्सटीन के नेटवर्क में शामिल कुछ पुरुषों ने कथित तौर पर इन लड़कियों को उपहार के रूप में इस्तेमाल किया, जिससे व्यापारिक या राजनीतिक लाभ मिलते थे। यह दशार्ता है कि शक्तिशाली लोगों की नजर में, महिलाएं और लड़कियां अक्सर सत्ता और प्रभाव बनाए रखने का साधन बन जाती है न कि कोई सम्मानजनक मानव। महिलाओं को केवल प्रजनन उपकरण के रूप में देखना भी पितृसत्ता की ही एक गहरी साजिश है।

इसलिये एप्सटीन फाइल्स से प्राप्त हो रहे ब्यौरों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि एप्सटीन जैसे मामलों में जहाँ कुछ शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा छोटी मासूम बच्चियों को मात्र अपनी यौन संतुष्टि के लिये या अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सौदेबाजी के साधन के रूप में अथवा किसी विशिष्ट व्यक्ति को ब्लैकमेल करने की गरज से इस्तेमाल किया गया।यह एक ऐसी व्यवस्थित समस्या है जहां धन, सत्ता के बल पर और जवाबदेही की कमी से ऐसी संस्कृति पनपती है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, यह वैश्विक अपराध नेटवर्क का हिस्सा है, जहां महिलाओं और लड़कियों का वस्तुकरण नस्लवाद और भ्रष्टाचार से जुड़ा है। हालांकि, FBI की जांच में ट्रैफिकिंग रिंग के लिए पर्याप्त सबूत भले ही नहीं मिले परन्तु पीड़ितों की गवाहियां बताती हैं कि यह शोषण अत्यंत व्यापक था। ये फाइल्स यह भी दिखाती है कि सत्ता के शीर्ष पर मिसोगिनी (स्त्री-द्वेष) और यौन हिंसा कैसे सामान्यीकृत हो जाती है। यह एक ऐसी विकृत पुरुष प्रधान व्यवस्था का प्रतिबिंब भी है जहां पीड़ितों को न्याय मिलना मुश्किल रहता है। एप्सटीन फाइल्स ऐसे ही शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हकीकत को उजागर करती है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

कोलोराडो हाइवे पर 30 से अधिक वाहनों की टक्कर, 4 लोगों की मौत

कोलोराडो, एजेंसी। अधिकारियों ने बताया कि कोलोराडो में मंगलवार को एक अंतरराज्यीय राजमार्ग पर धूल भरी आंधी के कारण चालकों को देखने में कठिनाई होने से छह सेमीट्रेलरों सहित 30 से अधिक वाहनों की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। कोलोराडो स्टेट पेट्रोल ने बताया कि तेज हवाओं से उड़ी धूल के कारण सुबह करीब 10 बजे प्यूब्लो के दक्षिण में इंटरस्टेट 25 पर हुए हादसे के समय स्थिति 'धुंधली' हो गई थी। उन्होंने कहा कि ड्राइवरों को 'बहुत कम या बिल्कुल भी दिखाई नहीं दे रहा था'। पुलिस ने बताया कि 29 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी चोटों की गंभीरता के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है। दुर्घटना के कारणों की अभी भी जांच चल रही है। गश्ती दल की प्रवक्ता शेरी मेंडेज ने बताया कि कम दृश्यता को दुर्घटना के एक कारण के रूप में माना जाएगा, लेकिन अन्य कारण भी हो सकते हैं। मंगलवार को कोलोराडो के पूर्वी हिस्से में तेज हवाएं चल रही थीं, जो गर्म मौसम और अत्यधिक शुष्क परिस्थितियों के साथ मिलकर जंगल की आग के खतरे को भी बढ़ा रही हैं और डेनवर के हवाई अड्डे पर उड़ानों में देरी का कारण बन रही हैं।

अमेरिकी सेना ने कथित तौर पर ड्रग्स से भरी तीन नावों पर किए हमले, 11 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को कहा कि उसने लैटिन अमेरिकी जलक्षेत्र में ड्रग्स की तस्करी के आरोपी तीन नावों पर हमले किए, जिसमें 11 लोग मारे गए। यह ट्रंप प्रशासन के महीनों से चल रहे अभियान के सबसे घातक दिनों में से एक था। सोमवार को किए गए सिलसिलेवार हमलों के बाद मरने वालों की संख्या कम से कम 145 हो गई है, जब से प्रशासन ने सितंबर की शुरुआत से छोटे जहाजों में उन लोगों को निशाना बनाना शुरू किया है जिन्हें वह नारकोटेररिस्ट कहता है। 42 ज्ञात हमलों पर सेना के अधिकांश बयानों की तरह, अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कहा कि उसने ज्ञात तस्करी मार्गों पर कथित मादक पदार्थों के तस्करों को निशाना बनाया। उसने कहा कि पूर्वी प्रशांत महासागर में चार-चार लोगों को ले जा रहे दो जहाजों पर हमला किया गया, जबकि कैरेबियन सागर में तीन लोगों को ले जा रहे एक तीसरे जहाज पर हमला किया गया। सेना ने इस बात का कोई सबूत नहीं दिया कि ये जहाज ड्रग्स की ढुलाई कर रहे थे, लेकिन उसने ऐसे वीडियो पोस्ट किए जिनमें नौकाओं को नष्ट होते हुए दिखाया गया था।

एपस्टीन कनेक्शन : हयात होटल के चेयरमैन थॉमस प्रिट्जकर ने दिया इस्तीफा

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के न्याय विभाग (यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस) की ओर से जारी नई फाइलों में दोषी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से करीबी संपर्क सामने आने के बाद अरबपति कारोबारी थॉमस प्रिट्जकर ने वैश्विक होटल श्रृंखला हयात होटल के चेयरमैन पद से हटने की घोषणा की है। प्रिट्जकर ने स्वीकार किया कि एप्स्टीन से संपर्क बनाए रखना भयानक निर्णय था। बीबीसी के अनुसार, हाल में सार्वजनिक फाइलों से पता चला कि प्रिट्जकर 2008 में एपस्टीन के यौन अपराधों में दोष स्वीकार करने के बाद भी कई वर्ष उसके संपर्क में थे। प्रिट्जकर ने कहा कि उन्होंने एपस्टीन से दूरी बनाने में देर कर गंभीर गलती की। उन्होंने कहा, मेरी जिम्मेदारी हयात को सही दिशा में आगे बढ़ाने की है।

ब्रिटेन और भारत में एमपॉक्स की पहचान, दो अलग-अलग क्लेड से मिलकर बना वायरस

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन और भारत में एमपॉक्स वायरस के एक नए बदले हुए स्वरूप की पहचान हुई है, जिसे वैज्ञानिक रिकॉम्बिनेंट वायरस कह रहे हैं। यह नया रूप वायरस के दो अलग-अलग प्रकार क्लेड आईबी और क्लेड आईआईबी के आपस में मिल जाने से बना है। अब तक ऐसे दो ही मामले सामने आए हैं और दोनों मरीज स्वस्थ हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि फिलहाल आम जनता के लिए जोखिम कम है, हालांकि उच्च जोखिम समूहों में सतर्कता जरूरी बनी हुई है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार यह एक संक्रामक बीमारी है, जो एमपॉक्स वायरस से होती है। एमपॉक्स वायरस के दो मुख्य क्लेड माने जाते हैं, क्लेड आई और क्लेड आईआई। क्लेड आई के भीतर आईए और आईबी उपसमूह आते हैं, जबकि क्लेड आईआई में आईआईए और आईआईबी शामिल हैं। हाल का वैश्विक प्रकोप मुख्य रूप से क्लेड आईआईबी से जुड़ा रहा है। अब जो नया रीकॉम्बिनेंट मामला सामने आया है, उसमें क्लेड आईबी और क्लेड आईआईबी दोनों के जीन पाए गए हैं। भारत में पाया गया यह केस दुनिया में इस नए रीकॉम्बिनेंट एमपॉक्स वायरस का सबसे शुरुआती ज्ञात मामला माना जा रहा है।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 'तोहफे' में दिए उसी के तीन सैनिक, कई महीनों पहले किया था कैद

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान सरकार ने मंगलवार को घोषणा की है कि उसने पिछले साल अक्टूबर में सीमा पार लड़ाई के दौरान पकड़े गए तीन पाकिस्तानी सैनिकों को रिहा कर दिया है। यह कदम रमजान के पवित्र महीने के मद्देनजर उठाया गया है। सऊदी अरब की मध्यस्थताः अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता, जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक बयान में बताया कि इन सैनिकों को सोमवार को काबुल आए एक सऊदी प्रतिनिधिमंडल को सौंप दिया गया। यह प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों के बीच मध्यस्थता कर रहा था।

गिरफ्तारी का समय: मुजाहिद के अनुसार, इन तीन सैनिकों को 12 अक्टूबर को हुई लड़ाई के दौरान बंदी बनाया गया था।

रिहाई का कारण: उन्होंने कहा कि सैनिकों को रिहा करने का निर्णय रमजान की शुरुआत को देखते हुए लिया गया है, जो इस्लाम में उपवास और आत्म-चिंतन का पवित्र महीना माना जाता है। अफगानिस्तान और उसके पड़ोसी पाकिस्तान के बीच पिछले साल अक्टूबर से ही तनाव काफी बढ़ा हुआ है। दोनों देशों के बीच तनाव की कहानी अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच वर्तमान में जो तल्खी दिखाई दे रही है, उसकी जड़ें पिछले साल अक्टूबर की घटनाओं में छिपी हैं। भले ही अब 3 सैनिकों की रिहाई को एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है, लेकिन दोनों पड़ोसियों के

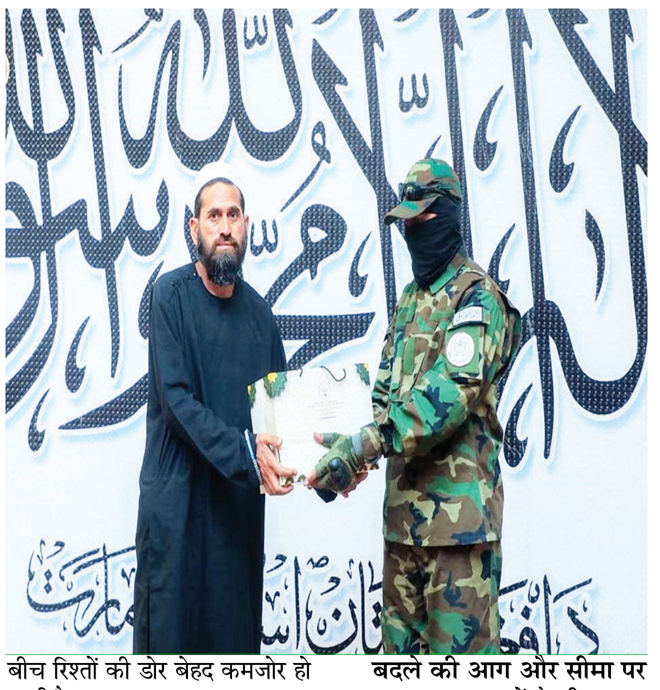

बीच रिश्तों की डोर बेहद कमजोर हो चुकी है।

विवाद की चिंगारी: 9 अक्टूबर का काबुल धमाका : इस पूरे तनाव की शुरुआत 9 अक्टूबर को हुई, जब अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में कई जोरदार धमाके हुए। इन धमाकों ने पूरे शहर को दहला दिया। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने तुरंत इन हमलों के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। अफगान सरकार ने न केवल पाकिस्तान पर आरोप लगाए, बल्कि इन हमलों का बदला लेने की कसम भी खाई।

बदले की आग और सीमा पर युद्ध : काबुल धमाकों के ठीक बाद, प्रतिशोध की भावना ने दोनों देशों की सीमाओं पर युद्ध जैसे हालात पैदा कर दिए। तालिबान के 'बदला लेने' के बयान के बाद सीमा पर भीषण गोलाबारी शुरू हो गई।

12 अक्टूबर का दिन: लड़ाई के दौरान 12 अक्टूबर का दिन सबसे महत्वपूर्ण रहा, जब अफगान बलों ने लड़ाई के दौरान तीन पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बना लिया (जिन्हें अब रिहा किया गया है)। यह संघर्ष इतना घातक था कि इसमें दोनों तरफ के दर्जनों सैनिक, आम नागरिक और संदिग्ध उग्रवादी मारे गए, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए।

हाल के वर्षों का सबसे भीषण संघर्ष : रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्टूबर में हुई यह लड़ाई पिछले कई वर्षों में दोनों पड़ोसियों के बीच हुई सबसे भीषण लड़ाई थी। इसने दोनों देशों के राजनयिक संबंधों को रसातल में पहुंचा दिया।

शांति की कोशिशें और नाकामी जब हालात बेकाबू होने लगे, तो खाड़ी देशों ने हस्तक्षेप किया: कतर की मध्यस्थताः कतर ने दोनों देशों के बीच बीच-बचाव किया, जिसके बाद एक 'युद्धविराम' लागू हुआ। इससे सीमा पर तोपें तो शांत हो गईं, लेकिन तनाव कम नहीं हुआ। इस्तांबुल वार्ता की विफलताः युद्धविराम के बाद, तुर्की के इस्तांबुल में शांति वार्ता आयोजित की गई ताकि कोई स्थाई समाधान निकल सके। लेकिन, यह बातचीत किसी ठोस समझौते या नतीजे पर नहीं पहुंच सकी।

वर्तमान राजनयिक स्थिति : हालात को सुधारने के लिए कतर की मध्यस्थता में एक युद्धविराम समझौता हुआ था, जिससे तनाव में कुछ कमी आई है। हालांकि, इस्तांबुल में हुई बाद की शांति वार्ता किसी ठोस समझौते पर पहुंचने में विफल रही, जिसके कारण दोनों देशों के संबंध अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। फिलहाल, इन तीन सैनिकों की रिहाई पर पाकिस्तान की ओर से कोई तत्काल टिप्पणी नहीं आई है।

अमेरिकी संसद भवन की तरफ हथियार लेकर दौड़ा 18 वर्ष का किशोर, सुरक्षाबलों ने किया गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद भवन (यूएस कैपिटल) की सुरक्षा में उस समय हलचल मच गई जब एक 18 वर्षीय युवक लोडेड शॉटगन के साथ इमारत की ओर बढ़ता हुआ पाया गया। यूनाइटेड स्टेट्स कैपिटल पुलिस (स्ष्टक्क) ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत उसे घेरकर गिरफ्तार कर लिया। त्वरित कार्रवाई के चलते घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान जॉर्जिया के स्मिर्ना निवासी कार्टर कामाचो के रूप में हुई है। वह मंगलवार दोपहर कैपिटल के लोअर वेस्ट टेरेस की दिशा में हथियार लेकर जा रहा था, तभी ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों की नजर उस पर पड़ गई। अधिकारियों ने उसे रोकते हुए हथियार नीचे रखने और जमीन पर लेटने का आदेश दिया, जिसका उसने पालन किया और उसे बिना किसी प्रतिरोध के हिरासत में ले लिया गया। कैपिटल पुलिस प्रमुख माइकल सुलिवन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपी कैपिटल की सीढ़ियों के आधार तक पहुंच गया था, इससे पहले कि उसे पकड़ा गया। मुठभेड़ के दौरान अधिकारियों ने एहतियातन अपने हथियार भी निकाल लिए थे।

आरोपी के पास से क्या-क्या हुआ बरामद : जांच में पता चला कि आरोपी एक सफेद मर्सिडीज-बेंज एसयूवी से मैरीलैंड एवेन्यू साउथवेस्ट के 100 ब्लॉक

तक आया था और वहीं से शॉटगन लेकर बाहर निकला। वाहन से केव्लर हेलमेट, गैस मास्क और अतिरिक्त गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। पुलिस ने यह भी बताया कि वाहन आरोपी के नाम पर पंजीकृत नहीं था। अधिकारियों के मुताबिक, संदिग्ध टैक्टिकल वेस्ट और टैक्टिकल ग्लव्स पहने हुए था और उसके पास कई राउंड गोलियां भी थीं। उसे गैरकानूनी गतिविधियों, बिना लाइसेंस राइफल रखने, अपंजीकृत हथियार और अपंजीकृत गोला-बारूद रखने जैसे आरोपों में चार्ज किया गया है। फिलहाल कैपिटल पुलिस की थ्रेट असेसमेंट यूनिट उसके मकसद की जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में यातायात अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और लोगों को उस क्षेत्र से दूर रहने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने बताया कि नियमित सुरक्षा अभ्यास और एक्टिव थ्रेट ड्रिल्स की वजह से पुलिस की प्रतिक्रिया तेज और प्रभावी रही। वहीं, पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस घटना का आगामी स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन की सुरक्षा व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

अमेरिका-ईरान बातचीत में तनाव, जेडी वेंस बोले- राष्ट्रपति ट्रंप की शर्तें मानने को तैयार नहीं तेहरान

जिनेवा, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही कूटनीतिक बातचीत को लेकर ताजा बयान सामने आया है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान अभी तक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से तय की गई मुख्य शर्तों को मानने के लिए तैयार नहीं है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि जिनेवा में हुई बातचीत 'कुछ मायनों में ठीक रही', क्योंकि दोनों देशों ने आगे भी बैठक जारी रखने पर सहमति जताई है। लेकिन उन्होंने साफ कहा कि ईरान ने अब तक ट्रंप की प्रमुख शर्तों को स्वीकार नहीं किया है। उनके मुताबिक- राष्ट्रपति ट्रंप ने कूटनीतिक समाधान के लिए कुछ स्पष्ट शर्तें रखी हैं। इन शर्तों में सबसे बड़ा मुद्दा ईरान का परमाणु कार्यक्रम है। ईरान अभी इन शर्तों पर खुलकर सहमति देने को तैयार नहीं दिख रहा। जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका अभी भी बातचीत के जरिए समाधान चाहता है। लेकिन उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर बातचीत बेनतीजा रही, तो आगे क्या करना है- इसका फैसला राष्ट्रपति ट्रंप करेंगे। उनका कहना था, 'हम चाहते हैं कि मामला बातचीत से सुलझे, लेकिन अगर कूटनीति की सीमा

खत्म हो जाती है, तो अंतिम फैसला राष्ट्रपति का होगा।' अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंतित है। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान अपनी परमाणु गतिविधियों पर कड़ी रोक लगाए। वहीं ईरान अपने अधिकारों और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देता रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर जिनेवा में बातचीत का दूसरा दौर खत्म हो गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, यह बैठक लगभग तीन घंटे तक चली, जिसमें कोई नतीजा नहीं निकला है। मंगलवार को हुई यह मुलाकात परमाणु मुद्दे पर दोनों देशों के बीच दूसरे दौर की बातचीत थी। जिनेवा में वार्ता व अभ्यास ऐसे समय हुए जब अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है।

अफगानिस्तान में घरेलू हिंसा को मिल गया कानूनी लाइसेंस

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में महिलाओं की दयनीय हालत छिपी नहीं है। 2021 में तालिबान के सत्ता संभालने के बाद से यहां महिलाओं के अधिकारों का लगातार दोहन हुआ है। तालिबानी हुकूमत ने देश में महिलाओं के पढ़ने, लिखने, बाहर जाने, यहां तक कि सार्वजनिक जगहों पर हंसने तक पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस बीच अब अफगानिस्तान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा को भी कानूनी लाइसेंस दे दिया गया है। तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने हाल ही में 90 पन्नों वाली नई दंड संहिता पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कानून महिलाओं के लिए सजा से कम नहीं है।

नए नियमों को आधिकारिक रूप से 'दे महाकुमु जजाई उसूलनामा' का नाम दिया गया है। तालिबान सरकार द्वारा पूरे देश में लागू किए जाने वाले इस कानून के तहत सजा की प्रकृति इस आधार पर तय की जाएगी कि पीड़ित व्यक्ति

'आजाद' है या 'गुलाम'। इस व्यवस्था में समाज को ऊंचे और निचले दर्जे में बांटने की बात कही गई है। ऊपरी श्रेणी में धार्मिक नेता और मुल्ला शामिल होंगे, जबकि निचली श्रेणी के लोगों पर शारीरिक दंड को अधिक स्वीकार्य माना गया है। इसमें महिलाओं को व्यवहारिक रूप से 'गुलाम' की श्रेणी में रखा गया है और पति को 'स्वामी' का दर्जा दिया गया है। नए नियमों के तहत गंभीर अपराधों की सुनवाई इस्लामी मौलवियों द्वारा की जाएगी। कम गंभीर मामलों में 'ताज़ीर' नाम की वैकल्पिक सजा लागू होगी, जिसके तहत पति अपनी पत्नी को दंड दे सकता है। हालांकि पत्नी पर शारीरिक हिंसा के मामलों में न्याय की स्पष्ट व्यवस्था नहीं दी गई है। अगर कोई महिला घरेलू हिंसा की शिकायत करना चाहती है, तो उसे धार्मिक जज के सामने गंभीर शारीरिक चोट का सबूत पेश करना होगा। साथ ही उसे पूरी तरह ढका हुआ पहनावा पहनना होगा और एक पुरुष संरक्षक की मौजूदगी जरूरी होगी, जो अधिकतर मामलों में उसका पति ही होता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अगर कोई महिला अपने साथ हुई गंभीर हिंसा साबित भी कर दे, तो आरोपी को न्यूनतम 15 दिन की जेल ही हो सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि इस कानून से महिलाओं के खिलाफ हिंसा बेलगाम हो सकती है। काबुल की एक महिला कानूनी सलाहकार ने टाइला न्यूज को बताया कि महिलाओं के लिए न्याय पाना अब बेहद लंबी और मुश्किल प्रक्रिया हो जाएगी। उन्होंने एक मामले का जिक्र किया, जिसमें एक महिला को जेल में बंद अपने पति से मिलने के दौरान बिना पुरुष संरक्षक के जाने पर पीटा गया। महिला ने सार्वजनिक रूप से कहा कि वह इस प्रक्रिया से गुजरने से बेहतर मौत को समझती है।

वेस्ट बैंक में जमीन पर कब्जे की तैयारी में इजरायल

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल सरकार ने पश्चिमी तट में जमीन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करने के हालिया फैसले की आठ मुस्लिम देशों द्वारा निंदा करने वाले संयुक्त बयान को बेबुनियाद और गुमराह करने वाला बताया है। मंगलवार को तुर्की, मिस्र, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रियों ने पश्चिमी तट में जमीन को सरकारी सम्पति घोषित करने और उनके पंजीकरण और मालिकाना हक के सेटलमेंट के लिए प्रक्रिया को मंजूरी देने के इजरायली सरकार के फैसले की निंदा की। मंत्रालय ने आज एक बयान में कहा, 'यह बयान असल में बेबुनियाद और जानबूझकर गुमराह करने वाला है। फिलिस्तीनी अधिकारी ही क्षेत्र सी में गैर-कानूनी जमीन पंजीकरण प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहे है,

जो कानून और मौजूदा समझौतों का उल्लंघन है।' मंत्रालय ने बताया कि इजरायली सरकार ने सिविल और सम्पति कानून के तहत प्रशासनिक कदम को मंजूरी दी है। सऊद अरब के विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह कदम कब्जे वाले इलाके में एक नई कानूनी और प्रशासनिक हकीकत को थोपता है, जिससे द्वि-राष्ट्र समाधान और फिलिस्तीनी अधिकार कमज़ोर होते हैं। मंत्रालय ने कहा कि फिलिस्तीनी जमीन पर इजरायल का कोई हक नहीं है। मंत्रालय ने इन कदमों को फिलिस्तीनी लोगों के चार जून, 1967 की सीमाओं पर एक आजाद देश बनाने के कानूनी हक पर हमला बताया, जिसकी राजधानी पूर्वी येरुशलम हो। उल्लेखनीय है कि इजरायली सरकार ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक के बड़े इलाकों को अपनी भूमि के तौर पर वर्गीकृत करने की योजना को मंजूरी दी, अगर फिलिस्तीनी मालिकाना हक साबित नहीं कर पाते। यह प्रस्ताव दक्षिणपंथी मंत्रियों बेज़ालेल स्मोट्रिच (वित्त), यारिव लेविन (न्याय), और इजरायल काट्ज (रक्षा) ने रखा था। स्मोट्रिच ने इस योजना को 'हमारी सभी जमीनों पर नियंत्रण करने के लिए समाधान क्रांति' का अगला कदम बताया, जबकि लेविन ने इसे इज़रायल के अपने सभी हिस्सों पर अपनी पकड़ मज़बूत करने की प्रतिबद्धता का प्रदर्शन बताया। इस मंजूरी से ज़मीन के मालिकाना हक के समाधान की प्रक्रिया फिर से शुरू हो गई हैं, जो 1967 में वेस्ट बैंक पर इजरायल के कब्जे के बाद से रुके हुए थे।

चीन बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान के साथ पारंपरिक दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए तैयार

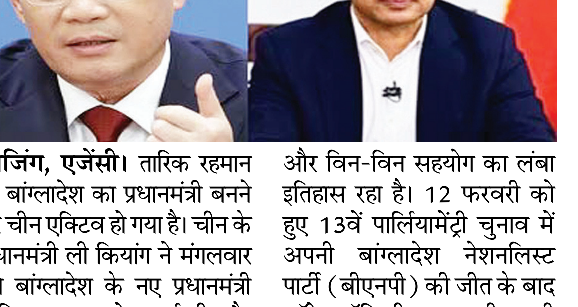

बीजिंग, एजेंसी। तारिक रहमान के बांग्लादेश का प्रधानमंत्री बनने पर चीन एक्टिव हो गया है। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने मंगलवार को बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान को बधाई दी और कहा कि बीजिंग ढाका के साथ मिलकर बीआरआई प्रोजेक्ट्स समेत सभी सेक्टर में आपसी रिश्ते मजबूत करने के लिए तैयार है, ताकि उनके रिश्ते एक नए लेवल पर पहुंच सकें। ली ने रहमान को अपने मैसेज में कहा कि चीनी सरकार नई बांग्लादेशी सरकार के सुचारू एडमिनिस्ट्रेशन का सपोर्ट करती है, जिन्होंने आज दिन में शपथ ली थी।

उन्होंने कहा कि चीन बांग्लादेशी प्रधानमंत्री के साथ पारंपरिक दोस्ती को आगे बढ़ाने, हाई-क्वालिटी बेल्ट एंड रोड कोऑपरेशन को आगे बढ़ाने और सभी सेक्टर में लेन-देन और कोऑपरेशन को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। ली ने आगे कहा कि इससे चीन-बांग्लादेश कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रेटेजिक कोऑपरेटिव पार्टनरशिप एक नए लेवल पर पहुंचेगी और दोनों देशों के लोगों को ज्यादा फायदे होंगे।

ली ने कहा कि चीन और बांग्लादेश के बीच दोस्ताना लेन-देन, एक-दूसरे का सम्मान करने और विन-विन सहयोग का लंबा इतिहास रहा है। 12 फरवरी को हुए 13वें पार्लियामेंट्री चुनाव में अपनी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की जीत के बाद फॉरेन पॉलिसी पर अपनी पहली टिप्पणी में, रहमान ने कहा कि वह दूसरे देशों के साथ रिश्ते बनाने में बांग्लादेश के हितों को प्राथमिकता देंगे। रहमान के हवाले से कहा गया, 'बांग्लादेश और उसके लोगों के हित हमारी फॉरेन पॉलिसी तय करेंगे।

चीनी सरकारी मीडिया ने रहमान की इस बात को हाईलाइट किया कि चीन को लंबे समय से बांग्लादेश का एक महत्वपूर्ण डेवलपमेंट पार्टनर माना जाता है और उम्मीद जताई कि दोनों देश कॉमन डेवलपमेंट के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। भारत और पाकिस्तान के अलावा, चीन के प्रति रहमान की सरकार की पॉलिसी इसलिए भी अहम हो गई क्योंकि अंतरिम सरकार के चीफ मुहम्मद यूनुस, जिन्होंने शेख हसीना को हटाने के बाद अगस्त 2024 में सत्ता संभाली, ने चीन और पाकिस्तान के पक्ष में पॉलिसी अपनाने की कोशिश की, जिससे भारत के साथ ढाका के रिश्तों पर बुरा असर पड़ा।

ट्रम्प ने जापान के साथ ट्रेड डील के शुरूआत की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को जापान के साथ एक निवेश समझौते के शुरूआत का एलान किया है। जापान ने अमेरिका में कुल 550 बिलियन डॉलर का निवेश करने का वादा किया है, जो ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के अंत तक, यानी जनवरी 2029 तक पूरा होगा। यह समझौता पिछले साल जुलाई में हुआ था, जिसमें जापान ने अमेरिका में निवेश करने के बदले अपनी कारों और अन्य सामानों पर लगने वाले अमेरिकी टैरिफ को कम करवाया था। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करके बताया कि इस 550 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता के तहत पहली परियोजनाओं की शुरुआत हो गई है। इनमें तीन बड़ी परियोजनाएं शामिल हैं, जिनकी कुल लागत लगभग 36 बिलियन डॉलर है। पहली परियोजना जॉर्जिया राज्य में क्रिटिकल मिनरल्स की है, जहां सिंथेटिक डायमंड या अन्य महत्वपूर्ण खनिजों का उत्पादन होगा, जो अमेरिका की विदेशी निर्भरता कम करने में मदद करेगा। दूसरी परियोजना टेक्सास राज्य में तेल और गैस की सुविधाओं की है, जिसमें गल्फ कोस्ट पर एक डीपवॉटर क्रूड ऑयल एक्सपोर्ट सुविधा और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (स्न्हत्र) प्रोजेक्ट शामिल हैं, जो अमेरिकी ऊर्जा निर्यात को बढ़ावा देंगे। तीसरी परियोजना ओहियो राज्य में पावर जेनरेशन प्लांट की है, जो एक बहुत बड़ा नेचुरल गैस पावर प्लांट होगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ये प्रोजेक्ट बहुत बड़े स्तर के हैं और इन्हें लागू करने में टैरिफ की अहम भूमिका रही है। उन्होंने इसे अमेरिका और जापान के लिए ऐतिहासिक समय बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका फिर से निर्माण कर रहा है, उत्पादन कर रहा है और जीत रहा है। पिछले हफ्ते वॉशिंगटन में जापान के उद्योग मंत्री रयोसी अकाजावा और अमेरिकी

वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के बीच बैठक हुई थी, जहां पहले दौर के निवेश में तेजी लाने पर सहमति बनी। ये निवेश रणनीतिक क्षेत्रों जैसे क्रिटिकल मिनरल्स, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऊर्जा पर केंद्रित हैं, जो दोनों देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों को मजबूत करेंगे।

न्यूयॉर्क में चर्च में धमाका, फायरफाइटर समेत पांच लोग घायल

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क के एक चर्च में एक जोरदार धमाका हुआ जिसमें एक फायरफाइटर समेत पांच लोग घायल हो गए। बिल्डिंग में गैस की गंध की रिपोर्ट मिली थी जिसके बाद

अग्निशमन विभाग यहां आया था। न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस धमाके के कारण की जांच कर रही थी, जो सिरैक्यूज़ से लगभग 50 मील (80 किलोमीटर) उत्तर-पूर्व में एक ग्रामीण इलाके में एबंडेंट लाइफ फेलोशिप चर्च में सुबह करीब 10 :30 बजे हुआ। पांच लोगों को इलाज के लिए लोकल हॉस्पिटल ले जाया गया। दो की हालत गंभीर बताई गई, जिसमें एक फायरफाइटर भी शामिल है जो मौके पर पहुंचा था। पुलिस ने बताया कि बाकी तीन लोगों की चोटों का इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि धमाके से जुड़ी कोई क्रिमिनल एक्टिविटी का शुरुआती संकेत नहीं मिला, जिससे हवा में काले धुएं का घना गुबार फैल गया और चर्च को बहुत नुकसान हुआ। स्टेट टूपर्स के अनुसार, चर्च को प्रोपेन सिलेंडर से गर्म किया जाता था।

सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी से संभव

भारत में सिर और गर्दन का कैंसर एक आम समस्या बनती जा रही है। इन समस्याओं में ओरल यानी कि मुंह के कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। अन्य देशों की तुलना में भारत में इस कैंसर का खतरा बहुत ज्यादा है। हालांकि, शुरुआती निदान के साथ इस कैंसर का इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्य से वेस्टर्न दुनिया की तुलना में भारत में इस कैंसर का सरवाइवल रेट बहुत कम है।

ग्लोबोकैन 2018 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश की 24 प्रतिशत आबादी सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित है, और हर साल इस कैंसर के 2.75 लाख नए मामले रजिस्टर किए जाते हैं। आईसीएमआर की नेशनल कैंसर रेजिस्ट्री प्रोग्राम के डाटा के अनुसार, देश के तीन कैंसर मामलों में से एक बीआईएमएआरयू राज्यों (बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश) से संबंधित होता है। 2016 में, भारत में 14.5 लाख कैंसर के मामले दर्ज किए गए थे, जबकी 2017 में यह संख्या बढ़कर 15.17 लाख हो गई। इनमें से 5.75 लाख मामले बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थे। चार बीआईएमएआरयू राज्यों में से एक यूपी में कैंसर के 2.5 लाख मामले देखे गए जो देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा हैं। यूपी की बात करें तो इसका मुख्य कारण यह है कि, वहां के लोग पान मसाला और तंबाकू का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं।

पहले का इलाज केवल कैंसर और बीमारी को ठीक करने के लिए किया जाता था, जिसके कारण मरीज को अन्य समस्याओं, जैसे टेढ़ा चेहरा, निशान, टेढ़-मेढ़े दांत, चेहरे के आकार में बदलाव, कंधों में झुकाव आदि से जूझना पड़ता था। टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ आज मिनमली इनवेसिव सर्जरी के जरिए सिर और कैंसर के चौथे चरण का इलाज भी संभव हो गया है, जिसके परिणाम भी अच्छे होते हैं। ऐसे कैंसरों के इलाज को बेहतर करने के लिए आज देश में ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) भी उपलब्ध है। इस सर्जरी के परिणाम बेहतर होने के साथ ही मरीज का चेहरा भी खराब नहीं होता है और न ही कोई निशान रह जाते हैं। टीओआरएस के साथ मरीजों के सरवाइवल रेट में भी सुधार आया है।

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी- इलाज के लिए एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी एक नई तकनीक है, जो कैंसर की खतरनाक से खतरनाक सेल्स को भी हटा देता है। रोबोटिक हाथ, बिना कोई चीरा लगाए गर्दन की सभी कैंसर कोशिकाओं को हटा देता है। पहले जुबान के ज्यादा अंदर, यानी कि टॉन्सिल्स तक पहुंचना मुश्किल होता था, लेकिन आज टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ वहां तक पहुंचना भी संभव हो गया है। ये प्रक्रिया न सिर्फ कैंसर के मरीजों के लिए बल्कि सर्जनों के लिए भी एक वरदान साबित हुई है। सर्जरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को रोबोटिक सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है, जिसकी मदद से छोटी से छोटी जगह तक भी आसानी से पहुंच कर इलाज किया जा सकता है। चीरा लगाने की जरूरत न होने के कारण न्यूरोवस्कुलर टिशूज को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, जिससे मरीजों को निगलने में आसानी होती है और अस्पताल से डिस्चार्ज भी जल्दी कर दिया जाता है। सर्जरी के बाद मरीज की देखभाल का पूरा ख्याल रखा जाता है, जिससे उनमें ब्लीडिंग, इंफेक्शन या कोई और समस्या न हो सके।

टीओआरएस- एक एडवांस तकनीक

रोबोटिक सर्जरी होने के कारण कैंसर के इलाज में बदलाव हुए हैं। मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया की मदद से अब ओपन सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। पहले इस प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन देर से निदान के कारण इलाज के परिणाम कुछ खास नहीं होते थे। दुर्भाग्य से, टीओआरएस से पहले सर्जरी पूरी तरह से इनवेसिव (सर्जरी के लिए बड़ा चीरा लगाना पड़ता था) हुआ करती थी। चीरे और काट-पीट के कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी मरीजों के चेहरों के आकार खराब हो जाते थे। लेकिन यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया 100 फीसदी सुरक्षित है।

भारत में टीओआरएस का भविष्य कैसा होगा?

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी का इस्तेमाल जुबान, मुंह, गला और सिर व गर्दन के कई अन्य स्थानों के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है। सर्जिकल उपकरणों में प्रगति के साथ, रोबोटिक टेक्नोलॉजी की मदद से सभी प्रकार के ट्यूमर तक पहुंचना संभव हो गया है।

टीओआरएस की मदद से सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज करना बेहद आसान हो गया है, जिसमें न तो आवाज जाने का खतरा होता है और न ही निगलने में परेशानी होती है। इसके अलावा, इस एडवांस सर्जरी की मदद से मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और उसके चेहरे पर कोई निशान भी नहीं रहते हैं। देश के कई डॉक्टर इस विकल्प को पसंद कर रहे हैं।

- डॉक्टर समीर कौल

टेस्टी अंगूर के आश्चर्यजनक फायदे

मीठे अंगूर के दाने न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि ये सेहत का खजाना भी है। आपको हेल्दी रखने के साथ ही अंगूर आपकी त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। इंस्टेंट एनर्जी के लिए भी आप अंगूर का सेवन कर सकते हैं।

- ब्रेस्टफीट कराने वाली महिलाओं को रोजाना करीब 100 ग्राम अंगूर खाना चाहिए। इससे दूध बढ़ता है है।
- कब्ज की वजह से सिरदर्द, चक्कर जैसी समस्याएं हो रही हैं, तो इससे राहत के लिए रोजाना नियमित रूप से 25 ग्राम अंगूर का रस पीएं।
- एसिडिटी होने पर 25-25 ग्राम अंगूर और सौंफ को रातभर 250 मि.ली। पानी में भिगोकर रखें। सुबह उसे मसलकर छान लें। फिर उसमें 10 ग्राम शक्कर मिलाकर पीएं। कुछ दिनों तक नियमित रूप से ऐसा करने से एसिडिटी से राहत मिलेगी।

- यदि आपको कमजोरी महसूस हो रही है, तो 25 ग्राम अंगूर खाएं और उसके बाद आधा लीटर दूध पीएं। इससे कमजोरी दूर होगी।
- पेशाब में गर्मी की समस्या होने पर 50 ग्राम काले अंगूर को रातभर ठंडे पानी में भिगोकर रखें। सुबह मसलकर छान लें। फिर इसमें थोड़ा-सा जीरा चूर्ण मिलाकर पीएं। इससे पेशाब की गर्मी दूर होगी।
- पत्थरी दूर करने में अंगूर फायदेमंद होता है। अंगूर के बीज को पीसकर चूर्ण बना लें। इसे फांककर ऊपर से एक ग्लास दूध पीएं। ऐसा करने से पथरी गलकर बाहर आ जाएगी।
- अंगूर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को न केवल कैंसर से, बल्कि हार्ट डिसीज, नर्व डिसीज, अलइमर, वायरल और फंगल इंफेक्शन से लड़ने की ताकत देते हैं।
- प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, सोडियम, फाइबर, विटामिन ए, सी, ई, के, कैल्शियम, कॉपर, मैग्नीशियम, मैंग्नीज, जिंक और आयरन के गुणों से भरपूर अंगूर में कैलोरी मात्रा बहुत कम होती है।
- शरीर के किसी भी हिस्से से खून निकलने पर एक ग्लास अंगूर के जूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने से खून की कमी दूर हो जाती है और खून बहना बंद हो जाता है।
- अंगूर में ग्लूकोज व विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होता है, इसलिए अंगूर खाने से भूख बढ़ती है और पाचन शक्ति ठीक रखती है। अंगूर आंखों, बालों व त्वचा को भी शाइनी बनाता है।
- अंगूर फोड़े-फुंसियों व पिंपल्स को सुखाने में मदद करता है। अंगूर के रस से गरारे करने से मुंह छालों से राहत मिलती है।

गुड़ और आटे का हलवा

सामग्री

- ¼ कप घी
- 1 कप आटा
- ½ कप गुड़
- इलाइची पाउडर
- 10-15 रेसे केसर
- बादाम
- काजू पिस्ता बारीक कटे हुए

विधि

सबसे पहले एक पैन लें और उसमें घी गरम करें अब पैन में आटा डालें और आटे को घी में खूब भूनें। जबतक आटा थोड़ा सुनहरा न हो जाए तब तक उसे भूनें। इससे आटा पैन में चिपकेगा नहीं। इसके बाद 2 कप पानी में कुछ देर के लिए गुड़ को भिगो दें। जब गुड़ पानी में पिघल जाए तो उस पानी को आटे में डालें। इसके बाद मिश्रण में इलाइची पाउडर, केसर डालें और उसे अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे तब तक पकाएं जब तक यह मिश्रण थिक न हो जाए। अब हलवे को ड्राय फ्रूट्स से गार्निश करें और गरम-गरम खाने के लिए परोसें। आप इस हलवे को 3 से 4 दिन तक फ्रिज में रख कर प्रीहीट करके भी खा सकते हैं।

पनीर रैप

सामग्री

- नीर- 150 ग्राम
- ऑयल-1 बड़ा चम्मच
- प्याज- 1 छोटा
- हरी शिमला मिर्च- 1 मीडियम साइज
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- बीन स्प्राउट्स- 1/2 कप
- सलाद पत्ते- 4 बड़े
- नमक- स्वादानुसार
- Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग- 2 बड़े चम्मच
- वीबा मिंट मेयोनेज- 4 बड़े चम्मच

विधि

इस टेस्टी स्नैक रेसिपी को बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को दो स्ट्रिप्स, प्याज को लंबा-लंबा, शिमला मिर्च को पतली स्ट्रिप्स में काट लें। फिर कड़ाही में तेल गर्म करें। एक बार जब तेल पर्याप्त गर्म हो जाए, तो इसमें प्याज के स्लाइस डालें और आधे मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें हरी शिमला मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, पनीर स्ट्रिप्स, नमक डालकर मीडियम आंच पर 2 मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें बीन स्प्राउट्स मिलाएं और एक और मिनट के लिए फिर से सौते करें। पैन को गैस पर से उतार लें और एक तरफ रख दें। रैप तैयार करने के लिए, पनीर मिश्रण को 2 बराबर भागों में बांटे। वर्कटॉप पर रैप रखें और उसके ऊपर सलाद पत्ता रखें। फिर उस पर समान रूप से वीबा मिंट मेयोनेज का 1 टीस्पून लगाएं और फिर रैप के बीच में पर्याप्त मात्रा में पनीर मिश्रण रखें। फिर इसमें आधा चम्मच Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग मिलाएं। आपका टेस्टी पनीर रैप तैयार है इसे गर्मा-गर्म परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

हंसी के फूव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया-'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह!' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह!' गाइड बोला-'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.'

□ □ □

पहला-'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा-ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई-''कल से तू काम पर मत आना!''

''जी! क्या बात हो गई?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई!''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

काकुरो पहेली - 1632

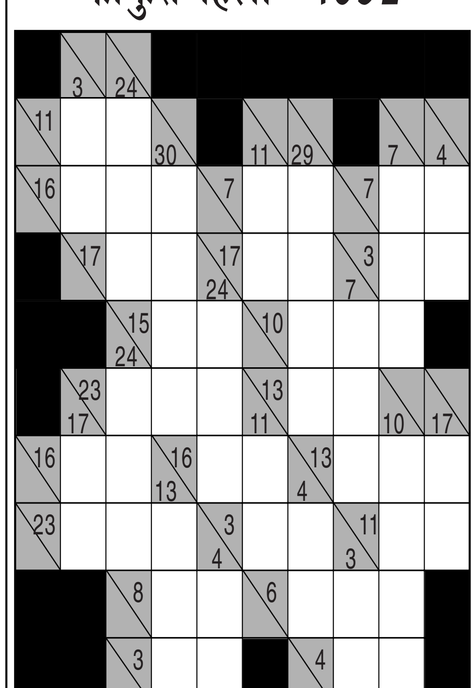

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

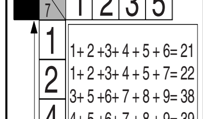

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1631 का हल

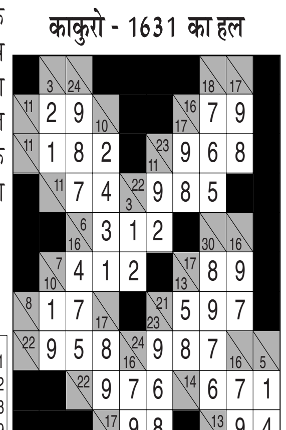

फिल्म वर्ग पहेली- 1632

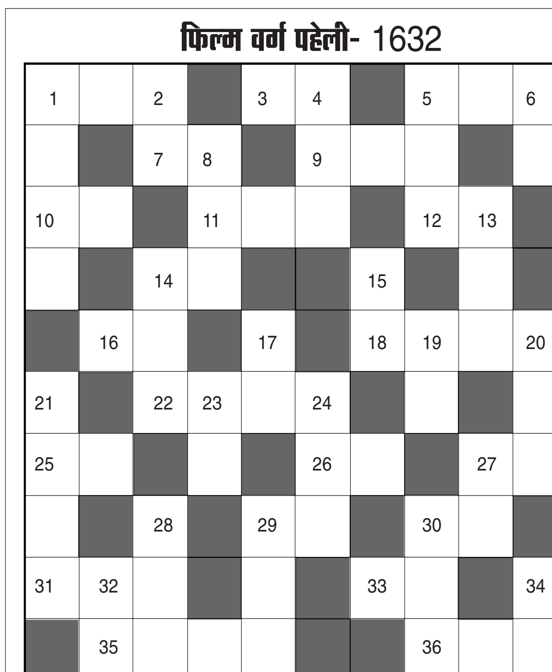

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1631

सूडोकु -1632

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1631 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 1632

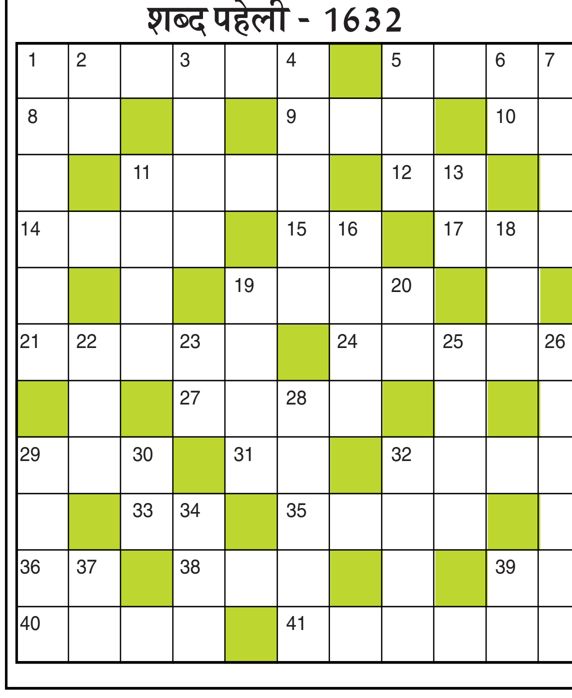

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणत:-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली - 1631 का हल

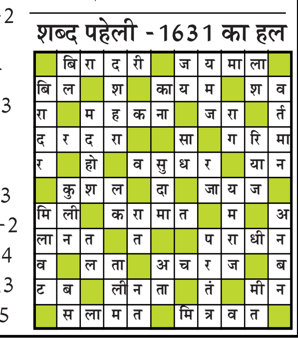

संचार राज्य मंत्री ने यूके के संसदीय अवर सचिव संग की द्विपक्षीय बैठक

एजेंसी
नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के दौरान संचार राज्य मंत्री डॉ पेम्मासानी चंद्रशेखर ने डाक भवन में यूनाइटेड किंगडम के कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं ऑनलाइन सुरक्षा के संसदीय अवर सचिव कनिष्क नारायण के साथ द्विपक्षीय बैठक की। यह बैठक भारत-यूके के 2030 रोडमैप तथा यूके-भारत प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल (टीएसआई) के तहत दूरसंचार, डिजिटल नवाचार तथा उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत-यूके सहयोग की बढ़ती गहराई की पुनः पुष्टि करती है। चर्चा के दौरान राज्य मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता को दूरसंचार के भविष्य का केंद्रीय तत्व मानता है। उन्होंने कहा कि भारत के पैमाने को यूनाइटेड किंगडम की अनुसंधान क्षमताओं के साथ जोड़कर एआई-नेटिव नेटवर्क्स, ओपन आरएएन तथा 6जी में वैश्विक मानकों को आकार दिया जा सकता है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रौद्योगिकी वृद्धि और विश्वास दोनों को बढ़ावा दे। दोनों पक्षों ने दूरसंचार विभाग-डीएसआईटी समझौता ज्ञापन के तहत प्रगति की समीक्षा की तथा भारत-यूके कनेक्टिविटी एंड इनोवेशन सेंटर के कार्यान्वयन का स्वागत किया। उन्होंने भारत के राष्ट्रीय क्वांटम मिशन की भी चर्चा की तथा क्वांटम संचार तथा सुरक्षित नेटवर्क में सहयोग की अपार संभावनाओं की ओर इशारा किया।

एम्स में भारत-फ्रांस स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई सेंटर की शुरुआत, जटिल स्वास्थ्य चुनौतियों का होगा समाधान

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की मौजूदगी में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भारत-फ्रांस स्वास्थ्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केन्द्र की शुरुआत की गई। इस अवसर पर भारत-फ्रांस वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें दोनों देशों के प्रमुख वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, नीति-निर्माताओं और शिक्षाविदों ने भाग लिया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि भारत और फ्रांस को संप्रभु एआई क्षमता और प्रतिभा का विकास करना होगा, ताकि वे पूरी तरह अन्य देशों पर निर्भर न रहें। उन्होंने कहा, 'भारत और फ्रांस विश्वसनीय एआई प्रणालियों के निर्माण के लिए आवश्यक कंप्यूटिंग क्षमता और प्रतिभा विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि हम केवल बाहरी तकनीकों पर निर्भर नहीं रह सकते।' उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानवता की सेवा के लिए होना चाहिए जिसमें बच्चों की सुरक्षा, एल्गोरिदम में पारदर्शिता और भाषाई व सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण शामिल हो।

बिहू त्योहार की महत्ता को समझते हुए असम में चुनाव तारीख की घोषणा होगी: मुख्य चुनाव आयुक्त

गुवाहाटी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यहां कहा कि बिहू असम का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है और इसकी महत्ता को देखते हुए यहां चुनाव आयोजित किए जाएंगे। जिस तरह हम बिहू का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं, उसी तरह लोकतंत्र के इस महान उत्सव को भी हमें मनाना चाहिए। आज गुवाहाटी में एक संवाददाता सम्मेलन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इसकी घोषणा की। ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में 16 फरवरी को आई भारतीय निर्वाचन आयोग की टीम ने पिछले दो दिनों में पंजीकृत राजनीतिक दलों, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, जिला निर्वाचन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ विस्तार से बैठक कर उनकी राय ली। बैठकों में उठाये गये सवालों के संबंध में उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कई घोषणाएं कीं।अपने संबोधन की शुरुआत असमिया भाषा में करते हुए ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहू के महत्व को समझते हुए चुनाव आयोजित किए जाएंगे। दिल्ली जाने के बाद फिर बैठक कर जल्द ही असम के चुनाव के तारीख की घोषणा की जाएगी।

हंगरी के संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यसभा के उपसभापति से की भेंट

नई दिल्ली। हंगरी की नेशनल असेंबली के डिप्टी स्पीकर डॉ. लाजोस ओला के नेतृत्व में संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश से संसद भवन परिसर स्थित कार्यालय में मुलाकात की। हरिवंश ने कहा कि संसदीय सहभागिता द्विपक्षीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। इस प्रकार का संबंध दोनों देशों के कानून निर्माताओं के बीच संवाद, आमसहमति और आपसी समझ को बढ़ावा देकर सरकारी कूटनीति को पूरा करता है। संबंधों की सुदृढ़ ऐतिहासिक नींव का उल्लेख करते हुए उपसभापति ने कहा कि भारत और हंगरी के बीच राजनयिक संबंध वर्ष 1948 में स्थापित हुए थे और वर्ष 2023 में उनकी 75वीं वर्षगांठ मनाई गई। उन्होंने रेखांकित किया कि दोनों देश लोकतांत्रिक शासन-विधि, विधि-शासन और प्रतिनिधि संस्थानों के प्रति प्रतिबद्धता साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय संबंध दोनों देशों के दूरदर्शी नेतृत्व द्वारा संचालित है। भारत के डिजिटल परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सार्वजनिक हित के लिए प्रौद्योगिकी के सिद्धांत पर कार्य कर रहा है। भारत ने पेपरलेस शासन को सक्षम बनाने और सेवा प्रदायगी के संवर्धन के लिए डिजिटल पहचान-आधार; भुगतान प्रणाली- यूपीआई और डिजिलॉकर सहित डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा से संबंधित कई प्रमुख परियोजनाओं को सफलतापूर्वक शुरू किया है।

मंगोलिया में भारत को पवित्र भूमि और 'आध्यात्मिक पड़ोसी' माना जाता है : शेखावत

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मंगोलिया में भारत को पवित्र भूमि और 'आध्यात्मिक पड़ोसी' माना जाता है। यह विचार केंद्रीय मंत्री ने भारत और मंगोलिया के राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'भारत और मंगोलिया के सांस्कृतिक अंतःप्रवाह' के दौरान व्यक्त किए। इसका सम्मेलन का आयोजन संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त संस्थान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के बृहत्तर भारत एवं क्षेत्र अध्ययन विभाग द्वारा किया गया। मंगोलियाई चंद्र नववर्ष के पावन दिन प्रारम्भ हुए इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, विशिष्ट अतिथि केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल, जबकि विशेष अतिथि भारत

में मंगोलिया के महामहिम राजदूत गंबोल्ड दंबाजव रहे। स्वागत वक्तव्य दिया आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने। इस अवसर पर सम्मेलन की संयोजक एवं आईजीएनसी की ट्रस्टी प्रो. निर्मला शर्मा एवं बृहत्तर भारत एवं क्षेत्र अध्ययन विभाग के प्रमुख प्रो. धर्म चंद चौबे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उद्घाटन सत्र के उपरांत अतिथियों ने एक विशिष्ट प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसमें मंगोलियाई संस्कृति को दर्शाने वाले सुंदर चित्र शामिल हैं। यह प्रदर्शनी आईजीएनसीए की दर्शनम् गैलरी में 25 फरवरी तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी। इस सम्मेलन में मंगोलिया, अमेरिका, फ्रांस सहित कई देशों के 31 विद्वान हिस्सा ले रहे हैं और दो दिनों में 75 शोधपत्र पढ़े जाएंगे। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि यह सम्मेलन केवल एक अकादमिक अभ्यास भर नहीं है, बल्कि साझा आध्यात्मिक और कलात्मक परम्पराओं तथा निरंतर सांस्कृतिक प्रवाह से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि भारत और मंगोलिया के बीच ऐतिहासिक आदान-प्रदान केवल धर्म तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि इसमें खगोलशास्त्र, पंचांग एवं काल गणना विज्ञान, चिकित्सा तथा साहित्य जैसे अनेक ज्ञान-क्षेत्र शामिल रहे हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि मंगोलियाई पंचांग परम्पराएं संस्कृत के वैज्ञानिक चिंतन से निकली अवधारणाओं को आज भी संरक्षित किए हुए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वायुसेना के अधिकारियों से जयपुर में होने वाले सूर्यकिरण और सारंग एरोबेटिक शो के संबंध में ली जानकारी

एजेंसी
जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री कार्यालय में वायुसेना के अधिकारियों से जयपुर में होने वाले सूर्यकिरण और सारंग एरोबेटिक शो के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि 20 एवं 22 फरवरी को जल महल की पाल पर प्रस्तावित एरोबेटिक शो में सूर्यकिरण डिसप्ले टीम के

विमान और सारंग डिस्पले टीम के हेलिकॉप्टर्स हिस्सा लेंगे। इनके द्वारा ट्राई कलर स्मोक का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इन रोमांचकारी हवाई प्रदर्शनों से आम जनता को रूबरू कराने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। लगभग 50 हजार दर्शक क्षमता के लिए जल महल की पाल पर व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, स्टेशन कमांडर विनय भारद्वाज, विंग कमांडर अजय दशरथी और अभिजीत सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। वायुसेना के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को छायाचित्र भी भेंट किए।

महाराष्ट्र में मुस्लिम समुदाय का पांच फीसदी नौकरी और शिक्षा में आरक्षण खत्म

एजेंसी
मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मुसलिम समुदाय का पांच फीसदी नौकरी और शिक्षा में आरक्षण खत्म करने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार के इस निर्णय पर विपक्ष ने तीव्र नाराजगी व्यक्त की है। उल्लेखनीय है कि 2014 में जब कांग्रेस-राकांपा सरकार ने मुसलिम समाज को पांच फीसदी और मराठा समाज को 16 फीसदी आरक्षण दिए जाने का अध्यादेश जारी किया था। लेकिन मराठा आरक्षण कानूनी चुनौतियों की वजह से अदालत ने खत्म कर दिया था।

इसी तरह मुसलिम आरक्षण को बॉम्बे उच्च अदालत में कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था और अदालत ने कहा था कि धार्मिक आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता लेकिन इस अध्यादेश के जारी होने के 12 साल बाद देवेंद्र फडणवीस की सरकार ने मुस्लिम समाज को नौकरी और शिक्षा में दिया जाने वाला पांच फीसदी आरक्षण खत्म कर दिया है। नए शासनादेश में कहा गया है कि सरकार ने 2014 के पहले के फैसलों और सर्कुलर को रद्द कर दिया है और स्पेशल बैकवर्ड कैटेगरी में मुसलमानों को जाति और नॉन-क्रीमी लेयर

सर्टिफिकेट जारी करना बंद कर दिया है। विपक्ष ने इस कदम की आलोचना की है, और सरकार के 'सबका साथ सबका विकास' नारे पर सवाल उठाया है। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा, हम इस फैसले की कड़ी निंदा करते हैं। 2014 में शिक्षा और नौकरी के लिए घोषित 5 फीसदी रिज़र्वेशन के बारे में पॉज़िटिव कदम उठाने के बजाय, सरकार ने बस पुराने प्रोसेस को खत्म कर दिया है। हाई कोर्ट के अंतरिम स्टे और ऑर्डिनेंस के पुराने हो जाने का हवाला देते हुए, सरकार ने मुस्लिम समुदाय के अधिकारों पर गहरा आघात किया है। महाराष्ट्र एमआईएम अध्यक्ष इम्तियाज जलील ने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार का फैसला मुसलमानों के लिए रमज़ान का तोहफ़ा है। उन्होंने कहा, हालांकि, हम फिर भी अपने लड़के-लड़कियों से कहेंगे कि वे पढ़ाई न छोड़ें।

अगर इंडिया पढ़ेगा, तो इंडिया तरक्की करेगा। इम्तियाज जलील ने यह भी कहा कि मुसलिम समाज के मौलना मौलवी चुनाव के समय कुकुरमुत्ते की तरह उग आते हैं और अमुक पार्टी को वोट दो की अपील करते हैं। इन सभी मौलवी-मौलानाओं को अब मुसलिम समाज का नेतृत्व कर समाज को फिर से आरक्षण दिलाना चाहिए।

ज्ञानी रघबीर सिंह के खुलासे दिल दहलाने वाले: इंदरबीर सिंह निज्जर

एजेंसी
चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के वरिष्ठ नेता और विधायक डॉ. इंदरबीर सिंह निज्जर ने श्री अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह जी द्वारा शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) और अकाली दल के आंतरिक प्रबंधन को लेकर किए गए सनसनीखेज खुलासों पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि ज्ञानी रघबीर सिंह जी जैसी सम्मानित शख्सियत, जो संस्था के आंतरिक कामकाज से अच्छी तरह वाकिफ हैं, उनके द्वारा लगाए गए ये आरोप सिख कौम के लिए बेहद दुखदायी और दिल दहलाने वाले हैं। निज्जर ने कहा कि हालांकि संगत में इन संस्थाओं की गिरावट को लेकर पहले से ही चर्चाएं थीं, लेकिन अब सिखों की सर्वोच्च संस्था के एक जिम्मेदार पदाधिकारी द्वारा इन सच्चाइयों को सार्वजनिक करना मामले की गंभीरता को कई गुना बढ़ा देता है। विधायक निज्जर ने भ्रष्टाचार के विभिन्न पहलुओं का जिक्र करते हुए बताया कि गुरु घर की कीमती जमीनों को कौड़ियों के दाम बेचकर अपने चहेतों को नाजायज फायदे पहुंचाए जा रहे हैं। उन्होंने आगे खुलासा किया कि एसजीपीसी के प्रबंधन के तहत चल रहे ठेकों में बड़े पैमाने पर धांधली हो

रही है, जहां पहले अपने खास लोगों को ठेके दिए जाते हैं और फिर वे आगे महंगे दामों पर सब-ठेके देकर गुरु की गोलक की लूट कर रहे हैं। इससे भी ज्यादा शर्मनाक बात यह सामने आई है कि गुरु घर के पवित्र लंगर के लिए तैयार की गई रोटियां तक बेची जा रही हैं, जो सिख संगत की निर्मल श्रद्धा और लंगर की मर्यादा के साथ सीधा खिलवाड़ है। धार्मिक कार्यों में फैली बुराई के बारे में बोलते हुए डॉ. निज्जर ने कहा कि श्री दरबार साहिब में पाठ करवाने के नाम पर श्रद्धालुओं से 5-5 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के मामले सामने आना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इतना ही नहीं, कर्मचारियों के तबादलों (ट्रांसफर) में भी बड़े पैमाने पर पैसों का लेन-देन हो रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि सिंह साहिब ज्ञानी सुलतान सिंह जी को भी एक कर्मचारी ने अमृतसर वापस आने के लिए पांच लाख रुपये की मांग की बात कही थी, जो यह साबित करता है कि संस्था में ईमानदारी की जगह सिर्फ पैसे और राजनीतिक दबाव ने ले ली है। सबसे गंभीर मुद्दे पर चर्चा करते हुए विधायक निज्जर ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के गायब हुए पावन स्वरूपों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि महाराज जी के 328 पावन स्वरूप, हस्तलिखित स्वरूप और श्री ननकाना साहिब जी के मोर्चे से संबंधित ऐतिहासिक स्वरूप आज संगत की नजर से ओझल हैं।

भगवंत सिंह मान सरकार के विजन के तहत ग्रामीण खेलों को मिला नया जीवन : बलतेज पन्नू

एजेंसी
लुधियाना। किला रायपुर ग्रामीण ओलंपिक के दूसरे दिन उत्साह का एक अभूतपूर्व उछाल देखने को मिला, हजारों लोग, खासकर युवा, पंजाब की समृद्ध ग्रामीण खेल विरासत का जश्न मनाने के लिए ऐतिहासिक स्टेडियम किला रायपुर में एकत्र हुए। दूसरे दिन की खेलों ने दर्शकों के मन को मोह लिया क्योंकि ऐतिहासिक बैलगाड़ी दौड़ें 12 साल के अंतराल के बाद पुनर्जीवित हुई हैं, जो दर्शकों का ध्यान का केंद्र बनी। स्टेडियम में बैठे दर्शकों/लोगों ने जोरदार जयकारों की गूंज के साथ पारंपरिक बैलगाड़ी दौड़ों का स्वागत किया। दर्शकों ने न केवल बैलगाड़ी दौड़ों का उत्साह से समर्थन किया बल्कि पारंपरिक खेलों और एथलेटिक मुकाबलों की एक जीवंत श्रृंखला का भी समर्थन किया। जिसमें हॉकी मैच, कबड्डी मुकाबले, शॉट पुट थ्रो, 100 मीटर स्प्रिंट, टग ऑफ वॉर मुकाबले, लंबी छलांग के मुकाबले, बाजीगर शो और कई अन्य ग्रामीण एथलेटिक खेल शामिल थे।

खेल मैदान परिवारों, किसानों, युवा समूहों, राज्य और बाहर के दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था, जिससे एकता, उत्साह और भाईचारे की भावना का एक अलग ही माहौल पैदा हुआ। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने उत्साही दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि बैलगाड़ी दौड़ें फिर से शुरू होना एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुई है। यह उपलब्धि पंजाब पशु क्रूरता निवारण (पंजाब संशोधन) अधिनियम, 2025 में दर्ज सोच-समझकर किए गए विधायी सुधारों और पशुओं की भलाई एवं सुरक्षा के माध्यम से संभव हुई। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस पारंपरिक खेल की वापसी न केवल पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखती है बल्कि युवा पीढ़ी में पारंपरिक ग्रामीण खेलों के लिए नया उत्साह भी जगाती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये खेल युवाओं को खेल के मैदानों की ओर वापस खींचेंगे और उन्हें नशों तथा अत्यधिक मोबाइल उपयोग से दूर रखेंगे। उन्होंने इन खेलों से लोगों के गहरे भावनात्मक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि ये खेल पंजाब की संस्कृति, विरासत को जीवंत और बनाए रखने में सहायता करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम युवाओं को इन परंपराओं से फिर से जोड़ें, खासकर ऐसे समय में जब रील संस्कृति और डिजिटल भटकाव ने उन्हें असली पंजाबी जड़ों से दूर कर दिया है।

एआई समिट पर राहुल गांधी सिर्फ डर और सनसनी फैला रहे हैं : शाजिया इल्मी

एजेंसी
नई दिल्ली। भाजपा नेता शाजिया इल्मी ने एआई समिट पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक बार फिर बिना किसी फैक्ट या बिना किसी समझ के सिर्फ और सिर्फ डर और सनसनी फैला रहे हैं। यह कहना कि डेटा बेचा जा रहा है, कैसा बयान है। बहुत सीधे तरीके से, वह देश के इंस्टीट्यूशन्स, देश के फ्यूचर, देश की इकॉनमी और इसके कानूनों की बेइज्जती कर रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि एक निजी विश्वविद्यालय का हवाला देकर राहुल गांधी एआई समिट को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें पूरे विश्व के लीडर आए हैं। जो निवेश, तकनीक का मंच है, उसे डेटा मंडी कह रहे हैं। भारत दुनिया का डिजिटल लीडर है। यूपीआई, आधार सहित अन्य प्लेटफॉर्म देखिए। डेटा सिक्योरिटी के लिए सख्त साइबर प्रोटोकॉल है। मुझे समझ में नहीं आता है कि राहुल गांधी क्या कह रहे हैं। राहुल गांधी को लेकर टीएमसी नेता के बयान पर भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी एक मजाक बन गए हैं, और खुलेआम उनकी लीडरशिप पर सवाल उठाए जा रहे हैं। जहां तक ममता बनर्जी और एमके स्टालिन की बात है, उनके नाम भी सामने आ रहे हैं। बंगाल में कांग्रेस बनाम टीएमसी हो चुका है। तमिलनाडु में भी डीएमके अलग चलेगा। इंडी अलायंस सिर्फ स्वार्थ के लिए था। लोकसभा चुनाव के बाद इंडी गठबंधन ध्वस्त हो गया। महाराष्ट्र सरकार द्वारा मुसलमानों के 5 प्रतिशत आरक्षण को खत्म करने पर भाजपा नेता ने कहा कि हमारे देश में धर्म के आधार पर आरक्षण असंवैधानिक है। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को आरक्षण दिया जाता है। केरल स्टोरी-2 को लेकर हो रहे विवाद पर शाजिया इल्मी ने कहा कि मुझे समझ नहीं आता।

गलगोटिया विश्वविद्यालय ने माफी मांगी, कहा- अति उत्साह में प्रतिनिधि ने दी गलत जानकारी

नई दिल्ली। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में 'रोबोटिक डॉग' विवाद में फंसने के बाद गलगोटिया विश्वविद्यालय ने पूरे मामले से पल्ला झाड़ते हुए अपने प्रतिनिधि पर सारा ठीकरा फोड़ दिया है। विश्वविद्यालय ने पारदर्शिता के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए इस घटना के लिए माफी भी मांगी है। साथ ही कहा कि आयोजकों की भावनाओं का आदर करते हुए हमने भारत मंडपम में मिला स्थान भी खाली कर दिया है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. एनके गौर ने एक बयान में कहा कि एक संस्थान के तौर पर गलत दावा करना हमारी कोई मंशा नहीं थी। हम पूरी तरह से शैक्षणिक पारदर्शिता और जिम्मेदारी से अपने काम का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की एक प्रतिनिधि ने पवेलियन में गलत जानकारी थी। उसे प्रोडक्ट के तकनीकी उद्भव की जानकारी नहीं थी। अति उत्साह में उसने कैमरे के समक्ष इस तरह के दावे कर दिए जो की तथ्यात्मक रूप से गलत थे।

विभाग में भ्रष्टाचार कतई बरदाश्त नहीं किया जाएगा : डॉ. समित शर्मा

एजेंसी
जयपुर। शासन सचिव पशुपालन, मत्स्य, डेयरी एवं गोपालन डॉ. समित शर्मा की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में पशुपालन निदेशक तथा आरएलडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुरेश मीना, पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. प्रवीण सेन, डॉ. विकास शर्मा, डॉ. ओमप्रकाश बुनकर, डॉ. लक्ष्मण राव तथा डॉ. हेमंत पंत सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। संभागों से अतिरिक्त निदेशक, जिलों से संयुक्त निदेशक सहित अन्य पशु चिकित्साधिकारी बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, बजट उपयोग, लंबित प्रकरणों के निस्तारण तथा फील्ड स्तर पर सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए शासन सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व और पशुपालन मंत्री श्री जोराराम कुमावत के मार्गदर्शन में सरकार पशुपालकों और पशुओं के कल्याण के लिए सतत क्रियाशील है। डॉ. शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र पशुपालकों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि विभाग की प्राथमिकता पशुपालकों की आय में वृद्धि, पशुधन स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण तथा नवाचार आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना है। बैठक में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, मोबाइल वेटरनरी यूनिट, सेक्स सॉर्टेड सीमन तथा अन्य प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए शासन सचिव ने प्रगति की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा फील्ड विजिट के माध्यम से वास्तविक स्थिति का आकलन सुनिश्चित किया जाए। शासन सचिव ने राज्य सरकार की बजट घोषणा के अंतर्गत सेक्स सॉर्टेड सीमन की प्रगति की जिलेवार समीक्षा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना तथा सेक्स सॉर्टेड समीन योजना दोनों बजट घोषणा के कार्य हैं और मुख्यमंत्री विषेष रूप से इन पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कुछ जिलों की अत्यंत धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए योजना के प्रभावी पर्यवेक्षण पर बल दिया जिससे सेक्स सॉटेड सीमन का शत प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित हो। उन्होंने कार्य में गति लाने के लिए संस्थावार और तकनीकी कार्मिकवार लक्ष्य निर्धारित कर नियमित समीक्षा करने पर जोर देते हुए कमजोर प्रगति वाली संस्थाओं और कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने अच्छा काम करने वाले जिलों की प्रशंसा भी की। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और विभाग के सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए कहा कि सरकार मोबाइल वेटरनरी यूनिट के प्रभावी और सुचारू संचालन के प्रति बहुत गंभीर है।

सैनिक विकलांगता पेंशन पर कर लगाना अनुचित: कांग्रेस

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार द्वारा सशस्त्र बलों के कर्मियों की विकलांगता पेंशन पर कर लगाने के फैसले का कड़ा विरोध किया है। कांग्रेस ने कहा कि अगर सरकार ने 28 फरवरी तक यह फैसला वापस नहीं लिया तो एक मार्च को पार्टी कार्यकर्ता जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करेंगे।कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के प्रमुख कर्नल रोहित चौधरी (सेवानिवृत्त) ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि देश में करीब 2 लाख विकलांग सैनिक हैं, जबकि 50 लाख के आसपास सर्विंग और पूर्व सैनिक तथा युद्ध विधवाएं हैं। यानी लगभग 58 लाख लोगों का अपमान किया जा रहा है। अगर सरकार ने 28 फरवरी तक यह फैसला वापस नहीं लिया तो कांग्रेस एक मार्च को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करेगी।चौधरी ने कहा कि सैनिकों की विकलांगता पेंशन पर कर लगाना अनुचित है। सेना किसी भी देश की अंतिम उम्मीद होती है और ऐसे में सैनिकों के साथ इस तरह का व्यवहार सही नहीं है। क्या सरकार सैनिकों का बजट घटाकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करना चाहती है।उन्होंने कहा कि 1922 एवं 1961 के आयकर अधिनियम

में युद्ध में घायल और सेवा के दौरान विकलांग हुए सैनिकों को कर से छूट दी गई थी, लेकिन अब सरकार ने नया प्रावधान किया है कि केवल युद्ध में घायल होकर सेवा से बाहर हुए सैनिकों की पेंशन कर मुक्त होगी, जबकि चोट के बावजूद सेवा पूरी करने वाले सैनिकों की पेंशन पर कर लगाना उनका अपमान है।कर्नल चौधरी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने 2023 में स्पष्ट किया था कि विकलांगता पेंशन को कर के दायरे में नहीं लाया जा सकता। अगर सरकार 28 फरवरी तक फैसला वापस नहीं लेती तो एक मार्च को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है 1922 के प्रावधान की तरह ही 2023 की नई नीति को सही किया जाए और विकलांगता पेंशन में किसी तरह का वर्गीकरण न किया जाए।उल्लेखनीय है कि बजट 2026 में यह प्रावधान किया गया कि केवल वे सैनिक, जिन्हें सेवा के दौरान या सेवा की वजह से बढ़ी हुई विकलांगता के कारण सेना से बाहर किया गया है, उनकी पेंशन आयकर से मुक्त होगी। जो सैनिक विकलांगता के साथ पूरी सेवा कर सेवानिवृत्त होते हैं, उन्हें इस छूट से बाहर रखा गया है। विकलांगता पेंशन दो हिस्सों में होती है। पहला सेवा तत्व और मेडिकल बोर्ड द्वारा तय विकलांगता प्रतिशत के आधार पर मिलने वाला हिस्सा। अब तक इस पेंशन पर कर से छूट मिलती रही है। 1922 से ही आयकर अधिनियम में यह छूट दी गई थी और 2001 में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने परिपत्र जारी कर इसकी पुष्टि भी की थी। हालांकि 2019 में आयकर विभाग ने एक परिपत्र जारी कर छूट वापस लेने की कोशिश की थी, जिस पर 2021 में उच्चतम न्यायालय ने रोक लगा दी थी।

भाजपा अध्यक्ष ने असम विस चुनाव में हर बूथ पर 50 प्रतिशत वोट हासिल करने का लक्ष्य तय किया

एजेंसी
डिब्रूगढ़ (असम)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने असम में पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में हर बूथ पर कम से कम 50 प्रतिशत वोट हासिल करने का लक्ष्य तय किया। दो दिवसीय असम प्रवास की शुरुआत में डिब्रूगढ़ में 'पन्ना प्रमुख सम्मेलन' में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर की सक्रियता बढ़ाने और सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि पार्टी प्रत्येक मतदान केंद्र पर 50 प्रतिशत वोट शेयर का आंकड़ा पार करे। कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टी के पास राज्य को शासित करने की नीति, इरादा और क्षमता नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वोटबैंक की राजनीति के लिए असम का इस्तेमाल किया। भाजपा के पास नीति, इरादा और क्षमता है और हम लोगों के साथ काम कर रहे हैं। नवीन ने अवैध आव्रजन के खिलाफ राज्य सरकार की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहते कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को निष्कासित करने का उद्देश्य असम के लोगों के अधिकारों की रक्षा करना है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा का आभार व्यक्त किया, जिन्हें उन्होंने राज्य की मूल स्थानीय आबादी के हितों की रक्षा करने वाला बताया। असम में अवैध घुसपैठ के खिलाफ चल रहे अभियान के राजनीतिक प्रभाव राज्य के बाहर भी महसूस होने का दावा करते हुए नवीन ने कहा कि इसका असर पश्चिम बंगाल और केरल में भी देखा जा रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, बी पांडा, सांसद कामाख्या प्रसाद तासा के साथ ही अन्य कई वरिष्ठ नेता, विधायक समेत भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे। इससे पहले दो दिवसीय यात्रा कार्यक्रम के तहत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आज दोपहर बाद डिब्रूगढ़ पहुंचे। भाजपा अध्यक्ष का हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया। हवाई अड्डे से उन्हें पुष्प-सजित वाहन के जरिए सभास्थल मानकटा खेल मैदान ले जाया गया। खेल मैदान में पार्टी के स्थानीय नेताओं के सम्मेलन में हिस्सा लेते हुए डिब्रूगढ़ जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों के 23,000 पन्ना प्रमुखों के साथ विचार-विमर्श किया।

टी20 विश्वकप: जिम्बाब्वे की दूसरी बड़ी जीत, ऑस्ट्रेलिया के बाद अब श्रीलंका को हराया

कोलंबो (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने ब्रायन बेनेट के नाबाद अर्धशतक की बदौलत आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मुकाबले में श्रीलंका को 6 विकेट हराकर दूसरी बड़ी जीत दर्ज की है। इससे पहले जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। जिम्बाब्वे के स्पिनरों के खिलाफ धीमी पिच पर बीच के ओवरों में श्रीलंका के बल्लेबाजों को परेशानी आई लेकिन टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मुकाबले में बृहस्पतिवार को मेजबान टीम ने 7 विकेट पर 178 रन बनाए। इसके जवाब में जिम्बाब्वे ने सधी हुई बल्लेबाजी करते हुए सिकंदर रजा के नेतृत्व में जीत हासिल की।

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरूआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा (22) और पाथुम निसांका (62) ने 4.5 ओवर में 54 रन बनाए। बाएं हाथ के बल्लेबाज परेरा सहज नहीं दिखे लेकिन तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को उन्होंने दो चौके लगाए। वह हालांकि मुजरबानी के बाउंसर पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में शॉर्ट फाइन लेग पर ग्रीम क्रेमर को कैच दे बैठे। श्रीलंका के बल्लेबाजों ने पावरप्ले में एक विकेट पर 61 रन बना लिए थे लेकिन इसके बाद रनगति धीमी पड़ गई।

जिम्बाब्वे के स्पिनरों सिकंदर रजा, क्रेमर, रियान बर्ल और वेलिंगटन मसाकाजा ने मेजबान बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। अगले चार ओवरों में सिर्फ 21 रन बने। इस बीच कुसल मेंडिस का विकेट भी गिरा जो 20 गेंदों में 14 रन ही बना सके। वहीं पिछले मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक बनाने वाले निसांका ने 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। वह क्रेमर की गेंद पर रिवर्स स्वीप लगाने के प्रयास में टोनी मुनिनोगा को कैच दे बैठे। पवन रत्नायके ने 25 गेंद में 44 रन बनाये और ब्राड इवांस को 19वें ओवर में दो चौके और एक छक्का जड़कर श्रीलंका को 150 रन के पार पहुंचाया। आखिरी दो ओवरों में 30 रन बने।

टी20 विश्वकप: जिम्बाब्वे से हार के बाद श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका का पहला बयान आया सामने

कोलंबो (एजेंसी)। टी20 विश्व कप मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ हार के बाद श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने कहा कि हमने जो स्कोर बनाया वह डिफेंड करने के लिए काफी अच्छा था। ब्रायन बेनेट के अर्धशतक और कप्तान सिकंदर रजा की 45 रन की पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराकर अपराजेय रहते हुए ग्रुप की शीर्ष टीम के रूप में टी20 विश्व कप के सुपर आठ में प्रवेश किया। कठिन पिच पर जीत के लिए 179 रन के लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 182 रन बनाए। बेनेट 48 गेंद में 63 और रजा 26 गेंद में 45 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों टीमें ग्रुप बी से सुपर आठ में पहुंच चुकी है और लीग चरण में आस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे के प्रदर्शन ने सभी को चौंका दिया है।

श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने कहा, 'हमारी शुरुआत काफी अच्छी रही और सच कहूं तो, मुझे लगता है कि हमने जो स्कोर बनाया वह डिफेंड करने के लिए काफी अच्छा था। (मैच में) कुछ जगहें ऐसी थीं जहां हम थोड़ा और बेहतर कर सकते थे, लेकिन कुल मिलाकर मैं आज का स्कोर यही मानूंगा। मैं पथुम (निसांका) और पवन (रत्नायक) के खेलने के तरीके से बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि इस पिच पर (बैटिंग के हिसाब से) यह एक अच्छा टोटल था। प्लान हमेशा की तरह सिंपल था (बॉल से)। शुरुआत में विकेट लेना। बदकिस्मती से हम बॉल से वैसी शुरुआत नहीं कर पाए। नए खिलाड़ियों के आने से थोड़ी मुश्किल होती है, उन्हें भी सेट होने के लिए कुछ समय चाहिए। लेकिन कोई बहाना नहीं। हम थोड़ा और बेहतर कर सकते थे।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरे कुछ फैसले थोड़े गैंबल जैसे भी थे। यह उन दिनों में से एक था जहां हम बॉल से बेहतर कर सकते थे, लेकिन फिर से, कोई बहाना नहीं। क्वालिफिकेशन हमेशा अच्छा होता है, लेकिन हम जो भी मैच खेलते हैं, हम देश के लिए अच्छा करना चाहते हैं। हां, हमने आज चमीरा को आराम दिया, लेकिन जैसा मैंने कहा, कोई बहाना नहीं। हमने तीनों डिपार्टमेंट में ठीक-ठाक प्रदर्शन किया, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि हम और बेहतर कर सकते थे। मुझे लगता है कि हमें मैदान पर और ज्यादा कॉन्फिडेंट होने की जरूरत है। आज हममें इसी की कमी थी। उम्मीद है कि अगली बार जब हम मैदान पर उतरेंगे तो बेहतर एटीट्यूड के साथ वापस आएंगे।'

टी20 विश्व कप : होप और जोसेफ के अच्छे प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने इटली को 42 रनों से हराया

कोलकाता (एजेंसी)। कप्तान शाई होप और तेज गेंदबाज शामार जोसेफ के अच्छे प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के अपने अंतिम लीग मुकाबले में इटली को 42 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम ग्रुप सी में नंबर एक पर बनी हुई है। वेस्टइंडीज ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए होप के 46 75 रनों की सहायता से 20 ओवरों में छह विकेट पर 165 रन बनाये। आज के खेल का आकर्षण होप की पारी रही। होप ने तेजी से खेलते हुए 28 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया पर अन्य बल्लेबाजों का उन्हें साथ नहीं मिला, इस कारण टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से शामार जोसेफ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। इसके इसके अलावा चार कैच भी पकड़े। वहीं इस मैच के साथ ही इटली का अभियान इस टूर्नामेंट में समाप्त हो गया है। इस मैच में बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसन नहीं था। रोस्टन चेज 25 गेंद पर 24, शेरफेन रदरफोर्ड 15 गेंद पर नाबाद 24 रन और मैथ्यू फोर्डे आठ गेंद पर नाबाद 16 रन ही बना पाये। इटली के गेंदबाजों ने इंडीज बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। बेन मनेंटी और और कृशान कालुगामगे ने दो-दो विकेट लेकर बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। केव ग्रांट स्टीवर्ट के ही एक ओवर में 19 रन बने। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह पावर प्ले में तीन विकेट पर 37 रन ही बना पायी। एंथनी मोस्का ने 19 रन बनाये। वहीं उनके भाई जस्टिन मोस्का 02 रन ही बना पाये। सैयद नकवी भी 6 रन ही बना पाये। जेजे स्मट्स ने 27 गेंद में 24 रन जबकि कप्तान हैरी मैनेंटी ने 8 रन बनाये। इटली की आधी टीम 78 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद बेन मैनेंटी ने इटली को 100 रनों तक पहुंचाया। वहीं ग्रांट स्टीवर्ट 12 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे टी20 में भारतीय टीम को हराया

1-1 से सीरीज बराबरी पर पहुंची

कैनबरा (एजेंसी)। मेजबान ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे टी20 मैच में भारतीय टीम को 19 रनों से हराकर तीन मैच की सीरीज में 1-1 से वापसी की है। ऑस्ट्रेलिय ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जॉर्जिया वोल के अर्धशतक 88 रनों और बेथ मूनी के 46 रनों की सहायता से 5 विकेट पर 163 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नौ विकेट पर 144 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय बल्लेबाजी ढ़ह गयी। कप्तान हरमनप्रीत कौर 36, स्मृति मंधाना 31 और शेफाली वर्मा 29 के अलावा अन्य बल्लेबाज असफल रहीं।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से एश्ले गार्डनर ने 22 रन देकर तीन विकेट जबकि किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिनू ने दो-दो विकेट लिए। । भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी और उसने नौवें ओवर में एक विकेट पर 65 रन बना लिए थे पर इसके बाद टीम ने अंत में सात रन के अंदर ही छह विकेट खो दिये। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पावरप्ले में ही 54 रन बना लिए थे पर इसके बाद शेफाली के आउट होने से बल्लेबाजी ढ़हनी शुरु हो गयी। जेमिमा रोड्रिग्स भी 4 रन ही बना पायी। मंधाना के रूप में तीसरा विकेट गिरा। भारतीय टीम ने तीन विकेट पर 71 रन बना लिए थे। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत और ऋचा घोष 19 ने चौथे विकेट के लिए 55 रन बनाये। बाद में तेजी से रन बनाने के प्रयास में विकेट एक के बाद एक गिरते गये। हरमनप्रीत को 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर गार्थ ने पेवेलियन भेजा। इसके बाद ऋचा भी गार्डनर की गेंद पर स्टंप आउट हो गईं। 18वें ओवर में गार्डनर ने दीप्ति शर्मा को सदरलैंड के हाथों कैच कराया। इसके बाद भारतीय पारी सिमट गयी।

हरमनप्रीत सबसे अधिक अंतराष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर बनीं, न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स का रिकार्ड टूटा

कैनबरा । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां दूसरे टी20 क्रिकेट मैच के लिए मैदान में उतरते ही एक रिकार्ड बना दिया है । अब हरमनप्रीत महिला क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। हरमनप्रीत ने यहां मैदान पर उतरने के साथ ही अपना 356 वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला और वह न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सूजी बेट्स से आगे निकल गयी हैं ।। बेट्स ने 355 मैच खेले हैं । वहीं सबसे अधिक मैच खेलने के मामले में तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की एलिसे पेरी हैं । पेरी के नाम पर 349 मैच हैं । वहीं भारतीय टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने 333 मैच खेले हैं, जबकि शार्लोट एडवर्ड्स ने इंग्लैंड के लिए 309 मैच खेले हैं । महिला क्रिकेट में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ियों में न्यूजीलैंड सोफी डिवाइन के नाम 305, इंग्लैंड की हीथर नाइट के नाम 303 और डैनी व्याट-हॉज के नाम 302 मैच हैं । हरमनप्रीत ने अपने क्रिकेट करियर में अब तक छह टेस्ट, 161 एकदिवसीय और 189 टी20 मैच खेले हैं । छह टेस्ट मैचों में उनके नाम 200 रन जबकि एकदिवसीय में 4,409 और टी20 मैचों में 3,784 रन हैं । हरमनप्रीत ने सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि उनका लक्ष्य के लिए आगे भी अच्छा प्रदर्शन करना रहेगा ।

बांग्लादेश के नये खेलमंत्री अमीनुल बोले, भारत और बीसीसीआई से बेहतर संबंध चाहते हैं

ढाका । बांग्लादेश सरकार के नये खेल मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि वह भारत के साथ ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से भी बेहतर बनाना चाहता है । खेल मंत्री की शपथ लेने के बाद हक ने कहा कि वह बीसीसीआई से संबंधों को फिर से पहले की तरह बनाना चाहते हैं । साथ ही कहा कि हाल में कुछ मामलों को लेकर दोनो ही देशों के बीच दूरियां बढ़ी हैं । उन्होंने कहा, शपथ लेने के बाद मैंने भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर से मुकाकात कर उनसे टी20 विश्व कप में भाग नहीं लेने के बाद के हालातों पर भी बात की जो सकारात्मक रही । मैंने उनसे कहा कि हम इस मामले को बातचीत से हल करना चाहते हैं । हम सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं । हक ने कहा, खेल के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी हम भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं । कुछ बाधाओं के कारण, हम टी20 विश्व कप नहीं खेल सके । बातचीत के दौरान इस प्रकार के मामलों को हाल किया जाता तो आज हमारी टीम भी विश्वकप में खेल रही होती । गौरतलब है कि बांग्लादेश की पिछली सरकार ने सुरक्षा कारणों से भारत में टीम भेजने से इंकार करते हुए कहा था कि उनके मैच श्रीलंका में रखे जाएं पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बोर्ड (आईसीसी) ने ये प्रस्ताव ठुकरा दिया था । जिसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी सरकार से बात करने के बाद खेल से बाहर होने का फैसला किया था ।

सुपर-8 मुकाबलों के लिए करने होंगे सुधार : सूर्यकुमार

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम को नीदरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप क्रिकेट के अपने अंतिम मुकाबले में 17 रनों से जीत मिली पर कप्तान सूर्यकुमार यादव इससे संतुष्ट नहीं हैं । सूर्यकुमार का कहना है कि सुपर-8 से पहले सब कुछ सही है ये नहीं कहा जा सकता । टीम को अभी कुछ सुधार भी करने हैं । इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट खोकर 193 रन बनाए । वहीं इसके बाद एसोसिएट डच टीम ने भी सात विकेट पर 176 रन बनाये । इसी को देखते हुए कप्तान ने कहा कि जीत में भी सीख मिलती है, हमें और कसी गेंदबाजी करनी चाहिये थी । उन्होंने कहा कि पूरी तरह गेंदबाजों को भी दोष नहीं दिया जा सकता है क्योंकि ओसा काफी अधिक थी । जिससे भी गेंदबाजों को परेशानी हुई । उन्होंने सुपर आठ को लेकर कहा, 'शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है पर सभी बल्लेबाजों के लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनकी जिम्मेदारी क्या है और बीच के ओवरों में विकेट कैसा बर्ताव कर सकता है । इसके बाद हमारे पास ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल या वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ी हैं, जो मैच को अच्छी तरह समाप्त कर सकते हैं ।' सुपर-8 को लेकर पूछे एक सवाल पर उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं कह सकते कि सब कुछ पूरी तरह से सही था । जीत में भी कई प्रकार की सीख मिलती है और हमने कुछ चीजें सीखी हैं । अब हम आगे के मैचों को लेकर विचार-विमर्श करेंगे ।'

'शिवम दुबे को बॉलिंग करना बहुत मुश्किल है', दिग्गज खिलाड़ी ने की भारतीय ऑलराउंडर की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवम दुबे के बल्ले और गेंद दोनों से ऑल-राउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने अहमदाबाद में नीदरलैंड्स को 17 रन से हराकर आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ए में टॉप कर रहे। स्टार स्पोर्ट्स के 'क्रिकेट लाइव' प्रोग्राम में बोलते हुए जियोस्टार एक्सपर्ट सुनील गावस्कर ने दुबे के बेहतर शॉट सिलेक्शन, वरुण चक्रवर्ती के अहम स्पेल की तारीफ की और टूर्नामेंट में अभिषेक शर्मा के खराब फॉर्म पर अपने विचार शेयर किए।

गावस्कर ने उस एक शॉट की ओर इशारा किया जो शिवम दुबे के खेल को दूसरे लेवल पर ले जा सकता है। उन्होंने कहा, 'शिवम दुबे को बॉलिंग करना बहुत मुश्किल है क्योंकि उनके पास कई तरह के शॉट हैं। आप ऑफ स्टंप के बाहर बॉलिंग कर सकते हैं, लेकिन उनमें लॉन्ग ऑन के ऊपर से हिट करने की पावर भी है। वह सिर्फ मिड-विकेट और स्क्वायर-लेग के ऊपर से हिट करने की कोशिश नहीं करते। वह लॉन्ग ऑफ को भी क्लियर कर सकते हैं। अगर वह एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से इनसाइड-आउट शॉट डेवलप करने पर कड़ी मेहनत करते हैं, तो वह सच में एक खतरनाक बैट्समैन बन जाएंगे।'

उन्होंने कहा, 'फिर वह बॉल को ग्राउंड के किसी भी हिस्से में हिट कर सकते हैं। जिस तरह से शिवम दुबे हर इनिंग के साथ मैच्योर हो रहे हैं, वह इंडिया के लिए बहुत अच्छी खबर है।' मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के शानदार रन पर उन्होंने कहा, 'वरुण चक्रवर्ती के चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट लेना कमाल का है। जब आप विकेट लेते हैं, तो आप विरोधी टीम के रन भी छीन लेते हैं। साफ है, वरुण आपके की बॉलर होंगे। इंडिया काफी हद तक वरुण के 4 ओवर पर डिपेंड करेगा। सुपर 8 स्टेज में विरोधी टीम उनका मुकाबला कैसे करती है, यह देखना बहुत इंटरेस्टिंग होगा।'

सबसे छोटे फॉर्मेट के नंबर 1 बैटर अभिषेक शर्मा अभी तक टूर्नामेंट में अपना खाता नहीं खोल पाए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट की तीन इनिंग्स में एक भी रन नहीं बनाया है। अभिषेक शर्मा के स्ट्रगल पर गावस्कर ने कहा, 'अभिषेक शर्मा एक अच्छा लड़का है, लेकिन उम्मीदें उस पर भारी पड़ रही हैं। अगर उसने USA के खिलाफ अच्छी शुरुआत की होती, तो बात अलग होती। अब बड़े छक्के मारने वाला और टॉप बैटर होने का प्रेशर दिख रहा है। अपनी शॉट रेंज के साथ उसे बीच में समय बिताने की जरूरत है। वह अपनी इनिंग्स की पहली बॉल पर बाउंड्री या सिक्स मारने की कोशिश नहीं कर सकता।'

उन्होंने कहा, 'अगर बड़े शॉट लगते हैं, तो ठीक है। लेकिन उसे खुद को लाइन के पार बड़े शॉट खेलने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। एक सिंगल लो और रन बना लो। चार डॉट बॉल भी मायने नहीं रखतीं। वह बाद में उनकी भरपाई कर सकता है। उसे शुरुआत में स्मार्ट खेलने की जरूरत है। एक या दो ओवर जमने में बिताओ, फिर अपना नैचुरल गेम खेलो। पहले, बस रन बनाओ। हर बैटर पहला रन चाहता है। एक बार जब वह इसे बना लेगा, तो सब कुछ ठीक हो जाएगा।'

टी20 विश्वकप से शुरुआत में बाहर होने से ऑस्ट्रेलिया की ओलंपिक दावेदारी को भी झटका

मुम्बई । आईसीसी टी20 विश्वकप से बाहर होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम की लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक की दावेदारी भी कमजोर पड़ी है । ओलंपिक में पुरुषों की टी20 प्रतियोगिता में केवल छह टीमों को ही अवसर मिलेगा । इसमें अंतिम चयन कॉन्टिनेंटल क्वालिफिकेशन सिस्टम व आईसीसी रैंकिंग के आधार पर होगा । विश्व कप से बाहर होने से वह रैंकिंग में न्यूज़ीलैंड से पिछड़ रही है । ऐसे में उसकी जगह कीवी टीम को मिल सकती है । ऐसे ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप स्तर से ही बाहर होने से न्यूजीलैंड नेशनल क्रिकेट टीम की राह आसान हो गयी है । ऐसे में अब अगर कीवी टीम सेमीफाइनल या उससे आगे तक पहुंचती है, तो रैंकिंग में वह ऑस्ट्रेलिया से ऊपर पहुंच जाएगी । इससे उससे ओलंपिक के लिए प्रवेश मिल सकता है । कीवी टीम का आईसीसी इवेंट्स में रिकॉर्ड अच्छा रहा है, वे कई बार नॉकआउट चरण तक पहुंचे हैं जिससे उनकी दावेदारी और मजबूत होती है । ऐसे में यदि रैंकिंग में न्यूज़ीलैंड आगे निकल जाता है, तो कंगारुओं को को अंतिम ओलंपिक स्लॉट के लिए दूसरी रैंक वाली टीमों के साथ अलग क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट खेलना पड़ सकता है जो उसकी प्रतिष्ठा के लिए झटका होगा । इसके अलावा इस क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में अगर वह शीर्ष पर रहती है तो भी उसे ओलंपिक में प्रवेश मिलेगा इसकी गारंटी नहीं रहेगी ।

तीन मैच पॉइंट बचा कर गॉफ क्वार्टर फाइनल में पहुंची

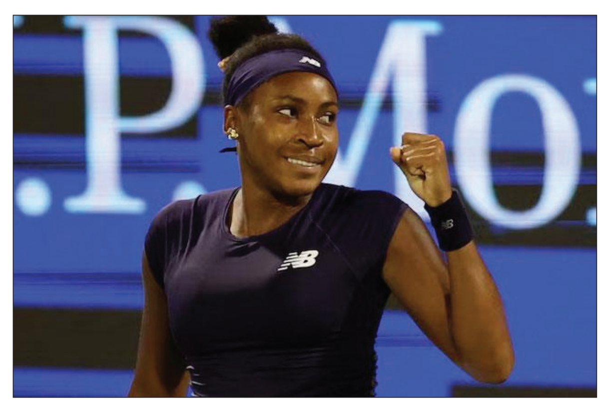

दुबई । कोको गॉफ ने बुधवार रात को तीन मैच पॉइंट बचाए और एलिस मर्टेंस को 2-6, 7-6(9), 6-3 से हराकर दुबई क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं । 2 घंटे और 18 मिनट में मिली इस जीत ने 2021 के बाद पहली बार यह दिखाया कि गॉफ ने टूर-लेवल की जीत में मैच पॉइंट बचाए और बेल्जियम की खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 5-0 कर लिया । गॉफ ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, 'पूरा मैच ऐसा लगा जैसे मेरे हिसाब से नहीं जा रहा है । यह सबसे अच्छा नहीं था, लेकिन मैंने बस इसमें बने रहने की कोशिश की, और मैंने हर पॉइंट के लिए लड़ाई की । मुझे खुशी है कि मैं आज रिजल्ट ला पाई ।' गॉफ 2001 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में चार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं । वह 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से 100 डब्ल्यूटीए 1000 मेन-ड्रॉ जीत हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं । गॉफ का अगला मुकाबला एलेक्जेंड्रा एला से होगा ताकि वह नंबर 101 जीत हासिल कर सकें और अपने दूसरे दुबई सेमीफाइनल में पहुंच सकें । यह [illegible] लेवल पर उनके बीच पहली मुलाकात होगी ।

अभिषेक पर भड़के प्रशंसक, बोले इससे तो अधिक रन सैमसन बना रहे थे

अहमदाबाद । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का खराब दौर समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है । अभिषेक टी20 विश्वकप में अपने तीसरे मैच में भी खाता नहीं खो पाये । इससे प्रशंसक उनपर भड़क गये हैं । प्रशंसकों का कहना है कि संजू सैमसन के भी उनसे अधिक रन हैं । सैमसन को अपनी खराब फार्म के कारण ही अभिषेक की वापसी के बाद बाहर किया किया गया है पर जिस प्रकार से अभिषेक रन बनाने में विफल हुए हैं । उससे ये बदलाव कारगर साबित नहीं हुआ है । प्रशंसकों को उम्मीद थी कि अभिषेक आक्रामक अंदाज में खेलेंगे पर जब तीसरे मुकाबले में भी ऐसा नहीं हुआ तो उनके सब्र का बांध टूट गया । जिस तूफानी बल्लेबाजी की उम्मीद प्रशंसकों को थी । वह अब भी नहीं दिखी । इसके बाद सोशल मीडिया पर अभिषेक की जमकर खिंचाई हुई । प्रशंसकों ने तंज कसा कि इससे तो अधिक रन सैमसन के हैं । वहीं कुछ प्रशंसकों का मानना है कि सुपर-8 के लिए सैमसन को टीम में शामिल किया जाना चाहिये । सैमसन को अभिषेक के बीमार होने के कारण एक मैच में अवसर मिला था । उस मुकाबले में सैमसन ने 22 रन बनाए थे । अभिषेक का यह पहला ही टी20 विव कप है और उनसे इस तरह के प्रदर्शन की प्रशंसकों को उम्मीद नहीं थी । वह पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ विफल रहे । वहीं बीमार होने के कारण नामीबिया के खिलाफ नहीं खेल पाए । पाकिस्तान के खिलाफ उनसे बड़े स्कोर की उम्मीथ थी पर वह असफल रहे । नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भी उनका खाता नहीं हुआ । अब अगर वह सुपर-8 में रन नहीं बनाते तो टीम में उनकी जगह खतरे में आ जाएगी ।

'बहुत शुक्रगुजार हूं', न्यूजीलैंड की लॉरेन डाउन ने संन्यास का किया ऐलान

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर लॉरेन डाउन ने गुरुवार को क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया। 30 साल की बैटर ने 4 मार्च 2018 को लिंकन में वेस्ट इंडीज के खिलाफ वनडे मैच में न्यूजीलैंड के लिए डेब्यू किया था। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने 9 फरवरी 2020 को वेलिंगटन में साउथ अफ्रीका विमेन के खिलाफ अपना टी20आई डेब्यू किया था। उन्होंने अपना आखिरी ODI मैच 23 दिसंबर 2024 को वेलिंगटन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए टी20आई में अपना आखिरी मैच 7 दिसंबर 2022 को क्वीन्सटाउन में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से जारी एक बयान में डाउन ने कहा, 'मुझे व्हाइट फर्न्स ग्रुप का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लगा, और मैं अपने देश को रिप्रेजेंट करने का मौका मिलने के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं। मुझे लड़कियों के साथ रहना याद आएगा, लेकिन अब मैं साइडलाइन से देखने और यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि यह ग्रुप क्या हासिल कर पाता है।' लॉरेन डाउन ने 35 ODI और 31 इनिंग खेलीं जिसमें उन्होंने 62.06 के स्ट्राइक रेट से 486 रन बनाए। दाएं हाथ की बैट्समैन ने तीन हाफ-सेंचुरी लगाईं। टी20आई में 30 साल की इस खिलाड़ी ने 13 मैच और 9 इनिंग में 86.11 के स्ट्राइक रेट से 93 रन बनाए।

डाउन ने कहा, 'मेरे क्रिकेट करियर का एक बड़ा हिस्सा ऑकलैंड सेटअप में रहा है और मैं ऑकलैंड क्रिकेट, अपने कोच और टीम के साथियों को मेरे सफर में उनके रोल के लिए जितना धन्यवाद दूं कम है।' डाउन पांच सफल हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड कैंपेन का हिस्सा थीं जिसमें उन्होंने ऑकलैंड हाट्र्स को 2011-12, 2014-15, 2015-16, 2017-18 और हाल ही में 2019-20 में महिलाओं का 50 ओवर का टाइटल जीतने में मदद की, जहां उन्होंने हैमिल्टन के सेडन पार्क में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स को 67 रन से हराने में मदद करने के लिए ग्रैंड फाइनल में 90 रन बनाए।

डाउन ने अपने करियर का अंत हाट्र्स की तीसरी सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाली (1,496 रन) और चौथी सबसे ज्यादा लिस्ट् रन बनाने वाली (2,690 रन) खिलाड़ी के तौर पर भी किया और एक ऑलराउंडर के तौर पर अपने शुरुआती दिनों में 41 विकेट लिए। अंगूठे की चोट की वजह से डाउन न्यूजीलैंड में 2022 ICC विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप में नहीं खेल पाईं और उसी साल बाद में बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी नहीं खेल पाईं, लेकिन सितंबर 2022 में वेस्ट इंडीज टूर के लिए टीम में वापस आ गईं और साउथ अफ्रीका में 2023 आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए बेन सॉयर की टीम में शामिल हो गईं।

डाउन ने अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए 2023-24 सीजन के लिए व्हाइट फर्न्स के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर निकलने का ऑप्शन चुना, फिर 2024-25 लिस्ट में वापस आ गईं और 2024 में इंग्लैंड और भारत के टूर पर शामिल हुईं। उन्होंने पिछली गर्मियों में सेलो बेसिन रिजर्व में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे ODI में व्हाइट फर्न्स को आखिरी बार रिप्रेजेंट किया।

अनिल कपूर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर का पद ठुकराया?

अनिल कपूर की फिल्म 'नायक' साल 2001 में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी को दर्शकों ने काफी सराहा था। फिल्म में अनिल कपूर एक पत्रकार की भूमिका में थे, जिसे एक दिन का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिलता है।असल जिंदगी में भी अनिल कपूर को एक खास पद पर काम करने का मौका मिला था, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया।

यूएन का ऑफर ठुकराया?

हाल ही बातचीत में अनिल कपूर कहते हैं, 'जब मुझे डैनी बॉयल की फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर(2008)' के कारण इंटरनेशनल लेवल पर पॉपुलैरिटी मिली तो यूएन की तरफ से एक सिंबॉलिक पोजिशन पर काम करने का ऑफर आया। लेकिन मैं इसे एक फोटो खींचवाने वाली जॉब की तरह नहीं करना चाहता था। मैं नहीं चाहता था कि लोग चार फोटो लें और मैं कुछ काम ना करूं। वैसे भी मेरी इतनी सारी प्रायोरिटीज हैं कि मुझे नहीं लगता कि यूएन वाला काम कर पाता। मैं बिना दिखावा किए सिर्फ वही काम करता हूं, जो मैं कर सकता हूं। मुझसे कहीं बेहतर लोग हैं जो राज्यसभा और लोकसभा में होने के लायक हैं।'

ओटीटी पर आएगी अनिल की 'सूबेदार'

हाल ही में अनिल कपूर की फिल्म 'सूबेदार' का टीजर रिलीज हुआ। यह 5 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म की कास्ट और कहानी के बारे में अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल फैंस अनिल कपूर को नए अवतार में देखने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनिल कपूर के खाते में कई फिल्में शामिल हैं। 'सूबेदार' के अलावा उनकी आगामी फिल्मों और सीरीज में 'अल्फा', 'किंग' और 'फैमिली बिजनेस' शामिल हैं। इसके अलावा उनके 'नायक 2' बनाने की भी चर्चाएं हैं। हाल ही में अनिल कपूर अपनी बेटी सोनम कपूर के बेबी शॉवर में नजर आए थे।

डेस्टिनेशन वेडिंग नहीं, इस थीम पर कृतिका कामरा और गौरव कपूर करेंगे शादी

क्रिकेट होस्ट गौरव कपूर औ कृतिका कामरा जल्द ही शादी करने वाले हैं। दोनों की शादी की खबरें बीते दिनों से सुर्खियों में थी। अब खबर है कि जल्द ही गौरव और कृतिका शादी करने वाले हैं। साथ ही दोनों ने शेयर भी किया है कि वे कैसी शादी करना चाहते हैं।

सादगी भरी होगी शादी

कृतिका कामरा और गौरव कपूर मार्च में अपने जीवन में नई शुरुआत करने वाले हैं। लेकिन उन्होंने बड़ी और आलीशान डेस्टिनेशन वेडिंग की जगह एक मॉडर्न और मिनिमलिस्ट शादी करने का फैसला किया है। दोनों अपनी शादी की तैयारियों में खुद पूरी तरह शामिल हैं। हर छोटी-बड़ी चीज को सोच-समझकर प्लान किया जा रहा है। उनका मकसद दिखावे से दूर रहकर एक सादगी भरी शादी करना है।

मुंबई में होगी शादी

कृतिका और गौरव अपनी सादगी भरी सोच के लिए जाने जाते हैं। वे चाहते हैं कि उनकी शादी उनके असली व्यतित्व को दिखाए। मॉडर्न और एलिगेंट अंदाज को अपनाने का फैसला उन्होंने किसी ट्रेंड की वजह से नहीं, बल्कि अपनी पसंद और सोच के मुताबिक लिया है। कपल के एक करीबी सूत्र ने बताया, 'कृतिका और गौरव के लिए शादी का मतलब बड़ा आयोजन नहीं, बल्कि उसकी अहमियत है। उन्होंने डेस्टिनेशन वेडिंग छोड़कर मुंबई में एक सादी, मॉडर्न और इंटिमेट शादी करने का फैसला किया है। वे चाहते हैं कि यह जश्न उनकी पर्सनालिटी के हिसाब से हो। शादी के लिए हर डिटेल पर खास ध्यान दिया जा रहा है। सजावट से लेकर स्टाइलिंग तक, सब कुछ उनकी पसंद और पर्सनालिटी को दर्शाएगा।' जानकारी के मुताबिक, शादी का माहौल बेहद एनर्जी भरा और अपनापन लिए होगा। सजावट और पूरे सेटअप सादगी से भरा होगा, ताकि पूरे कार्यक्रम में अपनापन महसूस हो।

300 करोड़ है रणवीर सिंह की 'प्रलय' का बजट

रणवीर सिंह ने अपनी हालिया फिल्म 'धुरंधर' से बहुत बड़ी कामयाबी हासिल की है। यह जासूसी थ्रिलर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही और कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। अब रणवीर सिंह अपनी अगली फिल्म 'प्रलय' को लेकर काफी उत्साहित हैं। यह एक जॉम्बी ड्रामा फिल्म है, जो उनके करियर की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है, जिसका बजट करोड़ों में है।

क्या है प्रलय का बजट?

एक खबर के अनुसार, इस फिल्म का बजट लगभग 300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। यह रणवीर सिंह की अब तक की सबसे महंगी सोलो फिल्म हो सकती है। इसमें स्क्रिप्ट से लेकर वीएफएक्स (विजुअल इफेक्ट्स) तक हर चीज में शामिल है। उन्होंने बैकएंड प्रॉफिट-शेयरिंग डील भी की है।

किस पर आधारित होगी फिल्म 'प्रलय'

फिल्म का निर्देशन हंसल मेहता के बेटे जय मेहता कर रहे हैं। कहानी कोविड-19 महामारी की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें पोस्ट-एपोकैलिप्टिक दुनिया, जॉम्बी थ्रिलर, बड़े एक्शन और परिवार की भावनात्मक कहानी होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ मुख्य अभिनेत्री के रोल में कल्याणी प्रियदर्शन नजर आ सकती हैं, लेकिन अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग मई या जून 2026 में शुरू होने की उम्मीद है।

'धुरंधर 2' में नजर आएंगे रणवीर

रणवीर की 'धुरंधर 2' जल्द ही सिनेमाघरों में आने वाली है। यह 19 मार्च को रिलीज होगी, जिसमें पहले हिस्से के कलाकार वापस आएंगे और यह और भी बड़े पैमाने पर बनी है। इसी दिन कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' रिलीज होगी।

'लैला मजनू' की तर्ज पर 'हीर रांझा' बनाएंगी एकता कपूर

14 फरवरी 'वैलेंटाइन डे' पर फिल्म निर्माताओं ने 'हीर रांझा' की खास झलक शेयर की है। इस फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध फिल्म निर्माता इम्तियाज अली के छोटे भाई साजिद अली करेंगे। एकता कपूर ने अपनी नई फिल्म 'हीर रांझा' की एक खास झलक इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म 'हीर रांझा' को लेकर कैप्शन में लिखा, 'कुछ प्रेम कहानियां कभी नहीं मरतीं।' आगे एकता ने लिखा, ''लैला मजनू' से लेकर 'हीर रांझा' तक की प्रेम कहानियों की विरासत जारी है।' इस फिल्म के प्रस्तुतकर्ता इम्तियाज अली है। फिल्म का निर्देशन इम्तियाज के छोटे भाई साजिद अली करेंगे। फिल्म का निर्माण शोभा कपूर, एकता कपूर और प्रीति अली बालाजी मोशन पिक्चर्स और पी फिल्म के तहत करेंगे। फिल्म की इस झलक को देखकर यूजर्स काफी उत्साहित हैं और मांग कर रहे हैं कि लैला मजनू की तरह इस फिल्म में भी तृप्ति डिमारी और अविनाश तिवारी को ही कास्ट किया जाए।

स्वयंभू के टीज़र में सम्युक्ता के वॉरियर अवतार ने मचाया तहलका

अपनी पिछली फिल्मों की कामयाबी पर सवार सम्युक्ता ने स्वयंभू के टीज़र में ऐसा पावरफुल इम्पैक्ट छोड़ा है कि नज़र हटाना मुश्किल हो जाए। इस बार वो नज़र आती हैं एक भयंकर योद्धा के रूप में, जो अफरातफरी को चीरते हुए पूरे कॉन्फिडेंस और इंटेंसिटी के साथ आगे बढ़ती है। गूंथी हुई चोटी, युद्ध के लिए तैयार तेवर, और रफ-टफ योद्धा वेशभूषा में सम्युक्ता कच्ची ताकत और अटूट इरादे का प्रदर्शन करती दिखती हैं। उनका किरदार शब्दों से नहीं, एक्शन से बोलता है और हर फ्रेम ये इशारा देता है कि वो अपने करियर के सबसे साहसी क्रिएटिव फेज़ में कदम रख चुकी हैं। ये भूमिका इसलिए भी खास लगती है क्योंकि इससे पहले उनका परफॉर्मेंस ट्रैक रिकॉर्ड बेहद मजबूत रहा है। भीमला नायक में उन्होंने अपनी दमदार मौजूदगी से सबको प्रभावित किया, बिम्बिसार में पौराणिक दुनिया को एक्सप्लोर किया, विरुपाक्ष में थ्रिल का तड़का लगाया और सर में जमीन से जुड़ा अभिनय पेश किया। अब स्वयंभू में ऐसा लगता है जैसे इन सभी अनुभवों का संगम दिख रहा हो और सम्युक्ता खुद का और भी ताकतवर संस्करण बनकर सामने आई हों। टीज़र में वो एक निडर और बेखौफ योद्धा के रूप में दिखती हैं, जो जेंडर की तय सीमाओं को चुनौती देते हुए तीखे एक्शन सीक्वेंस में कमान अपने हाथ में लेती है। कभी धनुष-बाण साधती हुई, तो कभी तलवार लहराती हुई — हर सीन इस बात का सबूत है कि इस किरदार के लिए उन्होंने जबरदस्त शारीरिक ट्रेनिंग और तैयारी की है। सम्युक्ता कहती हैं, स्वयंभू मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि मैंने हमेशा ऐसे किरदार चुने हैं जो मुझे मेरे कम्फर्ट ज़ोन से बाहर ले जाएं। इस भूमिका ने मुझे शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर ऐसी चुनौती दी जैसा पहले कभी महसूस नहीं किया। एक गांव की महिला की आत्मा और शक्ति को समझने से लेकर घुड़सवारी और तीरंदाजी की कड़ी ट्रेनिंग तक, ये सफर बेहद गहन और परिवर्तनकारी रहा। इस किरदार में वो सब कुछ है जिसका एक अभिनेता सपना देखता है — ताकत, संवेदनशीलता और एक मजबूत आवाज़। इस उग्र योद्धा रूप में ढलना मेरे करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक रहा है। स्वयंभू के अलावा भी सम्युक्ता के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइनअप में हैं, जहां वो अपनी बढ़ती रेंज दिखाती नजर आएंगी। जल्द ही वो ब्लैक गोल्ड में एक सशक्त पुलिस अधिकारी के रूप में फिल्म को लीड करेंगी और साथ ही पुरी जगन्नाध की स्लम डॉग में विजय सेतुपति और तब्बू के साथ स्क्रीन साझा करती दिखाई देंगी।

सही समय और सही जीवनसाथी का इंतजार

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी शादी की खबरों को लेकर भी लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, शादी की खबरों पर मृणाल इनकार कर चुकी हैं। जबकि धनुष के साथ रिश्ते पर भी दोनों स्टार्स में से किसी ने भी खुलकर कुछ नहीं कहा है। अब मृणाल का कहना है कि वो शादी की योजना बना चुकी हैं।

बातचीत में मृणाल ने कहा है कि शादी निश्चित रूप से उनकी योजनाओं का हिस्सा है, लेकिन तभी जब समय और जीवनसाथी सही लगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपने जीवन में सही साथी के आने का इंतजार कर रही हैं। उनकी यह टिप्पणी अभिनेता धनुष के साथ उनके रोमांटिक संबंधों की अफवाहों को खारिज करने के कुछ ही समय बाद आई है। अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए मृणाल ने कहा कि वह एक दिन शादी करना चाहती हैं। जब सही दिन और सही जीवनसाथी मिलेगा, तो मैं खुद सोशल मीडिया पर इस खबर की घोषणा करूंगी।

शादी को लेकर बदले लोगों के विचार

अभिनेत्री का मानना है कि समय के साथ लोगों का शादी को लेकर विचार भी काफी बदल गया है। एक्ट्रेस ने कहा कि आज लोग सामाजिक अपेक्षाओं या दबाव के बजाय सच्चे जुड़ाव के कारण शादी का चुनाव करते हैं। पहले शादी के पीछे अलग-अलग कारण हो सकते थे, लेकिन अब यह सही व्यक्ति के साथ रहने की इच्छा के बारे में है।

पिछले साल से चल रहीं धनुष मृणाल के अफेयर की खबरें

पिछले कुछ वक्त से मृणाल और धनुष के अफेयर की खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं। पिछले दिनों तो ये भी खबरें आई थीं कि मृणाल और धनुष 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे के मौके पर ही शादी भी कर सकते हैं। हालांकि, इन खबरों को मृणाल ने यह कहते हुए खारिज किया था, 'शादी की तारीख तक आ गई और मुझे इनवाइट भी नहीं किया गया।' हालांकि, मृणाल और धनुष के रिश्ते की आधिकारिक तौर पर पुष्टि कभी नहीं हुई, लेकिन पिछले साल उनकी फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप पार्टी में शामिल होने के बाद अटकलें शुरू हो गईं। बाद में 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर उनके धनुष को गले लगाने के वीडियो ने अफवाहों को और हवा दी।

'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी मृणाल

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस रोमांटिक लव स्टोरी में वो सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। रवि उदयवार द्वारा निर्देशित और संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके अलावा उनकी पाइपलाइन में आदिवी शेष के साथ रोमांटिक-एक्शन थ्रिलर 'डकैत' भी है। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने है।

आज के दौर में ज्वेलरी मेकिंग सिर्फ सुनारों का ही खानदानी काम नहीं रहा। आप भी गहने बनाने के काम में अपना भविष्य बना सकते हैं। शुरू में थोड़े इन्वेस्टमेंट के साथ आप अपना काम भी शुरू कर सकते हैं। कैसे, इस बारे में बता रहे हैं... जिस तरह ज्वेलरी अब सिर्फ सोने-चांदी का नाम नहीं है, ठीक वैसे ही यह काम अब केवल सुनारों का नहीं रह गया है। ज्वेलरी की बढ़ती डिमांड और बाजार में प्रतिस्पर्धा के चलते अब इस क्षेत्र में पढ़े-लिखे डिग्रीधारी प्रोफेशनल्स को काम करने का मौका मिलने लगा है।

ज्वेलरी मेकिंग

अपना करियर खुद कीजिए डिजाइन

भारत रत्न विज्ञान केंद्र के निदेशक एपी सिंह ने बताया कि 'ज्वेलरी मेकिंग में भारत दुनिया भर में सबसे आगे हो चुका है। यहां सस्ते और अच्छे कारीगर मिलने की वजह से विश्व का ध्यान भारत की ओर टिका हुआ है।' अब वह दौर भी धीरे-धीरे जा रहा है, जब लोग ज्वेलरी को आवश्यकता की चीज यानी इन्वेस्टमेंट की नजर से ज्यादा और साज-सज्जा यानी श्रृंगार की सोच से कम खरीदा करते थे। आजकल लोग इन्वेस्टमेंट के साथ इस बात पर विशेष ध्यान देने लगे हैं कि वे जिस आभूषण को खरीद रहे हैं, उसका डिजाइन कैसा है और वह पहनने पर कैसा लगेगा। डिजाइन अच्छा होगा तो उसे पहनने वाले की सुंदरता में भी चार चांद लगेंगे। लोगों की इसी सोच के चलते अब सोने-चांदी के अलावा आर्टिफिशियल और कॉस्ट्यूम ज्वेलरी की भी बाजार में काफी डिमांड है।

खैर, ज्वेलरी चाहे सोने-चांदी की हो या आर्टिफिशियल या कॉस्ट्यूम, दोनों को तैयार करने वालों को प्रशिक्षण एक ही तरह का दिया जाता है। आजकल के बदलते ट्रेंड और इस क्षेत्र में करियर के उम्दा चांस मिलने के चलते युवा इस ओर खूब रुख कर रहे हैं। इस क्षेत्र में पैसे की भी कोई कमी नहीं है।

ज्वेलरी मेकर्स का काम

इस क्षेत्र में काम करने वालों को आभूषण बनाना, उन्हें मॉडिफाई करना, डिजाइन करना आदि के अलावा जैमोलॉजी की बेसिक जानकारी तथा कास्टिंग टेक्नोलॉजी, ज्वेलरी का इतिहास, स्टोन कटिंग एंड इनेबलिंग यानी नक्काशी, रत्नों की शुद्धता मापना, रत्नों का चुनाव, मूल्य, सेटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग एवं सोल्डरिंग, फेब्रिकेशन, रिपेयरिंग, रत्नों के अलावा टेराकोटा मोतियों और हाथी दांत व सीपियों का प्रयोग करना सिखाया जाता है। अगर आप कला में रुचि रखते हैं। दसवीं या बारहवीं पास हैं और अपना काम करना चाहते हैं या आपको नौकरी उतनी अच्छी नहीं मिल रही है अथवा आप परीक्षाओं में अच्छे अंक नहीं ला पाए हैं तो आप ज्वेलरी मेकिंग का काम सीख कर इस क्षेत्र में बहुत अच्छा पैसा कमा सकते हैं। कैसे, आइए जानें:- ज्वेलरी मेकिंग या डिजाइनिंग के लिए कम से कम 10 फुट चौड़े और 12 फुट लंबाई वाले कमरे की जरूरत होती है। बड़ा काम करने के लिए उसी हिसाब से जगह की ज्यादा जरूरत होती है।

➲ **लागत:** इस काम को करने में कम से कम पांच लाख रुपए का खर्च आता है। आप जितना बड़ा काम करना चाहेंगे, लागत भी उतनी ही अधिक आएगी। अगर आप केवल टांका लगाने का काम करते हैं या तार खींचने का काम या लड़ी जोड़ने यानी पिरोने का काम करना चाहते हैं तो आपका काम बीस-तीस हजार रुपए में शुरू हो सकता है। जगह का खर्च आपको अलग से वहन करना पड़ेगा।

➲ **हैंड्स:** हैंड्स यानी सहयोग, मतलब आपको इस काम को करने के लिए कम से कम कितने वर्कर्स की आवश्यकता पड़ेगी तो आपको बता दें कि पांच लाख की लागत लगा कर काम शुरू करने पर आपको कम से कम 15 लोगों की आवश्यकता पड़ेगी। अगर आप काउंटर लगाकर काम शुरू करते हैं तो आपको किसी अन्य व्यक्ति की सहायता की जरूरत नहीं पड़ेगी या काम के हिसाब से आप कारीगर रख सकते हैं।

➲ **योग्यता:** ज्वेलरी मेकर बनने के लिए डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करना आवश्यक है। इसके लिए आपकी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं होनी चाहिए। कुछ प्राइवेट संस्थान दसवीं पास छात्रों को भी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। बड़े संस्थान लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश देते हैं।

➲ **कोर्स की अवधि:** ज्वेलरी मेकिंग के कोर्सेज की अवधि तीन माह से लेकर दो साल तक है। इसमें तीन से छः माह के सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं, जबकि एक से दो साल में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। आजकल कुछ संस्थान साप्ताहिक कोर्स भी कराते हैं, जिनमें टांका लगाना, ज्वेलरी साफ करना, तार खिंचाई, लड़ी जोड़ना सिखाया जाता है।

➲ **शुल्क:** ज्वेलरी मेकिंग के कोर्स का शुल्क प्रशिक्षण अवधि, कोर्स और संस्थान पर निर्भर करता है। इस काम को सिखाने वाले संस्थान 10 हजार रुपए से दो लाख रुपए तक चार्ज करते हैं। जो संस्थान सिर्फ टांका आदि लगाना सिखाते हैं, वे एक हजार से पांच हजार तक वसूलते हैं।

➲ **आमदनी:** ज्वेलरी मेकिंग का काम एक ऐसा काम है, जिसमें आपकी आमदनी अच्छी होने के साथ बढ़ती ही रहती है। इस काम में सोने-चांदी का 15 प्रतिशत हिस्सा अलॉय यानी दो-तीन धातुओं के मिश्रण में और 5 प्रतिशत हिस्सा ढलाई में मिलता है। मोटे तौर पर कहें तो कुल मिला कर अलग-अलग जगहों के हिसाब से 14, 15, 18 या 23 प्रतिशत हिस्सा बनाने वाले को मिलता है और बनवाई अलग से मिलती है। अन्य धातुओं से ज्वेलरी बनाने में केवल बनवाई मिलती है। शुद्ध आमदनी की अगर बात की जाए तो पांच लाख रुपए की लागत से शुरू किए गए काम से आप लाखों रुपए महीने तक कमा सकते हैं, जबकि आर्टिफिशियल या कॉस्ट्यूम ज्वेलरी बनाने में कुछ कम आमदनी होती है। आपका काम जितने बड़े स्तर का होगा या बढ़ेगा, उसी हिसाब से आमदनी भी बढ़ेगी।

➲ **लोन:** ज्वेलरी मेकिंग का काम शुरू करने के लिए अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो आप लोन भी ले सकते हैं। इसके लिए आपके पास दो रास्ते हैं। एक निजी स्तर पर सीधे बैंक से लोन लेने का और दूसरा सरकारी संस्थान के सर्टिफिकेट पर ग्रामीण या शहरी स्वरोजगार योजना की स्कीमों के अंतर्गत लोन लेकर काम शुरू करने का। दोनों ही तरह से आपको जरूरी दस्तावेज जमा कराने होंगे। इन दस्तावेजों में प्रोजेक्ट रिपोर्ट, जगह के कागज, बैंक या स्कीम के मुताबिक सिक्योरिटी मनी, शिक्षा के प्रमाण-पत्र, आईडी प्रूफ, पासपोर्ट साइज फोटो आदि शामिल हैं। इसके अलावा आपको दो गवाह भी चाहिए। लोन की राशि आपकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट, कार्य का आकार-प्रकार और जगह की वैल्यू पर निर्भर करेगी।

प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख संस्थान

ज्वेलरी मेकिंग का प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख संस्थानों के नाम व पते इस प्रकार हैं-

रत्न परीक्षण प्रयोगशाला: राजस्थान चेंबर भवन, द्वितीय तल, मिर्जा इस्माइल रोड, जयपुर-302003,

रत्न भारतीय हीरा संस्थान: कैटरम गिड्स, पोस्ट बॉक्स नं-508, सुमुल डेयरी रोड, सूरत-395008, गुजरात

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धक परिषद: डॉ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर मार्ग, मुंबई

भारत रत्न विज्ञान केंद्र: झंडेवालान, नई दिल्ली,

भारतीय रत्न विज्ञान संस्थान: नई दिल्ली

दिल्ली जैम एंड ज्वेलरी इंस्टीटयूट: नई दिल्ली

हमेशा ऊंचाइयों पर कैसे रहें?

यदि आप चाहते हैं कि आप ऊंचाई पर हों और प्रसन्नचित्त रहें तो उसका एक ही तरीका है, हमेशा दूसरों को प्रसन्न रखें। दूसरों की सहायता करने में कोई हर्ज नहीं है, किंतु यदि आप इसे अपनी प्राथमिकताओं, वचनबद्धता व जरूरतों की कीमत पर करते हैं तो आप हमेशा अप्रसन्न महसूस करेंगे। आपको इस बात का भी अहसास होगा कि आप अपने वांछित लक्ष्यों, इच्छाओं व उद्देश्यों को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इसके साथ ही आपको सुनिश्चित समय-अंतराल के साथ, सुनिश्चित लक्ष्यों की भी जानकारी होनी चाहिए। आपकी वचनबद्धता के स्तर, उत्साह व प्रेरणा में मेल होना भी जरूरी है। बड़े लक्ष्य पाने हैं तो बड़े कदम उठाने होंगे। आपके भीतर पथ में आने वाली हर बाधा पर हावी होने, उसका सामना करने व उस पर विजय पाने का साहस होना चाहिए।

पराजितों से दूर रहें

ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते। इन पराजितों के दल का हिस्सा न बनें, क्योंकि इनमें से कुछ को बदल पाना नामुमकिन होता है। यदि आप उनके साथ रहेंगे तो नकारात्मकता की चपेट में आते देर नहीं लगेगी।

शांत रहें व दूसरों को भी सहज रखें

आपको न केवल स्वयं को शांत व सहज रखना है, बल्कि अपने संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को भी आरामदेह महसूस करवाना है। हमें अपने सपनों को साकार करने के लिए आने वाले दिन की राह नहीं देखनी, बल्कि इस पर आज से ही काम शुरू कर देना है। आपको बड़े-से-बड़ा बनने का सपना देखना चाहिए। सफल व असफल लोगों में सबसे बड़ा अंतर एक ही होता है, वह है उनकी दृढ़ता। हमेशा ऊंचाई पर व प्रसन्नचित्त रहने का एक तरीका यह भी है कि व्यक्ति वित्तीय रूप से स्वतंत्र हो। जीवन में कई पहलू होते हैं जैसे परिवार, व्यवसाय व सामाजिक जीवन आदि।

प्रेरणा का स्रोत ऊंचा रखें

प्रेरणा का स्तर इतना ऊंचा हो कि आप हमेशा एक से दूसरे लक्ष्य तक जाने के लिए प्रेरित रहें। आपको अहसास हो कि सफलता की राह में अड़चनें भी होती हैं और आप उन बाधाओं व अड़चनों के बावजूद यात्रा को अधूरा नहीं छोड़ने वाले।

केवल आज में ही जिएं

प्रसन्न रहने का एक तरीका यह भी है कि बीते दिन की बुरी यादों को साथ न लाएं और न ही आने वाले कल की चिंता करें। प्राय: हम जिस दुर्भाग्य की कल्पना कर लेते हैं, वह घटित नहीं होती। यदि कोई संकट या परेशानी सामने आ भी जाए तो याद रखें कि वह भी बीत जाएगी। दिमाग में किसी भी चिंता का बोझ न डालें। हम आज का भार तो सह सकते हैं, किंतु कल व आने वाले कल की परेशानी का भार नहीं सह सकते। मनुष्य का स्वभाव भी बड़ा विचित्र होता है, वह एक शेर को तो चकमा दे सकता है, लेकिन किसी मच्छर या मक्खी को नहीं उड़ा पाता। ऊंचाई पर रहने का सबसे बेहतर तरीका यही है कि आने वाले कल की उन चिंताओं पर विचार न करें, जो संभवत: कभी घटित ही न हों। मिशेल डी मोंइज ने कहा है- "मेरा जीवन ऐसे भयानक दुर्भाग्यों से भरपूर रहा है, जिनमें से ज्यादातर ऐसे हैं, जो कभी घटित ही नहीं हुए। ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते।

उंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें...

गुरु-मंत्र: कम्युनिकेशन पर दें ध्यान

थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी... इनका प्रयोग अक्सर कम्युनिकेशन के दौरान होता है। कम्युनिकेशन अपने आप में काफी बड़ा, विस्तृत और आकर्षक विषय है। समाज में विभिन्न स्तरों पर संवाद की जरूरत और किस प्रकार का संवाद होना चाहिए, इस पर कई बातें निर्भर करती हैं।

कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भी कम्युनिकेशन पर काफी ध्यान दिया जाता है। कम्युनिकेशन में सकारात्मकता आपको घर से लेकर आपके ऑफिस में सहायक सिद्ध होगी। घर पर अगर आप परिवार के किसी सदस्य के साथ बातचीत कर रहे हैं और उसमें कोई बात आपको अच्छी नहीं लगी तब आप तत्काल उस पर प्रतिक्रिया देते हैं और टोक देते हैं। खासतौर पर जब बात युवा साथी की हो तब उसे टोकना जरूरी भी है ताकि वह अपने कम्युनिकेशन में बदलाव लाए, पर यहां भी बात सकारात्मकता की लागू होती है। अगर आपने डांट कर अपनी बात मनाने के लिए कोई बात कही तब कुछ भी नहीं होने वाला और हो सकता है कि अगली बार आप संवाद स्थापित करने का मौका ही छोड़ दे। अगर बात कॉर्पोरेट वर्ल्ड की है तब कार्यालयों में यह देखा जाता है, अगर कोई कर्मचारी समय पर नहीं आता है तब छुट्टी से लेकर नोटिस देने जैसे कितने ही कार्य होते हैं। एक कंपनी में तो देरी से आने वाले को सभी स्टॉफ के सामने डांटने जैसी परंपरा ही थी, परंतु इससे क्या व्यवस्थाओं में परिवर्तन लाया जा सकता है क्या? या फिर कम्युनिकेशन इसमें किस तरह का हो सकता है, इस बारे में विचार किया जाए।

पॉजिटिव कम्युनिकेशन की बात की जाए तब कार्यालय में देरी से आने वाले कर्मचारी को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि चलिए आज कोई समस्या होगी बावजूद इसके आप थोड़ा ही देर से आए। आप कल और जल्दी आ सकते हैं। हो सकता है कि इससे कर्मचारी के मन पर थोड़ा असर पड़े और वह जल्दी आने के लिए प्रेरित हो, जबकि दूसरी ओर अगर आपने उसे डांटा है तब उसका नकारात्मक असर ही पड़ेगा। वह ऑफिस में जल्दी जरूरी आएगा, पर अपना आउटपुट जैसा चाहिए वैसा नहीं देगा। घर पर भी युवाओं या किशोरों से बातचीत के दौरान या सामान्य रूप से बातचीत के दौरान भी अगर आप किसी विवाद को समाप्त करना चाहते हैं तब बातचीत की शुरुआत जिन मुद्दों पर असहमति है उनसे न करके जिन बातों पर सहमति है, उससे करेंगे तब बात बनेगी जरूर। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में किसी भी उत्पाद या किसी अन्य कंपनी से डील करते वक्त इस बात का ध्यान रखा जाता है। दोनों साझा रूप से किन बातों पर सहमत हैं। एक बार हां की मुहर लग जाने के बाद अन्य बातें करने में आसानी हो जाती है। थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी का उपयोग कहां, कब और कितना करना यह भी जानना जरूरी है। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भावनाओं की कद्र थोड़ी कम ही होती है और खासतौर पर सेल्स के क्षेत्र में कंपनियों को टारगेट पूर्ण होने से मतलब होता है । इस कारण सॉरी की बात ही न कहें, बल्कि तर्क के सहारे अपनी बात रखें।